केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा-भारत से हर घुसपैठिये को बाहर निकाला जाएगा - 12

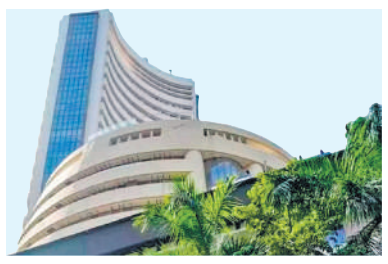

शेयर बाजार में जारी तेजी थमी, सेंसेक्स 400 अंक लुढ़का - 12

जलवायु चुनौतियों से निपटने के लिए बने न्यायसंगत वैश्विक परिवर्ती तंत्र - 13

मंधाना ने संगीतकार पलाश मुच्छल के साथ सगाई की पुष्टि की - 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष द्वितीया 05:11 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

शनिवार, 22 नवंबर 2025, वर्ष 35, अंक 293, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

जी-20 सम्मेलन में शामिल होंगे मोदी द. अफ्रीका पहुंचे

जोहानिसबर्ग। प्रधानमंत्री मोदी दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में हो रहे जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार को जोहानिसबर्ग पहुंचे। गौतेंग स्थित वाटरलूफ वायुसैनिक अड्डे (एएफबी) पर उनका पारंपरिक स्वागत किया गया। इस मौके पर कलाकारों ने सांस्कृतिक गीत और नृत्य पेश किया। जी20 शिखर सम्मेलन में वह 'वसुधैव कुटुंबकम' तथा 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' की भावना के अनुरूप भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत करेंगे। शिखर सम्मेलन से इतर मोदी के जोहानिसबर्ग में मौजूद कुछ नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की भी संभावना है।

एसआईआर को चुनौती वाली याचिकाओं पर आयोग को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

- केरल व दूसरे राज्यों की ओर से दाखिल याचिकाओं पर शीर्ष कोर्ट करेगी सुनवाई

शीर्ष कोर्ट ने केरल, यूपी और दूसरे राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए शुक्रवार को सहमति जताई। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अलग-अलग राज्यों में भिन्न-भिन्न आधार पर एसआईआर की कवायद को चुनौती देने वाली विभिन्न राजनीतिक नेताओं की सभी नई याचिकाओं पर निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी किया।

केरल में एसआईआर को चुनौती देने वाले एक याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव भी होने हैं और इसलिए, इस मामले में तत्काल विचार की आवश्यकता है। पीठ ने निर्देश दिया कि केरल में एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं को 26 नवंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए और दूसरे राज्यों में इस कवायद को चुनौती देने वाली बाकी याचिकाओं पर दिसंबर के पहले या दूसरे हफ्ते में सुनवाई होगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि यह अच्छी बात है कि अब निजी व्यक्तियों के बजाय राजनीतिक दल इस प्रक्रिया को चुनौती देने के लिए आगे आ रहे हैं। शीर्ष अदालत पहले से ही पूरे भारत में एसआईआर कराने के निर्वाचन आयोग के फैसले की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है।

एसआईआर ड्यूटी से तंग बीएलओ ने की आत्महत्या

कोडीनार (गुजरात)। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में शुक्रवार को मतदाता सूची के एसआईआर के कार्य में लगे एक स्कूल शिक्षक, जो बीएलओ के रूप में तैनात थे, ने आत्महत्या कर ली। परिजनों का दावा है कि उन्होंने एक 'सुसाइड नोट' छोड़ा है, जिसमें मानसिक तनाव और कार्य के दबाव को आत्महत्या की वजह बताया गया। एक अधिकारी ने बताया कि शिक्षक अरविंद वढेर ने सुबह करीब साढ़े छह बजे कोडीनार तालुका के देवली गांव स्थित अपने घर में फांसी लगा ली। सुसाइड नोट में वढेर ने इस कदम के लिए एसआईआर की ड्यूटी को जिम्मेदार ठहराया। वधेर ने नोट में लिखा, अब मेरे लिए एसआईआर का यह काम करना असंभव है। मैं पिछले कुछ दिनों से थका हुआ और मानसिक रूप से तनावग्रस्त महसूस कर रहा हूं। कृपया हमारे बेटे का ख्याल रखें।

ब्रीफ न्यूज

48 घंटे में 800 साइबर अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने साई-हॉक नामक 48 घंटे के अभियान में 4,400 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ की और विभिन्न साइबर अपराध मॉड्यूल से जुड़े 800 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया या उन्हें कानूनी नियंत्रण के तहत रखा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) के साथ निकट समन्वय में चलाए गए अभियान के तहत साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क, नकदी-निकासी एजेंटों और राष्ट्रीय राजधानी में संचालित अवैध कॉल सेंटरों को लक्षित किया गया। उन्होंने कहा कि अन्य 509 लोगों को साइबर-धोखाधड़ी नेटवर्क के साथ उनके संदिग्ध संबंधों के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत नोटिस जारी किया गया है।

एलओसी से हथियार गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को एलओसी के पास एक ठिकाने से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद कर एक संभावित आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया। बरामद हथियारों में एम-सीरीज की दो असॉल्ट राइफल भी शामिल हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर, सुरक्षा बलों ने उत्तरी कश्मीर में कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा क्षेत्र में एलओसी के पास नीरियान वन क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया।

भारत की सोच निकाल सकती है वैश्विक चुनौतियों का रास्ता : योगी

सीएम ने विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया बड़ा संदेश

- कहा-दुनिया में जहां अशांति और अराजकता है, वहां सतत विकास बेमानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की सोच वैश्विक चुनौतियों का रास्ता निकाल सकती है। जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा, स्वास्थ्य के संकट, वैश्विक आतंकवाद जैसे मुद्दों पर मुखर होकर यूएन जैसे प्लेटफॉर्म का बेहतर उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया में जहां अशांति और अराजकता है, वहां सतत विकास की बात करना बेमानी है। योगी ने वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को भारत की हजारों वर्षों की परंपरा करार दिया।

वे शुक्रवार को सिटी मॉन्टेसरी स्कूल द्वारा आयोजित मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमें यूएन के घोषणा को स्मरण करना होगा, जिसमें सतत विकास के लक्ष्यों के बारे में दुनिया के देशों से आह्वान किया गया था। इन 16 लक्ष्यों में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है।

मुख्य न्यायाधीशों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री योगी और अन्य गणमान्य।

मुख्यमंत्री ने कहा दुनिया में जहां अशांति व अराजकता है, वर्चस्व को लेकर एक-दूसरे की संप्रभुता को हड़पने की होड़ हो, वहां पर एजुकेशन, स्वास्थ्य व सतत विकास की बात बेमानी सी दिखती है। सभी को इस बारे में विचार करना चाहिए कि कैसे इन समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जब हम दुनिया के अंदर शिक्षा की बात करते हैं तो 250 करोड़ से अधिक बच्चों के लिए गुणवत्तापरक शिक्षा पर फोकस करते हैं।

विचार करना होगा कि बस्ते के बोझ से बच्चे डिप्रेस्ड न हों। उन्होंने कहा कि आज की कोई भी समस्या केवल एक देश की नहीं, बल्कि दुनिया की समस्या होती है और दुनिया को ही मिलकर ही समाधान निकालना पड़ेगा।

वास्तविक समस्या न भूलें

योगी ने कहा कि ये कभी विस्मृत नहीं करना चाहिए कि विश्व की वास्तविक समस्या क्या है। जब हम तह में जाते हैं तो लगता है कि डायलॉग एक-दूसरे के बीच में नहीं है। स्वयं के वर्चस्व को स्थापित करने के लिए डायलॉग को बाधित किया गया। ये कॉन्फ्रेंस डायलॉग का एक माध्यम है। दुनिया के जाजों के माध्यम से यह मानवता व उन लोगों के लिए भी एक उद्घोषणा है, जिन्होंने वर्चस्व स्थापित करने के लिए अराजकता का वातावरण पैदा करने का प्रयास किया।

वंदे मातरम् की प्रस्तुति

कार्यक्रम की शुरुआत गोमती नगर एक्सटेंशन ब्रांच के स्टूडेंट्स ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की प्रस्तुति से की। छात्र-छात्राओं ने ट्रिनिडाड व टोबैगो, तुवालु, स्वीडन और भारत समेत विभिन्न देशों के प्रतिनिधि के तौर पर अपना पक्ष रखा। क्रोएशिया के पूर्व राष्ट्रपति, लेसोथो के पूर्व प्रधानमंत्री, वर्तमान व पूर्व राष्ट्र प्रमुख, सीएमएस की संस्थापक निदेशक डॉ. भारती गांधी, सिटी मॉन्टेसरी स्कूल के अध्यक्ष डॉ. रोजर किंगडम और अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला उपस्थित रहे।

दुबई एयरशो में तेजस क्रैश, पायलट की मौत

- दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का गठन करेगी आईएएफ

नई दिल्ली/दुबई, एजेंसी

भारतीय वायुसेना (आईएएफ) का लड़ाकू विमान तेजस शुक्रवार को दुबई एयरशो के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और इस हादसे में पायलट की मौत हो गई। वायुसेना ने कहा कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए एक 'कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी' का गठन किया जा रहा है।

मार्च 2024 में, वायुसेना का एक तेजस हल्का लड़ाकू विमान (एलसीए) पोखरण रेगिस्तान में सैन्य अभ्यास 'भारत शक्ति' से लौटते समय जैसलमेर में एक आवासीय कॉलोनी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। यह ऐसी पहली दुर्घटना थी जो स्वदेश निर्मित एकल इंजन वाले विमान के 2001 में उड़ान भरना शुरू करने के बाद हुई थी। उस हादसे में पायलट विमान से सुरक्षित रूप से बाहर निकल गया था।

शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर में, एयरशो में हवाई प्रदर्शन के दौरान उड़ान भरते समय विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। भारतीय वायुसेना ने 'एक्स' पर कहा, आईएएफ को इस हादसे में हुए जानमाल के नुकसान पर बहुत दुख है और वह दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा कि सशस्त्र बल इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं। आयोजित होने वाला एक द्विवार्षिक आयोजन है। इसकी वेबसाइट के अनुसार, 2025 संस्करण का आयोजन 17 से 21 नवंबर तक किया जा रहा है।

हवाई प्रदर्शन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुआ तेजस।

1984 में शुरू हुआ था तेजस विमान का निर्माण

तेजस विमान के निर्माण की परियोजना वर्षों के विचार-विमर्श के बाद अंतत: 1984 में शुरू हुई थी और 2011 में विमान को औपचारिक रूप से उड़ान के लिए उपयुक्त घोषित किया गया। तेजस विमान भारतीय वायुसेना का मुख्य आधार बनने के लिए तैयार है। फरवरी 2021 में, रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए 83 तेजस एमके-1ए विमानों की खरीद के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ 48,000 करोड़ रुपये का सौदा किया था। नवंबर 2023 में, मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए 97 तेजस विमान के अतिरिक्त बैच की खरीद के लिए प्रारंभिक मंजूरी दी थी।

वीडीओ भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी, छह गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से वर्ष 2018 में की गई थी भर्ती
- लखनऊ के विभूतिखंड थाने में दर्ज की गई थी एफआईआर ईओडब्ल्यू की टीम ने की कार्रवाई

अमृत विचार: ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) भर्ती परीक्षा 2018 में धांधली करने वाले छह आरोपियों को ईओडब्ल्यू ने गुरुवार को गिरफ्तार किया है। इस मामले में कुल 173 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इसमें 15 की पहले गिरफ्तारी हो चुकी है। अन्य की तलाश में टीम दबिश दे रही है।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में मलिहाबाद मधवापुर कसमंडी का कुलदीप कुमार, बाराबंकी के सफदरगंज स्थित चैला का सूर्य प्रकाश सिंह, वाराणसी के लोहता के भिठारी का रिंकू यादव, जानकीपुरम मौर्या भट्ठा का अजय कुमार यादव, जालौन कालपी स्थित काशीरामपुर का सर्वेश कुमार और बरेली के बरादरी स्थित सुरेश शर्मा नगर पार्ट-3 का निदेश गंगवार शामिल है। वीडीओके 1953 पद की भर्ती का आयोजन उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने वर्ष 2018में किया था। परीक्षा कार्यदायी संस्थान टीसीएस लि. द्वारा कराई जा रही थी। परीक्षा में धांधली की शिकायत मिलने शासन ने ईओडब्ल्यू से जांच कराई गई। धांधली की रिपोर्ट आने के बाद विभूतिखंड थाने में एफआईआर दर्ज कराया गया। मामले की जांच कर रही ईओडब्ल्यू को दी गई। इसके बाद एसआईटी ने वर्ष 2021 में फिर से अपने थाने में मामला दर्ज किया।

आयोग के अधिकारी व टीसीएस की मिली भगत से हुई धांधली

जांच में सामने आया कि इस मामले में उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के तत्कालीन अधिकारी, कर्मचारी, कार्यदायी संस्था टीसीएस लि. द्वारा अन्य संस्थाओं, दलालों व अभ्यर्थियों से मिलीभगत कर लाखों रुपये वसूले गए। इसके बदले में भर्ती की लिखित परीक्षा से संबंधित ओएमआर शीट्स में व्यापक स्तर पर कूटरचना कर अपात्र अभ्यर्थियों को उच्चतम अंक दिया गया। इसके कारण पात्र अभ्यर्थियों का चयन नहीं हो सका। धांधली की पुष्टि होने पर परीक्षा को निरस्त कर दी गई थी। इस मामे में कुल 173 लोगों के खिलाफ साक्ष्य मिले। जिसके बाद उनको मामले का आरोपी बनाया गया। इस मामले में ईओडब्ल्यू की टीम ने 15 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है।

चचेरे भाई ने बहन की कुल्हाड़ी से काट की हत्या

कार्यालय संवाददाता, इटावा

- इटावा के इकदिल थाना क्षेत्र के गांव मुरैथा की घटना
- शराब के नशे में युवक ने किशोरी पर एक के बाद एक कई वार किए

अमृत विचार: इकदिल थाना क्षेत्र के मुरैथा में गुरुवार की देर शाम चचेरे भाई ने घर में मौजूद बहन की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। शराब के नशे में युवक ने चचेरी बहन पर एक के बाद एक कई वार किए, जिससे उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

छह घंटे के अंदर पुलिस ने मुठभेड़ में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पल्लवी (17) पुत्री प्रेमचंद्र गुरुवार की शाम करीब साढ़े सात बजे घर पर अकेली थी और खाना बना रही थी तभी उसका चचेरा भाई रीलू उर्फ पोलार्ड पुत्र बीरेंद्र वहां आया और बहस करने लगा था । इसके बाद हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार पल्लवी के पिता और उसके ताऊ का काफी समय से झगड़ा चल रहा था। इसी के चलते आए दिन युवक उनसे लड़ता रहता था। पल्लवी की मां सीमा ने बताया कि मेरी जेठानी के लड़के रीलू ने पहले भी एक बार मेरी बेटी का गला दबाकर मारने का प्रयास किया था। मृतका के पिता प्रेमचंद्र मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। उनके घर के पास ही बड़े भाई वीरेंद्र का मकान है। दोनों परिवारों के बीच विवाद चल रहा था जिसको लेकर पुलिस ने इन्हें पहले भी पाबंद किया था। सीओ सिटी अभय ने कहा हत्या की सूचना मिली थी। वहीं इकदिल पुलिस ने आरोपी को काबू लिया।

दिल्ली पुलिस बोली, सीएए विरोध का उद्देश्य बांग्लादेश-नेपाल जैसा सत्ता परिवर्तन करना था

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली दंगों में उमर खालिद शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिका का किया विरोध

दिल्ली पुलिस ने फरवरी 2020 के दंगों के मामले में कार्यकर्ताओं उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिका का विरोध करते हुए शुक्रवार को शीर्ष कोर्ट से कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में सीएए के खिलाफ प्रदर्शन कोई साधारण धरना नहीं था, बल्कि बांग्लादेश, नेपाल की तरह सत्ता परिवर्तन के उद्देश्य से किया गया था।

पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने पीठ को बताया कि दिल्ली दंगे ताहिर हुसैन, शिफा उर रहमान, मीरान हैदर, इशरत जहां और खालिद सैफी सहित कई आरोपियों की संलिप्तता वाली साजिश का नतीजा थे। राजू ने कहा कि षड्यंत्रकर्ताओं ने हिंसा की योजना बनाई, हालात बिगाड़ने और असम को भारत से अलग करने के लिए चक्का जाम किया, तथा दंगाइयों को संगठित किया। उनके मन में संविधान के प्रति सम्मान नहीं है। मामले पर 24 नवंबर को सुनवाई करेगी।

तैयारी — अयोध्या में सिर्फ आमंत्रित अतिथियों, पास धारकों व आवश्यक सेवाओं वाले वाहनों को मिलेगा प्रवेश, 24 से सीमाएं होंगी सील

भव्य ध्वजारोहण को लेकर अनुष्ठान शुरू, 23 से हाईवे पर डायवर्जन

कार्यालय संवाददाता, अयोध्या

अमृत विचार : राम मंदिर परिसर में 25 नवंबर को होने वाले भव्य ध्वजारोहण समारोह में शामिल होने का मौका आम श्रद्धालुओं को नहीं मिलेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत विशिष्ट अतिथियों के समारोह में शामिल होने के कारण सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने 24 नवंबर की शाम छह बजे से अयोध्या धाम में प्रवेश करने वाली सीमाओं को सील करने का निर्णय लिया है। शहर के अंदर भी किसी प्रकार के वाहनों के चलने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अयोध्या से जुड़ने वाले सभी हाईवे पर 23 नवंबर की रात 11 बजे से डायवर्जन लागू हो जाएगा। प्रशासन ने होटल, गेस्ट हाउस में 24 व 25 नवंबर की बुकिंग भी निरस्त करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, राम जन्मभूमि परिसर में भव्य ध्वजारोहण समारोह को लेकर शुक्रवार से अनुष्ठान आदि प्रारंभ हो गया।

पुलिस अधीक्षक यातायात एपी सिंह ने बताया कि हाईवे पर भारी माल वाहक वाहन जैसे ट्रक, डीसीएम व ट्रैक्टर आदि को अन्य मार्ग पर डायवर्ट किया जाएगा। यह डायवर्जन 26 नवंबर की रात 10 बजे तक लागू रहेगा। बताया कि दोनों प्रतिबंध आमंत्रित अतिथियों, पास धारकों व आवश्यक सेवाओं वाले वाहनों पर लागू नहीं होंगे। वहीं प्रशासन ने राम मंदिर परिसर के 200 मीटर की परिधि में स्थित सभी होटल, गेस्ट हाउस, धर्मशाला व होम स्टे में 24 व 25 नवंबर को किसी भी बाहरी व्यक्ति को ठहराने से मना किया है। निर्देश दिए गए हैं कि यदि पूर्व में यदि इन तिथियों पर कोई एडवांस बुकिंग हुई तो उसे निरस्त कर संबंधित को सूचित करें। साकेत महाविद्यालय से हनुमानगढ़ी के बीच में स्थित सभी मकानों, मंदिरों व आश्रमों में भी किसी बाहरी व्यक्ति को भी इन तिथियों में रोकने से मना किया गया है।

सभी को चेतावनी दी गई है कि यदि जांच में ऐसा पाया गया तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के अनुसार यह आदेश उच्च स्तर से मिले निर्देश के बाद जारी किया गया है। स्थानीय पुलिस व खुफिया एजेंसियां इस पर नजर रखे हुए हैं।

- होटल, गेस्ट हाउस में 24 व 25 नवंबर की बुकिंग निरस्त करने के निर्देश

दक्षिण भारत से आए 108 वैदिक आचार्यों ने सरयू जल शुद्धिकरण कर की यज्ञ मंडप की पूजा

राम जन्मभूमि परिसर में भव्य ध्वजारोहण समारोह को लेकर शुक्रवार से अनुष्ठान आदि प्रारंभ हो गया। इसकी शुरुआत यजमानों द्वारा सुबह भगवान श्रीरामलला के दर्शन और स्तुति से हुई। प्रखर विद्वान वैदिक आचार्य गणेश्वर शास्त्री के नेतृत्व में अयोध्या, काशी और दक्षिण भारत से आए 108 वैदिक आचार्यों ने सरयू जल शुद्धिकरण कर यज्ञ मंडप की पूजा की, 27 यजमानों ने मंडप की परिक्रमा की। जिसके बाद यज्ञशाला में प्रवेश कर उत्सव प्रतिमा और रामार्चा पूजन कर देवताओं का आह्वान किया गया। वहीं यज्ञशाला में 51 आचार्य के द्वारा रामचरितमानस पाठ और श्रीराम रक्षा स्त्रोत का पारायण किया गया। पहले दिन के अनुष्ठान के अंत में वैदिक मंत्रों से यज्ञ कुंड में अग्नि प्रकट करते हुए हवन के साथ अनुष्ठान संपन्न हुआ।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 22 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

अवैध असलहा के साथ शातिर गिरफ्तार

सीतापुर, अमृत विचार : हरगांव पुलिस ने एक शातिर को दबोचा, जिसके कब्जे से अवैध असलहा और कारतूस बरामद हुई। हरगांव थानाध्यक्ष बलवंत शाही ने बताया कि चेकिंग के दौरान तालगांव थानाक्षेत्र के पट्टी सेवई निवासी मनीष उर्फ आशुतोष को गिरफ्तार किया गया।

85 लीटर अवैध शराब बरामद, 7 पकड़े गए

सीतापुर, अमृत विचार : अवैध शराब बनाने और बेचने वालों के विरुद्ध अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान सात आरोपी गिरफ्तार किये गए। हरगांव में 65 लीटर अवैध शराब के साथ 6 आरोपी पकड़े गए। इसी कड़ी में कोतवाली देहात में एक तस्कर के कब्जे से 20 लीटर अवैध शराब बरामद हुई।

टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में सेमिनार आज से

सीतापुर, अमृत विचार : एएनडी टीचर्स ट्रेनिंग पीजी कॉलेज में इंडियन एसोसिएशन ऑफ टीचर एजुकेटर्स की उत्तर क्षेत्रीय समिति के सहयोग से शनिवार से दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का आयोजन ट्रांसफार्मिंग टीचर एजुकेशन फॉर विकसित भारत विषय पर किया जा रहा है। प्राचार्य प्रो. एसपी सिंह ने बताया कि सेमिनार में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, प्रतिष्ठित संस्थानों से शिक्षाविद, शोधार्थी, शिक्षक भाग लेंगे।

मिला सम्मान तो खिल उठे चेहरे

महोली, सीतापुर, अमृत विचार : विश्व शौचालय दिवस पर सामुदायिक, सार्वजनिक एवं महिला पिंक शौचालयों में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। ईओ रामकृष्ण वर्मा ने सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया और आमजन को स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया। इस दौरान उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में अधिशासी अधिकारी रामकृष्ण वर्मा के साथ रामेश्वर प्रसाद (लिपिक व एसबीएम प्रभारी), रवि शर्मा (कंप्यूटर ऑपरेटर), आनंद (कंप्यूटर ऑपरेटर), रूपेश कुमार, दीपक कुमार, अजय कुमार, राकेश कुमार (सभी सफाई नायक) सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

चालकों को यातायात नियमों की दी जानकारी

महोली, सीतापुर, अमृत विचार : बढ़ती जाम की समस्या को देखते हुए पुलिस ने ऑटो चालकों के साथ बैठक कर उन्हें सड़क पर अतिक्रमण न करने की हिदायत दी। बैठक के दौरान चालकों को यातायात नियमों के पालन और सुरक्षित संचालन की जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कोतवाल जंग बहादुर पांडेय ने कहा कि अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखना और दुर्घटनाओं की रोकथाम करना है।

मूर्ति स्थापना समारोह 1 से 5 दिसंबर चलेगा

मछरेहटा, सीतापुर, अमृत विचार : प्रसिद्ध शक्तिपीठ और सनातन धर्म की आस्था के केंद्र भारासैनी मंदिर मे विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल और स्थानीय लोगों की बैठक रामसागर पाण्डेय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बजरंग दल के प्रांत सह संयोजक महेंद्र पाण्डेय ने बताया कि पहली दिसम्बर से पांच दिसंबर तक मूर्ति स्थापना के विशेष आयोजन पं. भगौती प्रसाद मिश्र की देखरेख में संपन्न होंगे। बैठक में अंजनी कुमार शुक्ल, जगदंबा अवस्थी, भोलानाथ अवस्थी, आयुष अवस्थी, रामचंद्र गुप्ता, कृष्णमुरारी शुक्ल, आत्मप्रकाश सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

ग्राम चौपाल में निकले समस्याओं के हल

मछरेहटा, सीतापुर, अमृत विचार : ब्लाक की ग्राम पंचायत कटिया में आयोजित ग्राम चौपाल में बीडीओ राजेश तिवारी ने पहुंचकर लोगों की समस्याओं को सुना। वृद्धा पेंशन, आवास, नाली मरम्मत, रास्तों को लेकर ग्रामीणों ने शिकायती पत्र दिये। बीडीओ ने ऐसे में कई मामलों को मौके पर निस्तारित किया। इस दौरान शासन की योजनाओं की जानकारियां साझा की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

अतिक्रमणकारियों को तीन दिन का अल्टीमेटम

हरगांव, सीतापुर, अमृत विचार : ईओ श्रीश मिश्रा ने अतिक्रमण करने वालो को सचेत किया है। ईओ ने कहा है कि सरकारी जमीन व नालों पर से तीन दिनों के अन्दर अतिक्रमण हटा लें, अन्यथा नगर पंचायत कारवाई करके अतिक्रमण हटायेगी साथ ही अतिक्रमण हटाने जो व्यय होगा, वह अतिक्रमण करने वाले से वसूल किया जायेगा।

गौशाला में गोवंश तो मिले, चारा नहीं

ऐलिया ब्लॉक क्षेत्र के तिहार गौशाला का जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

संवाददाता, इमलिया सुल्तानपुर, सीतापुर,

अमृत विचार : जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. हर विभाग से जुड़े विकास कार्यों की नब्ज टोह रहे हैं। इस क्रम में वे अचानक ऐलिया ब्लॉक क्षेत्र की तिहार गौशाला पहुंच गए। देखा तो गौशाला में बड़ी संख्या में गौवंश तो थे लेकिन उनके खाने का चारा नदारद था। ऐसे में डीएम ने पंचायत सचिव पर अनुशासनिक कार्रवाई की। प्रधान को नोटिस के साथ दो पशु चिकित्सकों को प्रतिकूल प्रविष्टि देने का आदेश भी दिया।

तिहार गौशाला का निरीक्षण कर जानकारी लेते जिलाधिकारी। ● अमृत विचार

अचानक तिहार गौशाला पहुंचे जिलाधिकारी को देखकर कार्यरत कर्मचारियों के बीच हड़कंप मच गया। डीएम ने चारे की व्यवस्था देखी तो नदारद मिली। फिर क्या था, डीएम ने सभी सात रजिस्टर मंगवाए, पता चला कि वो सभी गायब हैं। ऐसे में डीएम ने पंचायत सचिव के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई के आदेश दिए। प्रधान को नोटिस भेजने के लिए कहा। फिर बीमार गौवंशों की हालत देखकर पशु चिकित्सकों से सवाल किये, तो सभी बगलें झांकते नजर आए, ऐसे में दो पशु चिकित्सकों के विरुद्ध प्रतिकूल प्रविष्टि देने के आदेश दिए।

जिलाधिकारी के औचक निरीक्षण के दौरान डीसी मनरेगा चंदनदेव पाण्डे भी मौजूद थे। जिला प्राबेशन अधिकारी प्रिया पटेल का कहना है कि जांच में विकास खण्ड क्षेत्र स्तर से चूक सामने आई है, विभागीय पत्राचार किया गया है।

327 स्काउट-गाइड कैंप के लिए रवाना

महमूदाबाद, सीतापुर, अमृत विचार : सीता ग्रुप ऑफ एजुकेशन परिसर से लखनऊ में आयोजित होने वाले जंबूरी कैंप के लिए 327 स्काउट-गाइड दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। मुख्य अतिथि सीओ वेद प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि शिविर अनुशासन, टीम भावना और अल्प संसाधनों में जीवन जीने की कला सिखाते हैं।

भारत स्काउट एंड गाइड बाराबंकी के जिला मुख्ययुक्त डॉ. रामकुमार गिरी ने बताया कि 65 वर्षों बाद सबसे अधिक 327 शिविरार्थी शामिल हो रहे हैं। जिला मुख्ययुक्त आरके वाजपेयी ने विद्यार्थियों को शिविर में सिखाई जाने वाली गतिविधियों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी।

मां का आपरेशन कराने के बाद युवक ने दी जान

संवाददाता, कमलापुर, सीतापुर

अमृत विचार : सिधौली इलाके के मालपुर गांव में मां का आपरेशन कराने के बाद घर लौटे युवक ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर अपनी जान दे दी। जांच पड़ताल के बीच इस घटना का कारण पारिवारिक कलह बताया जा रहा है। इस घटना से परिवारवालों में कोहराम मच गया।

सिधौली कोतवाली क्षेत्र के मालपुर गांव निवासी रामकुमार अपने घर पर था। बताते हैं कि कुछ समय पहले वह अपनी मां की आंखों का ऑपेरशन कराकर घर लौटा था। देर शाम उसने घर में रखे विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। थोड़ी ही देर बाद उसकी हालत बिगड़ गयी।

परिवारवालों ने उपचार के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया। जहां कुछ देर चले उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इस संबंध में कुछ लोगों का कहना है कि रामकुमार नशे का सेवन किये हुए थे, इसी दौरान हुई पारिवारिक कलह के बाद उसने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। इस बारे में कोतवाली प्रभारी विजयेंद्र सिंह का कहना है कि इस मामले की जांच कराई जा रही है।

हाईवे पर चालक-खलासी पर हमला, लूटपाट

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : लखनऊ-बरेली हाईवे पर डीसीएम चालक से लूटपाट हुई। वारदात के दौरान बदमाशों ने चालक-खलासी के साथ मारपीट भी की। अटरिया थानाक्षेत्र में हुई घटना को लेकर पुलिस ने केस दर्ज करते हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं। क्षेत्राधिकारी सिधौली ने बताया कि चालक जम्मू से फल लेकर गाजीपुर जा रहा था।

चालक डीसीएम में फल लदकर जम्मू से गाजीपुर जा रहा था। वाहन अटरिया पहुंचा, इसी दौरान टायर पंचर हो गया। पंचर जुड़वाने के लिए वाहन सड़क किनारे रुका, बताते हैं कि इसी दौरान चालक और खलासी को वाहन के भीतर नींद आ गई। इसी बीच लुटेरे आ गए, वाहन का दरवाजा खुलवाकर जबरन घुस गए, मारपीट के साथ 32 हजार की नकदी और मोबाइल छीन लिया। बाद में फरार हो गए। लूट की सूचना मिलने पर क्षेत्राधिकारी सिधौली कपूर कुमार फोर्स सहित मौके पर पहुंचे, सीओ का कहना है कि लूट की घटना को लेकर केस दर्ज कर लिया गया है। छानबीन करते हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

चीनी मिलों में चला चेकिंग अभियान

सीतापुर, अमृत विचार: किसानों से अवैध वसूली को लेकर मिल रही शिकायतों के बाद जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने विभागीय निर्देश दिए। ऐसे में जिला गन्ना अधिकारी एवं ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, हरगांव, बिसवां, रामगढ़, जवाहरपुर तथा सचिव सहकारी गन्ना विकास समितियां हरगांव, बिसवां, सीतापुर, रामगढ़ सहित कुल 08 टीमों द्वारा सम्पूर्ण जनपद में विशेष अभियान चलाया गया। ठेकेदारों को अंतिम चेतावनी दी गयी। गन्ना निरीक्षक एवं सहायक चीनी आयुक्त को विधिक कार्रवाई के लिए निरीक्षण रिपोर्ट प्रेषित की गयी। इस दौरान किसानों से संवाद भी किया।

समस्या का निकला हल, लगे पोल

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार IMPACT

● **परसेण्डी के बिरैचा गांव में विद्युत व्यवस्था का अमृत विचार ने उठाया था मुद्दा**

अमृत विचार : जनहित की समस्या का हल चंद घंटों के भीतर निकल ही गया। गांव में विद्युतीकरण की व्यवस्था दुरुस्त हुई। साथ ही कई ग्रामीणों के बिजली के बिल भी दुरुस्त किये गए। खबर का संज्ञान जिलाधिकारी ने लिया और फिर मातहत फर्राटा भरते दिखाई दिए। ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया गया।

विकास खण्ड परसेण्डी क्षेत्र के बिरैचा गांव में लंबे समय से खस्ताहाल विद्युत पोल और लटकते हुए जर्जर तार की समस्या व्याप्त थी। जनहित के मुद्दे से जुड़ी खबर को अमृत विचार ने 19 नवंबर के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इस समाचार का संज्ञान जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने लिया। विद्युत विभाग के अधिकारी गांव पहुंचे। खस्ताहाल पोल हटाकर दूसरा लगाने के साथ लटकते तारों का हल निकला। विद्युत कनेक्शन से जुड़ी समस्याएं भी निस्तारित की गईं।

पोल दुरुस्त करते विद्युतकर्मी।

अमृत विचार में प्रकाशित समाचार।

मेला महोत्सव में चला सुरों का जादू

हरगांव, सीतापुर, अमृत विचार : कार्तिक मेला महोत्सव के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में हरगांव सुरों और तालियों की गूंज से सराबोर रहा। स्थानीय कलाकारों के साथ लहरपुर और लखीमपुर से आए कलाकारों ने मंच पर एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत कर दर्शकों का मनोरंजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष गफ्फार खां ने दीप जलाकर किया।

शुरुआत गायक मोइन अख्तर द्वारा प्रस्तुत भजन से हुई। मेराज ने तू मेरी जिंदगी है प्रस्तुत कर तालियां बटोरीं। जुबैर की प्रस्तुति मैं उसको भूल जाऊं ने दिलों को छू लिया। श्वेता शुक्ला ने गीत गाकर मंच का उत्साह बढ़ाया।

पदयात्राओं में उमड़ रहा जनसैलाब

सिधौली में कार्यक्रम में मौजूद विशिष्टजन। ● अमृत विचार

सीतापुर, अमृत विचार : लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जन्मजयंती के उपलक्ष्य में निरंतर पदयात्राओं का आयोजन हो रहा है। इसी क्रम में जिले की सिधौली विधानसभा में एकता पदयात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रूप से जिले के प्रभारी मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह शामिल हुए। उन्होंने पदयात्रा के उपरांत आयोजित सभा को संबोधित करते हुए बताया कि जिस तरह आयोजित पदयात्राओं में जन सैलाब उमड़ रहा है, वह हमारे भारत की अखंडता का प्रतीक बन रहा है। इस अवसर पर लालजी प्रसाद निर्मल, विधायक मनीष रावत, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष करुणा शंकर त्रिपाठी नीरज वर्मा झल्लर, नगर पालिका अध्यक्ष सिधौली सहित अन्य उपस्थित रहे।

मछरेहटा पहुंचे एमएलसी अवनीश कुमार सिंह। ● अमृत विचार

चुनावी चर्चा के लिए एमएलसी ने की बैठक

मछरेहटा, सीतापुर, अमृत विचार : लखनऊ खंड स्नातक से एमएलसी अवनीश कुमार सिंह ब्लाक मुख्यालय मछरेहटा पहुंचे। आगामी चुनाव के मद्देनजर उन्होंने क्षेत्र के ग्राम प्रधानों, बीडीसी सदस्यों के साथ विचार विमर्श किया। उन्होंने पूरे मछरेहटा क्षेत्र में अलग अलग केंद्र स्थापित कर स्नातक मतदाता बनवाने पर जोर दिया, जिससे अधिक से अधिक संख्या मे मतदाता बन सकें। इसके साथ ही उन्होने सोशल नेटवर्किंग के माध्यम से प्रचार प्रसार पर जोर दिया। बैठक में विधायक रामकृष्ण भार्गव, पूर्व ब्लाक प्रमुख विजय भार्गव, रामगढ गन्ना समिति के चेयरमैन रामगोपाल अवस्थी, संतोष शुक्ला, अंजनी कुमार शुक्ल, मोनू सिंह, राजन आदि थे।

बिच्छू ने वीर बहादुर को किया चित

हरगांव, सीतापुर, अमृत विचार : कार्तिक मेला महोत्सव में हो रही राष्ट्रीय एकता विराट दगंल में कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित की गई। पहली कुश्ती वीर बहादुर पहलवान व बिच्छू पहलवान के साथ हुई। बिच्छू पहलवान ने वीर बहादुर पहलवान को पराजित कर विजय हासिल की।

दूसरी कुश्ती ब्लैक कोबरा पहलवान व रेहान पहलवान की हुई। रेहान पहलवान ने ब्लैक कोबरा पहलवान को पराजित किया। तीसरी कुश्ती मेवा थापा पहलवान व रिजवान के साथ हुई। मेवा थापा पहलवान ने रिजवान को चारो खाने चित्त कर पटखनी देकर पराजित कर विजय हासिल की।

मैं जिंदा हूं अर्जी लेकर भटक रही है वृद्धा

कमलापुर, सीतापुर, अमृत विचार: वृद्धा को महीनों से पेंशन नहीं मिल रही। पता चला कि कागजों में उसको मृत घोषित कर दिया गया है। मामला विकास खण्ड क्षेत्र के कसमण्डा स्थित पताराकला का है। 72 वर्षीया रेखा मिश्रा बताती हैं कि एक साल पहले तक उनको विधवा पेंशन मिलती रही, फिर बंद कर दी गई। बताती हैं कि कुछ महीनों तक ब्लॉक के लोगों ने यही बताया कि जिला मुख्यालय से आने में दिक्कत है। फिर जब कागजों की जांच के लिए वो प्रोबेशन विभाग में अधिकारी से मिलीं, तो पता चला कि उन्हें कागजों में मृत दर्शाया जा चुका है। बीडीओ स्तर से हुई चूक को ठीक कराने के लिए उन्होंने ब्लॉक से लेकर तहसील सिधौली तक चक्कर लगाए, लेकिन समस्या हल नहीं हो सकी। जल्द ही वह जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. से मिलेंगी।

रेखा।

सिटी डायरी

पिसावां स्थित मुख्य मार्ग का हाल। अमृत विचार

सड़क निर्माण में मानकों की अनदेखी का आरोप

नेरी, सीतापुर, अमृत विचार : महोली तहसील क्षेत्र स्थित सहुवापुर तिराहा से जलालनगर मार्ग पर सड़क निर्माण में अनियमितता के आरोप लगाते हुए राहगीरों ने कड़ी नाराज़गी जताई है। लोगों का कहना है कि करीब 10 वर्षों से यह सड़क बेहद खराब स्थिति में है और वर्तमान में चल रहा निर्माण कार्य भी मानकों के अनुरूप नहीं हो रहा। स्थानीय लोगों के अनुसार, ठेकेदार गड्ढों में भरी मिट्टी हटाए बिना ही हल्की बजरी डालकर काम पूरा दिखा रहा है। इससे राहगीरों को प्रतिदिन परेशानी झेलनी पड़ रही है। कई बार ऑटो व अन्य वाहन गड्ढों में फंसकर क्षतिग्रस्त हो जाते हैं और यात्री घायल होने की नौबत आ जाती है। ग्रामीणों ने डीएम राजा गणपति आर. से जांच कराने की मांग की है।

एकीकृत अपशिष्ट केंद्र का निरीक्षण करते बीडीओ।

दवा और रजिस्टर की जांच करतीं जिला औषधि निरीक्षक।

पंचायत भवन-शौचालय में मिली गंदगी, अपशिष्ट केंद्र बंद

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार : विकासखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत रायपुर गंज का खंड विकास अधिकारी ने औचक निरीक्षण किया। खंड विकास अधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह के मुताबिक, ग्राम पंचायत रायपुर गंज में निरीक्षण के दौरान पंचायत भवन खुला पाया गया। पंचायत भवन के आसपास गंदगी पाई गई, यही हाल शौचालय का भी था। गांव में बना एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र भी संचालित नहीं था। प्रधान और सचिव को संचालन और साफ-सफाई के निर्देश दिये गए हैं। सहायक विकास अधिकारी पंचायत रामकिशोर वर्मा, पंचायत सचिव दिनकर यादव प्रधान प्रेम आदि थे।

मेडिकल स्टोर में छापेमारी संचालक से मांगा स्पष्टीकरण

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार : मेडिकल स्टोर की नारकोटिक्स दवाइयों को लेकर जिला औषध निरीक्षक द्वारा जांच की गई। अभिलेखों के न दिखा पाने पर खरीद व बिक्री पर रोक लगाई गई। औषधि निरीक्षक अनीता कुरील ने नगर के होलसेल औषधि विक्रेता भारत मेडिकल स्टोर द्वारा की गई जांच में वर्ष 2024-25 में 64000 व 2025-26 में 34000 स्ट्रिप तेज दर्द निवारक दवा बेचने की बात सामने आई। औषधि निरीक्षक ने बताया कि नारकोटिक्स दवाइयों की बिक्री में गड़बड़ी पाई गई है। इस पर नारकोटिक्स दवाइयों के क्रय विक्रय पर रोक लगायी गयी है।

अतिक्रमण किया तो देना होगा जुर्माना: ईओ

बिसवां, सीतापुर, अमृत विचार: नगर पालिका परिषद की अधिशासी अधिकारी नीलम चौधरी के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। बिसवां से सिधोली मार्ग पर कस्बे के बड़े चौराहे से रेलवे क्रॉसिंग तक सड़क के दोनों तरफ का अतिक्रमण हटाया गया। नगर पालिका की अधिशाषी अधिकारी नीलम चौधरी ने नाले के आगे लोगों द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया और अतिक्रमणकारियो को सख्त चेतावनी दी गई कि यदि पुनः अतिक्रमण किया गया तो उन पर जुर्माना लगाया जाएगा। अधिशासी अधिकारी नीलम चौधरी ने बताया यह अभियान अनवरत चलता रहेगा। इस दौरान सफाई निरीक्षक सौरभ शुक्ला, आरआई आशीष यादव आदि थे।

अतिक्रमण हटवातीं ईओ।

सामूहिक विवाह | **राजकीय इण्टर कॉलेज में हुआ कार्यक्रम, मंत्री, विधायक और अधिकारी रहे मौजूद**

484 जोड़ों ने थामा एक-दूसरे का हाथ

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह राजकीय इण्टर कॉलेज में सामूहिक विवाह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही, नगर विकास राज्यमंत्री राकेश राठौर गुरू द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में कुल 484 जोड़े शामिल हुये, जिसमें ऐलिया के 14, बेहटा के 19, बिसवां के 58, गोंदलामऊ के 39, हरगांव के 30, कसमण्डा के 24, खैराबाद के 27, लहरपुर के 9, मछरेहटा के 35, महमूदाबाद के 56, महोली के 06, पहला के 26, परसेण्डी के 18, रामपुरमथुरा के 08, रेउसा के 10, सकरन के 28, सिधौली के 45, खैराबाद नगर निकाय के 07, मिश्रिख नगर निकाय के 01, महोली नगर निकाय के 13, सीतापुर नगर निकाय के 06, सिधौली नगर निकाय के 02 तथा बिसवां नगर निकाय के 03 जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ। जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर., मुख्य विकास अधिकारी प्रणता ऐश्वर्या, जिला विकास अधिकारी संतोष नारायण गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जोड़ों को आशीर्वाद देते मंत्री और जिलाधिकारी। ● अमृत विचार

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 9 मुस्लिम जोड़े भी शामिल हुए। जिसमें रूकसाना, रूकसार, तरन्नुम, मन्तशा, मेहर जहां, रूबीना, सैबा, शहनाज बानों तथा आयशा शामिल हुए।

डीएम डॉ. राजागणपति आर. ने कहा कि सामूहिक विवाह परिवार को आर्थिक सहयोग देता है, साथ ही एकता और समानता के संदेश को भी सशक्त बनाता है

किसानों की समस्याओं पर बिफरा संगठन

सीतापुर, अमृत विचार : तहसील सिधौली के डाक बंगला प्रांगण में भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट द्वारा पंचायत का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। नेतृत्व मध्यांचल उपाध्यक्ष व सदस्य जिपं मोहम्मद रिजवान ने किया। समस्याओ से सम्बंधित डीएम डॉ. राजागणपति आर. को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी सिधौली को सौंपा गया।

ज्ञापन सौंपते किसान संगठन के सदस्य। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

बाल श्रम करते पाये गए 4 बच्चे, दी नोटिस

उन्नाव, अमृत विचार : जिला प्रोबेशन अधिकारी क्षमानाथ राय ने बताया कि सहायक श्रम आयुक्त, चाइल्ड हेल्प लाइन की संयुक्त टीम द्वारा सदर कोतवाली व माखी थानांतर्गत बाल श्रम रोकने हेतु अभियान चलाया गया। इसमें 4 बच्चों को बालश्रम करते हुए रेस्क्यू किया गया। श्रम विभाग द्वारा प्रतिष्ठान मालिकों को नोटिस दिया गया। उपस्थित टीम में श्रम प्रवर्तन अधिकारी नीलेश दीक्षित, उपनिरीक्षक दशरथ, कोऑर्डिनेटर दिवाकर ओझा व केस वर्कर अंबरीश मौजूद रहे।

कवि सम्मेलन व छात्र सम्मान समारोह कल

उन्नाव, अमृत विचार : एससीएसटी बेसिक टीचर्स वेलफेयर ऐसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र प्रकाश ने कहा कि उनकी पूज्य माता व पिता जी की स्मृति में विराट कवि सम्मेलन व मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन 23 नवंबर को सुबह 10 बजे से गंगा देवी श्याम किशोर सम्बोधि पुस्तकालय मवइया माफी अचलगज में आयोजित किया गया है।

स्मार्ट मीटर लगवाने में आमजन करें सहयोग

नवाबगंज, उन्नाव : प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी स्मार्ट मीटर योजना को अब जमीनी स्तर पर उतारने की तैयारी शुरू हो गई है। पहले चरण में नगर पंचायत नवाबगंज व उसके बाद उन ग्राम पंचायतों में स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे जहां लाइन लॉस अधिक है। एसडीओ रुद्र प्रताप ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर योजना प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही है। इसका उद्देश्य विद्युत वितरण प्रणाली को आधुनिक बनाना, मीटर रीडिंग में पारदर्शिता लाना व बिजली चोरी रोकना है।

महिला को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत

लखनऊ-कानपुर हाईवे पार करते समय हुआ हादसा

संवाददाता नवाबगंज, उन्नाव

अमृत विचार: सुबह टहलने निकली महिला को लखनऊ-कानपुर हाईवे पार करते समय तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इससे वह उछलकर सड़क पर गिर गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक इसके बाद पीछे से आए एक के बाद एक कई वाहन उसे रौंदते हुए निकल गए। क्षत विक्षत शव देख लोग सिहर गए। पुलिस ने किसी तरह सड़क पर बिखर गए अंगों को समेटकर शव का पोस्टमार्टम कराया।

ऊषा। फाइल फोटो

अजगैन कोतवाली क्षेत्र के नवाबगंज कस्बा के मोहल्ला दुर्गागंज निवासी ऊषा (58) पत्नी सुरेंद्र कुमार ग्रहणी थीं। वह रोज सुबह टहलने के बाद पूजा के लिए फूल तोड़कर लौटती थी। शुक्रवार सुबह वह पड़ोसी महिला रामरती के साथ टहलने गई थी। तभी कोतवाली क्षेत्र के लखनऊ-कानपुर हाईवे पर नहर तिराहे के पास रोड पार कर फूल तोड़कर लौटते समय ऊषा को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इससे वह उछलकर सड़क पर गिर गई। पीछे से आए वाहन चालक ब्रेक लगाते इससे पहले कई वाहन उसे रौंदते हुए निकल गए। इससे उसकी मौके पर मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक शव क्षत-विक्षत हो गया और काफी दूर तक मांस के लोथड़े बिखर गए। जिसे देख आने-जाने वाले लोग सहम उठे। हाईवे पर वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लग गया। पुलिस ने किसी तरह अंगों को समेट कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बेटे अरुण की तहरीर पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। उसकी मौत से बेटा अरुण और अमित बेहाल हैं।

सड़क हादसे में घायल दूसरे युवक की भी मौत

उन्नाव, अमृत विचार : बिहार थानाक्षेत्र के कलानी गांव निवासी आयुष उर्फ नितिन (18) बीती 19 नवंबर को कीरतपुर गांव निवासी ममेरे भाई दीपांशु (25) उर्फ गोलू पुत्र शिवकुमार के साथ पारिवारिक चाचा अभिषेक के तिलक का सामान खरीदने गया था। लौटते समय बक्सर मार्ग पर सुमेरपुर पेट्रोल पंप पर के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी थी। इसमें आयुष की मौके पर मौत हो गई थी। वहीं गंभीर घायल दीपांशु को जिला अस्पताल रेफर किया गया था। जहां से उसे लखनऊ के ट्रामा सेंटर भेजा गया था। गुरुवार देररात दीपांशु की इलाज के दौरान मौत हो गई। दीपांशु नागपुर में एक बेकरी में काम करता था। बीते रविवार को वह गांव लौटा था।

डिवाइडर से टकराई बाइक, युवक गंभीर

नवाबगंज, अमृत विचार : कानपुर के ग्वालटोली क्षेत्र निवासी लाईक अहमद (42) पुत्र शफीक शुक्रवार को किसी काम से बाइक से लखनऊ जा रहा था। तभी अजगैन कोतवाली क्षेत्र के टोल प्लाजा पर उसकी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इसमें वह गंभीर घायल हो गया। एंबुलेंस ने उसे नवाबगंज सीएचसी लाया गया। जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया।

डोसे में निकला कीड़ा वायरल वीडियो से हड़कंप

उन्नाव, अमृत विचार: शहर के मोहल्ला गांधी नगर व आसपास के क्षेत्र में रोज सैकड़ों लोग स्वादिष्ट नाश्ते की चाहत में यहां स्थित एक प्रसिद्ध कवाब पराठा की दुकान पर पहुंचते हैं। बीते दिन इस दुकान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसमें एक व्यक्ति डोसे में कथित रूप से कीड़ा दिखाते हुए दिख रहा है। वीडियो बनने के साथ ही यह इंस्टाग्राम व फेसबुक पर फैल गया। जिससे लोगों में हड़कंप मच गया। हालांकि, ऐसे किसी भी वीडियो की पुष्टि अमृत विचार नहीं करता है। उधर, कई लोगों ने तुरंत खाद्य विभाग से कार्रवाई की मांग शुरू की। शहर के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि उन्हें भी इस वायरल पोस्ट की जानकारी मिली है लेकिन अभी तक किसी ने औपचारिक शिकायत नहीं की है। अधिकारियों के मुताबिक यदि शिकायत आती है तो दुकान से सैंपल लेकर जांच कराई जाएगी। जन स्वास्थ्य अभियानों से जुड़े जानकारों ने उपभोक्ताओं को खाने से पहले खाद्य सामग्री की स्थिति पर ध्यान देने की अपील करने के साथ दुकानदारों को हाइजीन बनाए रखने के लिए नियमित प्रशिक्षण देने की अपील की है।

शिक्षण सामग्री दिखाते बच्चे और मौजूद सदर विधायक। अमृत विचार

शिक्षण सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे पर आई मुस्कान

उन्नाव, अमृत विचार : सेवार्थ फाउंडेशन ने शुक्रवार को जरूरतमंद व वंचित बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। फाउंडेशन अध्यक्ष प्रथम श्रीवास्तव के नेतृत्व में रानी शंकर सहाय इंटर कॉलेज व पन्नालाल पार्क स्थित प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को कॉपियां, पेन, पेंसिल व अन्य अध्ययन सामग्री भेंट की गई। इसमें सदर विधायक पंकज गुप्ता व नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि भानु मिश्रा भी रहे। सदर विधायक ने संस्था के सामाजिक कार्य की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा ही बच्चों का भविष्य संवारती है और ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाते हैं। फाउंडेशन अध्यक्ष प्रथम श्रीवास्तव ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों तक शिक्षा की रोशनी पहुंचाना है। भविष्य में भी ऐसे जन-कल्याणकारी कार्यक्रम लगातार आयोजित होते रहेंगे। इस दौरान रानी शंकर सहाय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य रुचि श्रीवास्तव, जीएस भदौरिया, अभिषेक त्रिपाठी, अमित मिश्रा, निम्मी अरोड़ा, पवन निगम, स्मिता गुप्ता, अरविंद श्रीवास्तव, वन्दना त्रिपाठी, हर्ष दीक्षित, लक्ष्य निगम रहे।

करंट लगने से मजदूर झुलसा

सफीपुर, उन्नाव, अमृत विचार: सफीपुर ग्रामीण क्षेत्र के खादिम अली खेड़ा एसडीएम आवास के पीछे लालजी के निर्माणाधीन मकान की स्लेब ढलाई का कार्य शुक्रवार को चल रहा था। जिसमें अन्य मजदूरों के साथ कोतवाली क्षेत्र के मेंहदी खेड़ा गांव निवासी आदर्श (22) पुत्र सुरेश भी मजदूरी कर रहा था। स्लेब ढलाई करते समय उसका हाथ छत के पास से निकली एचटी लाइन की चपेट में आ गया। जिससे वह झुलस गया। यह देख साथी मजदूरों ने डंडे से तार हटाकर उसे अलग किया और घायल हालत में उसे सीएचसी ले गए। जहां डाक्टर ने उसे गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

डीएम ने की आरोग्य मंदिरों की समीक्षा

- **जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में अधिकारियों को दिए सुधार करने के निर्देश**

संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: डीएम गौरांग राठी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक हुई। इसमें डीएम ने बिंदुवार समीक्षा करते हुए अफसरों को सुधार के निर्देश दिए। डीएम ने आरोग्य मंदिरों की समीक्षा करने के साथ आमजन को इसकी जानकारी देने, जन्म-मृत्यु का पंजीकरण, आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति व बच्चों के टीकाकरण के विषय जानकारी लेते हुए कहा कि निर्धारित तिथि से पहले बच्चों को टीका लगाया जाय। कहा कि सभी आगनबाड़ी केंद्रों पर वजन मशीन अवश्य हो यह ध्यान दिया जाए। बच्चों का वजन विशेष तौर पर कराया जाए। शून्य सैम वाले केंद्रों की जांच के भी आदेश दिए। साथ ही इसमें लापरवाही बरतने पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी। डीएम ने एमओआईसी से स्वास्थ्य केंद्रों में डिलीवरी की प्रगति की समीक्षा कर सुधार की हिदायद दी। कहा कि खाना पूर्ति न हो। सभी पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश भी दिए। बैठक में सीडीओ कृतिराज, पीडी तेजवंत, सीएमओ डॉ. सत्य प्रकाश सहित एसीएमओ व सीएचसी अधीक्षक मौजूद रहे।

बैठक में मातहतों को निर्देशित करते डीएम गौरांग राठी। अमृत विचार

आत्महत्या के लिए उकसाने पर 7 साल की सजा

संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने 11 जुलाई-2022 को कोतवाली क्षेत्र के मकैया ताल गायत्री नगर निवासी हर्षित पुत्र स्व. पप्पू सिंह पर आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा में रिपोर्ट दर्ज की थी। मुकदमे की विवेचना तत्कालीन सीओ आशुतोष कुमार ने की और आरोपी के खिलाफ साक्ष्य एकत्र कर 26 सितंबर-2022 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की। शुक्रवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के बाद न्यायाधीश शिप्रा आर्या ने शासकीय अधिवक्ता अलंकार द्विवेदी की दलील व साक्ष्य के आधार पर हर्षित को 7 साल की सजा सुनाई है।

विकसित उत्तर प्रदेश की कॉन्फ्रेंस में उन्नाव से डॉ. रचना ने रखे सुझाव

उन्नाव, अमृत विचार: विकसित उत्तर प्रदेश 2047 के अंतर्गत बेसिक व माध्यमिक शिक्षा परिषद और डिलाइट संस्था के संयुक्त तत्वाधान में लखनऊ के योजना भवन में कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेश भर से 2 एसआरजी को आमंत्रित किया गया। जिले की एसआरजी डॉ. रचना सिंह ने कॉन्फ्रेंस में प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि अवनीश अवस्थी ने दीप प्रज्ज्वलन कर कहा कि शिक्षा ऐसी हो जिसमें बच्चे अपनी जड़ों से जुड़े रहें। अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा ने समावेशी शिक्षा पर जोर देकर बच्चों के हॉलिस्टिक विकास की बात की। शिक्षक प्रशिक्षण को महत्वपूर्ण बताया। डॉ. रचना सिंह ने लर्निंग आउटकम आधारित गुणवत्ता शिक्षा, नैतिक शिक्षा, कौशल आधारित शिक्षा की बात की। एलएलएफ से धीर झींगरन, प्रथम संस्था से रुक्मिणी, सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन से विनोद, खान अकादमी से शुभ्रा मित्तल ने अपने सुझाव दिए।

कॉन्फ्रेंस को संबोधित करतीं डॉ. रचना सिंह। अमृत विचार

बंगाल व उत्तर प्रदेश भी दोहराएगा बिहार जैसा चुनाव परिणाम: अभिजात मिश्रा

संवाददाता सफीपुर, उन्नाव

अमृत विचार: भाजपा समाज के सभी वर्गों के लिए चिंतन करती है। किसान, नवजवान व महिलाओं का विकास हो इसके लिए भाजपा का नेतृत्व सदैव प्रयत्नशील रहता है। जबकि विपक्ष विशेषकर सपा, बसपा व कांग्रेस अपने परिवार के लिए चिंता करती है। यह बात भाजपा के प्रदेश मंत्री अभिजात मिश्रा ने समाजसेवी सुनील चौरसिया के प्रतिष्ठान पर पत्रकारों से वार्ता में कही। कहा कि बिहार की जनता ने गुंडों व माफियाराज को नकार दिया है। बिहार जैसा चुनाव परिणाम बंगाल व उत्तर प्रदेश भी दोहराएगा। भाजपा उत्तर प्रदेश में तो योगी जी के सुशासन में 2027 का चुनाव 2017 से भी अधिक सीटें जीतकर तीसरी बार सरकार बनाएगी। भाजपा श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सिद्धांतों पर चल कर सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति को मुख्य धारा में जोड़ने का काम कर रही है।

भाजपा के प्रदेश मंत्री अभिजात मिश्रा का स्वागत करते कार्यकर्ता। अमृत विचार

बैठक कर सुनीं सफाई कर्मचारियों की समस्याएं

सफीपुर, उन्नाव: उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति व जनजाति आयोग उत्तर प्रदेश के सदस्य रमेश चन्द्र कुंडे ने शुक्रवार को नगर पंचायत कार्यालय के मीटिंग हाल में बैठक की। बैठक में उन्होंने सफाई कर्मियों से उनकी समस्याएं जानीं। पूछा कि उनका मेडिकल परीक्षण कब कराया गया। निर्देश दिए कि स्वास्थ्य परीक्षण समय-समय पर अनिवार्य रूप से कराया जाए। उन्होंने पंचायत में कार्यरत 4 संविदा व 10 आउट सोर्सिंग महिला कर्मियों के गर्भावस्था अवकाश से संबंधित लंबित अनुमोदन को तत्काल स्वीकृत करने की बात कही। सफाई कर्मी अमन ने पेंशन धारकों को समय से भुगतान किए जाने की मांग रखी। इस पर लिपिक होरीलाल ने बताया कि सभी लाभार्थियों को समय से भुगतान किया जा रहा है। इस दौरान सफाई कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष संदीप भारतीय, लिपिक हरिलाल, अमन, छोटेलाल, सुशील आदि मौजूद रहे।

संपत्ति विवाद में युवक को दी धमकी

शुक्लागंज, उन्नाव : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के पोनी रोड श्रीनगर निवासी मोहित द्विवेदी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनकी संपत्ति से जुड़ा मामला कोर्ट में विचाराधीन है। इसी बीच 13 नवंबर को कुछ अज्ञात युवक उनके ऑफिस पहुंच गए और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित का कहना है कि विवाद को लेकर लगातार दबाव बनाया जा रहा है। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दंपति को 5-5 साल की सजा, जुर्माना भी लगाया

उन्नाव, अमृत विचार : आसीवन थानाक्षेत्र के सहजनपुर गांव निवासी रजाना ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि 28 अक्टूबर-2017 की सुबह 10 बजे पड़ोसी सुरेश ने अपनी पत्नी गुड्डी के साथ मिलकर गालीगलौज व मारपीट की। पास के खेतों में मौजूद लोगों को आता देख आरोपी भाग निकले। घायल रजाना को परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसके सिर में गंभीर फैक्चर मिला। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपियों के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या करने के प्रयास की धारा में रिपोर्ट दर्ज की थी। आईओ मिथिलेश ने दंपति के विरुद्ध साक्ष्य एकत्र कर चार्जशीट पेश की थी। शुक्रवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के बाद न्यायाधीश स्वतंत्र प्रकाश ने शासकीय अधिवक्ता यशवंत सिंह की दलील व साक्ष्य के आधार पर सुरेश व उसकी पत्नी गुड्डी को दोषी ठहराते हुए पांच-पांच साल की सजा सुनाई है। साथ ही उन पर 6-6 हजार जुर्माना भी लगाया।

10 महीने बाद प्रेमी युगल को किया बरामद

शुक्लागंज, उन्नाव : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के अखलॉक नगर में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया जब मध्य प्रदेश के रीवा जनपद की पुलिस अचानक एक मकान पर पहुंची और दस महीने से साथ रह रहे प्रेमी युगल को बरामद कर अपने साथ ले गई। मामले में युवती के परिजनों ने रायपुर कर्चूलियान थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। रायपुर कर्चूलियान थाना के एसआई पद्मेश प्रसाद मिश्रा ने बताया कि उनके क्षेत्र की 22 वर्षीय युवती 16 जनवरी 2025 को कौशांबी जिले के सैनी थाना क्षेत्र निवासी एक युवक के साथ घर से चली गई थी। परिजनों द्वारा मामला दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस युवती की तलाश कर रही थी। इस दौरान सर्विलांस के माध्यम से दोनों की लोकेशन शुक्लागंज के अखलॉक नगर में मिलने पर टीम तुरंत गंगाघाट पहुंची। शुक्रवार को युवती के पिता के साथ एमपी पुलिस ने अखलॉक नगर में छापेमारी कर प्रेमी युगल को सुरक्षित बरामद कर लिया। पुलिस दोनों को अपने साथ रीवा ले गई, जहां आगे की कार्रवाई की जाएगी।

निरस्त होंगे हत्यारोपियों के शस्त्र लाइसेंस

उन्नाव, अमृत विचार : आसीवन थानाक्षेत्र के मदारपुर कैलई गांव निवासी शुभम सिंह का 13 नवंबर को नौगवां गांव निवासी पूर्व प्रधान राधेश्याम यादव के साथ रास्ते में खड़ी कार हटाने को लेकर विवाद हुआ था। उस समय मामला टल गया था लेकिन उसी रात राधेश्याम ने लाइसेंसी असलहों से लैस अपने साथियों के साथ शुभम के घर चढ़ाई कर दी थी। जिसमें दोनों पक्षों में हुई फायरिंग में शुभम के पिता आजाद सिंह की मौत हुई थी। बेटे की तहरीर पर 7 लोगों के विरुद्ध केस दर्ज कर पुलिस ने सभी को असलहों के साथ पकड़ा था। एसओ अखिलेश चंद्र पांडेय ने जांच की जिसमें राधेश्याम के परिवार की महिला मुन्नी देवी पत्नी श्याम सुंदर के नाम 1 राइफल व 1 रिवाल्वर, राजेश्वरी पत्नी सुंदर लाल निवासी नौगवां हाल पता मोहारी बाग कोतवाली सदर के नाम 1 बंदूक, राधेश्याम यादव के नाम राइफल, रामरहीस के नाम राइफल, शेरसिंह यादव उर्फ राजेश के नाम राइफल, पृथ्वीपाल के नाम बंदूक का लाइसेंस मिला। एसओ ने अफसरों के माध्यम से सभी के शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने की रिपोर्ट डीएम को भेजी है।

अपना दल एस के प्रदेश उपाध्यक्ष का स्वागत करते कर्मचारी व अन्य। अमृत विचार

अपना दल एस के प्रदेश उपाध्यक्ष ने सुनीं समस्याएं

बांगरमऊ, उन्नाव : प्रदेश अनुसूचित जाति जनजाति आयोग के सदस्य व अपना दल एस के प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश चंद्र कुंडे ने नपा का निरीक्षण किया। इस दौरान विशेष रूप से अनुसूचित जाति के कर्मियों ने उनके समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। एससीएसटी आयोग के सदस्य व अपना दल एस के वरिष्ठ नेता रमेश चंद्र कुंडे शुक्रवार दोपहर नपा कार्यालय पहुंचे। दौरान उन्होंने विशेष रुप से अनुसूचित जाति के कर्मियों की समस्याएं सुनीं। पालिका के सफाई कर्मचारी सुनील, मुकेश, रोहित, कमलेश, मनोज, रवि, रमेश, राजू व बब्लू आदि ने उनको बताया कि संविदा कर्मियों का पीएफ व एरियर बकाया है। सफाई कर्मियों ने 15 वर्ष पुराने आउटसोर्सिंग कर्मियों को निगम से जोड़ने की मांग की। इस मौके पर अपना दल एस के मंडल उपाध्यक्ष अमरेश पटेल, जिला महासचिव सुधांशु कटियार, जिला उपाध्यक्ष डॉ. राजेश पाल, विकास पटेल, आशुतोष चौहान, कौशल गुप्ता, जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक मंच वसीरजा, जिला उपाध्यक्ष सांस्कृतिक मंच बंशीलाल अर्कबंसी, जगन्नाथ प्रजापति, सुशील आर्य, शैलेंद्र कटियार आदि उपस्थित रहे।

आत्महत्या को जा रही महिला को आरपीएफ ने बचाया

शुक्लागंज, उन्नाव: शुक्रवार सुबह रेलवे पुल पर आत्महत्या की कोशिश कर रही महिला को आरपीएफ और स्थानीय लोगों की सतर्कता ने समय रहते बचा लिया। आजाद नगर धोबिन पुलिया निवासी महिला सुबह करीब 11:30 बजे रोते हुए कानपुर पुल बायां किनारा रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक की ओर जा रही थी। क्रॉसिंग ढाल के पास रहने वाली महिलाओं ने उसे संदिग्ध स्थिति में देखा और तुरंत गेटमैन रवि शंकर को इसकी जानकारी दी। गेटमैन ने मामले की सूचना आरपीएफ को दी। मौके पर पहुंचकर आरपीएफ ने महिला को समझाकर सुरक्षित स्थान पर ले आया। पूछताछ में महिला ने बताया कि उसकी दो बेटियां नजदीकी कोचिंग में पढ़ने जाती थीं, लेकिन गुरुवार को दोनों वापस घर नहीं लौटीं। खोजबीन के बाद उसने हरदोई निवासी भाई से संपर्क किया, जिसने बताया कि वह दोनों बेटियों को बिना बताए अपने साथ ले गया है। घबराहट और तनाव में महिला आत्महत्या करने पहुंच गई थी।

फोरलेन पर अतिक्रमण हटाती जेसीबी। अमृत विचार

दूसरे दिन हटाए गये डेढ़ दर्जन कब्जे

शुक्लागंज, उन्नाव : फोरलेन पर लगने वाले जाम को कम करने के उद्देश्य से नपा ने दूसरे दिन भी अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। शुक्रवार को पालिका टीम व पुलिस के संयुक्त अभियान में सेल्फी प्वाइंट से पालिका कार्यालय तक अतिक्रमण हटाया गया। करीब डेढ़ दर्जन अतिक्रमण हटाने के साथ जुर्माना भी वसूला गया। पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे व ईओ मुकेश मिश्रा के निर्देश पर एसबीएम प्रभारी के नेतृत्व में टीम अभियान में जुट गई। इस दौरान गंगाघाट पुलिस मौजूद रही ताकि किसी तरह की अव्यवस्था न हो। एसबीएम प्रभारी ने बताया कि शुक्रवार को चलाए गए अभियान में कोतवाली गेट स्थित सेल्फी प्वाइंट से पालिका कार्यालय तक करीब डेढ़ दर्जन अतिक्रमण हटाए गए और कुल 4600 रुपये का जुर्माना वसूला गया।

लाल घेरे में पुलिस द्वारा पोनी रोड पर लगाया गया बोर्ड व ई-रिक्शे व बैठतीं सवारियां।

नाम मात्र का चल रहा यातायात माह

शुक्लागंज, उन्नाव : प्रदेश में 1 नवम्बर से 30 नवम्बर तक यातायात माह चलाया जा रहा है, तीन सप्ताह बीतने के बाद भी गंगाघाट क्षेत्र में इसका खास असर दिखाई नहीं दे रहा है। स्थिति यह है कि प्रमुख चौराहों पर रोजाना जाम लगता है और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पोनी रोड तिराहा इसका सबसे बड़ा उदाहरण बन गया है, जहां अव्यवस्थित तरीके से खड़े ई-रिक्शा, बाइक और राहगीरों की भीड़ से मार्ग बाधित हो रहा है। पोनी रोड तिराहे के पास यातायात पुलिस द्वारा एक बोर्ड लगाया गया है जिसमें लिखा है कि यहां किसी भी प्रकार का सवारी वाहन व कामर्शियल वाहन खड़ा करना प्रतिबंधित है। इसके बावजूद ई-रिक्शा, टेंपो चालक बोर्ड के ठीक सामने सवारियां बैठाते नजर आ रहे हैं। इससे साफ है कि यातायात पुलिस की ओर से बोर्ड लगाने के बाद भी उस पर अमल नहीं कराया जा रहा।

सर्वोदय नगर में लगा 100 केवीए का ट्रांसफार्मर

शुक्लागंज, उन्नाव : राजधानी मार्ग स्थित सर्वोदय नगर और आसपास क्षेत्र में लंबे समय से चल रही विद्युत ओवर लोडिंग की समस्या को देखते हुए विद्युत विभाग ने शुक्रवार को नया 100 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाया है। क्षेत्र में पहले से 630 केवीए का ट्रांसफार्मर लगा था लेकिन लगातार बढ़ते लोड के कारण वह अक्सर फेल हो जाता था। जिससे लोगों को कटौती का सामना करना पड़ रहा था। ओवरलोडिंग और बार-बार आ रही खराबी देख विभाग ने अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने का निर्णय लिया। शुक्रवार दोपहर 2 बजे जेई विजय पाल यादव टीम के साथ पहुंचे और शटडाउन लेकर नए 100 केवीए ट्रांसफार्मर की स्थापना कराई। ट्रांसफार्मर बदलने और लाइन जोड़ने का कार्य लगभग 4 बजकर 48 मिनट तक चलता रहा, जिसके चलते सर्वोदय नगर और आसपास के सैकड़ों घरों में बिजली आपूर्ति बाधित रही।

सहालग शुरू, ग्राहकों से बाजार गुलजार

उन्नाव, अमृत विचार: सहालग शुरू होते ही शहर के बाज़ारों में रौनक बढ़ गई है। बड़ा चौराहा, धवन रोड, कचौड़ी गली व सदर बाजार आदि प्रमुख व्यवसायिक क्षेत्रों में ग्राहकों की काफी भीड़ देखने को मिल रही है। खासकर साड़ी, लहंगे व ज्वैलरी की दुकानों पर खरीदार पहुंच रहे हैं।

सोमवार को शहर के बड़ा चौराहा व धवन रोड सहित अन्य जगह साड़ियों के शोरूम सजने से पहले ही ग्राहक पहुंच रहे हैं। धवन रोड बाजार में सुबह से शाम तक भीड़ इतनी अधिक रही कि पैर रखने तक की जगह नहीं रही। साड़ी कारोबारी हैप्पी अरोड़ा व रेडीमेड कारोबारी रामजी गुप्ता ने बताया कि सहालग पर खरीदार उम्मीद से अधिक आ रहे हैं। रामजी गुप्त के मुताबिक, लोग लहंगे व साड़ियां ऑनलाइन खरीदना पसंद नहीं कर रहे हैं। वे कपड़ों की क्वालिटी और फिटिंग देखकर खरीदना चाहते हैं। जिसका सीधा फायदा ऑफ़लाइन बाज़ार को मिल रहा है। कपड़ों की दुकानों के साथ ज्वैलरी शॉप में भी पूरे समय ग्राहकों की भीड़ लगी है। कचौड़ी गली, बड़ा चौराहा, स्टेशन रोड व सदर बाजार आदि स्थानों के सभी कारोबारियों को फुर्सत नहीं मिल रही है। ज्वैलरी कारोबारी वेदू गुप्ता व राजा सोनी ने कहा कि त्योहारों पर तो लोग औपचारिकता पूरी करने के लिए थोड़ी-बहुत खरीदारी करते हैं। लेकिन सहालग में लोग खरीदारी करते हैं।

सराफा दुकान में खरीदारी करते लोग। अमृत विचार

जले मिले शव की नहीं हो सकी शिनाख्त

उन्नाव, अमृत विचार : बीघापुर कोतवाली अंतर्गत उन्नाव-लालगंज हाईवे किनारे रविवार को एक व्यक्ति का बुरी तरह जला हुआ शव पड़ा मिला था। सीओ व बीघापुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की थी। छह दिन बाद भी उसकी शिनाख्त न होने पर शुक्रवार को दो डाक्टरों के पैनल से उसका अज्ञात में पोस्टमार्टम हुआ। बता दें कि बीघापुर कोतवाली अंतर्गत इंदेमऊ गांव की सीमा में उन्नाव-लालगंज हाईवे किनारे खाली पड़ी जमीन पर रविवार शाम एक व्यक्ति का जला हुआ शव मिला था। मौजूद लोगों में कोई उसे पहचान नहीं सका था। जानकारी पर बीघापुर कोतवाली पुलिस के साथ सीओ बीघापुर व बिहार, बारासगवर थाने की पुलिस पहुंची। पेट व पीठ सहित अन्य हिस्सा पूरी तरह जल चुका था। पैर भी अलग थे। पुलिस ने शव मोर्चरी में रखवाकर पहचान के प्रयास किए लेकिन सफल नहीं हुई।

हत्यारे ने सिर व गर्दन पर किए थे पांच वार

उन्नाव, अमृत विचार : पति ने फावड़े से पत्नी के सिर व गर्दन पर ताबड़तोड़ पांच वार किए थे। इससे उसकी मौके पर मौत हो गई थी। शुक्रवार को पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ। वहीं पुलिस ने आलाकत्ल बरामद कर पति को जेल भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव मायके पक्ष को सौंप दिया। बता दें कि अचलगंज थाना क्षेत्र के त्रिभानपुर गांव निवासी होरीलाल लोधी गुरुवार शाम पांच बजे अपनी पत्नी शांति (35) को काम के बहाने घर से डेढ़ किमी दूर खेत लाया था। उसे पत्नी पर शक था। इसलिए खेत में काम करते समय शांति से उसी संबंध में बात शुरू की तो उसने गुस्से में जवाब दिया। इसी में दोनों में विवाद शुरू हुआ। गुस्से में होरीलाल ने शांति के सिर और गर्दन पर फावड़े से ताबड़तोड़ कई वार कर उसकी हत्या कर दी। इससे उसकी मौके पर मौत हो गई।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 22 नवंबर 2025

हरदोई-उन्नाव

मयूर नृत्य व कृष्ण-लीलाओं ने किया मंत्रमुग्ध

देवा महोत्सव में रंगारंग हुईं प्रस्तुतियां

संवाददाता, रामनगर, बाराबंकी

मंच पर प्रस्तुति देते स्वरोही ग्रुप के कलाकार।

अमृत विचार। महादेवा महोत्सव के सांस्कृतिक मंच पर शुक्रवार की शाम भक्ति और कला का अद्भुत संगम देखने को मिला। पूजा पाण्डेय के निर्देशन में स्वरोही ग्रुप के कलाकारों ने मयूर नृत्य और कृष्ण भगवान की लीलाओं का ऐसा सजीव मंचन किया कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। कार्यक्रम की शुरुआत कान्हा बंसी बजाए, राधा दौड़ी चली आए की आकर्षक प्रस्तुति से हुई। इसके बाद पनघट पे मटकी फोड़े, मेरा नन्दलाला, गजब कर डाला जैसे गीतों पर दी गई एकल प्रस्तुतियों ने मंच को भक्ति रंग से सराबोर कर दिया। इसके बाद सामूहिक नृत्य कान्हा रे आना जरा मटकी सम्भाल ब्रजबाला, गोकुल की गलियों में मच गया शोर आया माखन चोर, मैं बची राम जी की कृपा से, माखन चोर नंदकिशोर आया ने कार्यक्रम को चरम पर पहुँचा दिया। कलाकारों की मनभावन अभिव्यक्ति व तालमेल ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का सबसे प्रभावी दृश्य हिरण्यकश्यप वध का सजीव मंचन रहा, जिस पर दर्शकों ने उत्साहपूर्वक तालियां बजाकर कलाकारों की कला का स्वागत किया। अभिषेक, जितेंद्र, मुस्कान, सुरेंद्र, अनुष्का और बेबी ने राधा-कृष्ण सहित विभिन्न देव स्वरूपों की भूमिकाएं निभाकर मंच को जीवंत कर दिया। नायब तहसीलदार विजय विकास तिवारी ने कलाकारों को सम्मानित किया।

कैसा जदुआ डाला है ओ मलिया...

लोक गायिका अंजलि खन्ना।

रामनगर, बाराबंकी : अमृत विचार। महादेवा महोत्सव के सांस्कृतिक मंच पर गुरुवार की शाम सुर, भक्ति और लोकधुनों से सराबोर रही। लखनऊ से आई प्रसिद्ध लोकगायिका अंजली खन्ना ने अपने मधुर स्वर और मनमोहक लोकगीतों से ऐसा समा बांधा कि पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा। कार्यक्रम की शुरुआत शक्तिभाव से परिपूर्ण देवी गीत 'कैसा जदुआ डाला है ओ मलिया...' से हुई, । इसके बाद उन्होंने एक से बढ़कर एक लोकप्रिय गीत प्रस्तुत किए मोरी गोरी गोरी बैय्या मरोरी रे कान्हा, जब जाऊ मैं पनिया भरन को, और विविध श्याम भजन, जिन पर श्रोता झूमते नजर आए। उनकी प्रस्तुति का विशेष आकर्षण रहा मिथिला मगन भई आज सिया को जन्म भयो, तो मांगे सोने का हार"जैसेमनभावनसोहर, जिन्हें सुनकर पूरा वातावरण उत्सवमय हो गया। इसके बाद चित्रकूट के घाट-घाट पर सबरी देखे राम मेरे आ जाओ और टूटी-फूटी खाट पर बिछा पुराना टाट राम मेरे आ जाओ जैसे भक्ति रस से भरे राम भजनों ने माहौल को राममय कर दिया। लोकगायिका की सरस प्रस्तुति के बाद सहयोगी कलाकार आरजू ने बॉलीवुड गीत "आयाआयाअटरियापेकोईचोरआयापरबे हदआकर्षकनृत्यप्रस्तुतकरदर्शकोंकीभरपूरतालियाँबटोरीं ।लोकगीत, भजन और नृत्य के इस सुंदर समन्वय ने महादेवा महोत्सव की शाम को यादगार बना दिया।

शेरालिजो की प्रस्तुति ने किया मंत्रमुग्ध

रामनगर, बाराबंकी : अमृत विचार। महादेवा महोत्सव के सांस्कृतिक मंच पर लखनऊ शास्त्रीय विद्यालय की छात्रा शेर लीजो ने भरतनाट्यम की भावपूर्ण प्रस्तुति दी, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अपनी निपुण मुद्रा, आकर्षक हाव-भाव और तालमेल से उन्होंने शास्त्रीय नृत्य की कला का अद्भुत प्रदर्शन किया। श्रोताओं ने उनकी प्रस्तुति की खूब सराहना की और तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। शेरालिजो की यह प्रस्तुति महोत्सव में शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध परंपरा का जीवंत उदाहरण बनी।

भरतनाट्यम की प्रस्तुति देती छात्रा शेरालिजो।

हम तेरे शहर में आए हैं मुसाफ़िर की तरह...

रामनगर, बाराबंकी : अमृत विचार। महादेवा महोत्सव के सांस्कृतिक मंच पर मंगलवार की देर शाम प्रसिद्ध गजल गायक कुमार सत्यम ने अपनी सुरीली आवाज़ और बेहतरीन अदायगी से ऐसा समां बांधा कि पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ अपर जिला जज कृष्ण चंद्र सिंह, संयुक्त मजिस्ट्रेट गुजिंता अग्रवाल एवं खंड विकास अधिकारी जितेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कुमार सत्यम ने एक से बढ़कर एक ग़ज़लें सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। जब उन्होंने अपनी मशहूर गजल तुम्हारा लहजा बता रहा है तुम्हारी दौलत नई नई है सुनाई तो तालियों की गूंज से पंडाल खड़खड़ा उठा। इसके बाद हम तेरे शहर में आए हैं मुसाफ़िर की तरह और इश्क में तो हर चीज मिट जाती है सुनकर दर्शक झूमने लगे। सत्यम ने चुपके चुपके रात दिन आंसू बहाना याद है..., होठों से छू लो तुम मेरा गीत अमर कर दो... मेरी मंजिल है कहीं, मेरा ठिकाना है कहीं....जिंदगी कितनी खूबसूरत है, जिंदगी और कुछ भी नहीं तेरी मेरी कहानी है और तुमको देखा तो ये ख्याल आया जैसी गजलों से श्रोताओं को गजल की दुनिया में डूबो दिया।

सांस्कृतिक मंच पर प्रस्तुति देते प्रसिद्ध गजल गायक कुमार सत्यम।

राम-शिव भजनों पर झूमे श्रद्धालु

रामनगर, बाराबंकी। महादेवा महोत्सव के सांस्कृतिक मंच पर अयोध्या से आए प्रसिद्ध लोकगायक सत्यांशु पटेल की सुरीली प्रस्तुतियों ने ऐसा रंग जमाया कि पूरा वातावरण भक्ति रस से सराबोर हो उठा। सत्यांशु पटेल ने कार्यक्रम की शुरुआत भक्ति-भाव से ओतप्रोत गीत 'हमरे राम जी के नमवा के न जानेला...से की। इसके बाद उन्होंने भगवान शिव को समर्पित हृदयस्पर्शी भजन 'जेकर नाथ भोलेनाथ, ऊ अनाथ कैसे होई...प्रस्तुत किया, जिसने भक्तों को शिव-भक्ति में डुबो दिया। इसके बाद लोकप्रिय भजन कैसे हो शिव का मनाई, हो शिव मानत नाही सुनाया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने लोकधुन पर आधारित गीत पिया पिया रटते-रटते पियर भइल देहिया सुनाकर वातावरण को आनंद और उमंग से भर दिया।

स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने पर दिया जोर

बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचार। सांईपुर सगौड़ा स्थित श्री राधाकृष्ण इंटर कालेज में भाजयुमो ने आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान अंतर्गत मंडल युवा सम्मेलन आयोजित किया। इसमें विधायक श्रीकांत कटियार ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों को अपनाने से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। कहा कि आत्मनिर्भर भारत भाजपा सरकार की एक प्रमुख पहल है। जिसका उद्देश्य भारत को आर्थिक, तकनीकी, उत्पादन व संसाधनों के स्तर पर स्वावलंबी बनाना है। ताकि देश वैश्विक स्तर पर मजबूत व प्रतिस्पर्धी बन सकें। उन्होंने लोगों से स्थानीय निर्मित वस्तुओं का उपभोग कर देश को आत्मनिर्भर बनाने की अपील की। कार्यक्रम में युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष बालाराव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष जगजीत राजपूत, भाजयुमो जिलामंत्री विवेक राजपूत आदि मौजूद रहे।

शव को लेकर घंटों खींचतान तीन घंटे बाद हुआ पोस्टमार्टम

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। बूंदापुर में लाठी-डंडों से पीटकर की गई हत्या के मामले में युवक के शव के पोस्टमार्टम के लिए कई घंटे खींचतान होती रही। करीब तीन घंटे बाद डाक्टरों के पैनल ने वीडियोग्राफी के बीच शव का पोस्टमार्टम किया, उसकी रिपोर्ट में लीवर के बुरी तरह से डैमेज होने से मौत होने की बात कही गई है।

बताते चलें कि हरपालपुर थाने के बूंदापुर निवासी राजवीर को गुरुवार की देर शाम गांव निवासी कल्लू और रामू ने लाठी डंडों से जमकर पीटा था। जिसमें राजवीर की मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को कब्ज़े में लेते हुए शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराने पहुंची। आरोप है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हेरफेर करने के लिए वहां पहले से कोशिश शुरु हो गई। राजवीर के घर वाले बाहर बैठे इंतज़ार करते रहे। पूछने पर बताया कि पंचनामे में खामी थी, उसे दुरुस्त कराने के लिए पंचनामा दोबारा थाने भेजा गया है। इसका पता होते ही नोडल अधिकारी डा. पकंज मिश्रा भी वहां पहुंच गए। घंटों खींचतान के बीच डाक्टरों के पैनल और वीडियोग्राफी के बीच करीब तीन घंटे बाद पोस्टमार्टम पूरा हो सका। रिपोर्ट में लीवर के बुरी तरह से डैमेज होने से मौत होना बताई गई, साथ ही सिर में भी चोट पाई गई।

मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए हुआ भूमिपूजन

बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचार। विधायक श्रीकांत कटियार ने स्थानीय नवीन मंडी स्थल स्थित हनुमान मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए भूमिपूजन किया। उन्होंने बताया कि मंदिर हमारी आस्था, परंपरा व सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। मंदिर के गर्भगृह, मंडप व शिखर का नव निर्माण होगा और परिसर का सौंदर्यीकरण भी होगा। साथ ही मंदिर में प्रकाश, पेयजल व अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस दौरान सुशील कनौजिया, बबलू पटेल, संदीप बाजपेई, श्रवण तिवारी व प्रेम कुशवाहा मौजूद रहे।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

राम शंकर सोनी बनाम सरकार ग्राम-डोमईपुर परगना बभनीपायर तहसील मनकापुर जनपद गोण्डा धारा-80 उवप्रवराजस्व सहिंता 2006 गाटा संख्या-220/0.7170 हे0 में से रकबा 0.00920हे0 की धारा-80 उ0प्र0राजस्व सहिंता 2006 की घोषित करने हेतु आवेदन किया गया है यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 24.11.2025 तक उपजिलाधिकारी मनकापुर के न्यायालय पर आकर आपत्ति कर सकता है।

उपजिलाधिकारी
मनकापुर-गोण्डा।

सूचना

मैने अपना नाम MOHD ANEES से बदलकर MOHAMMAD ANEES रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-NOOR MOHAMMAD ADD-435/190, NEW RAJJAB GANJ, NEAR ICECREAM FACTORY, THAKURGANJ DIST-LUCKNOW-226003 (U.P)

सूचना

सूचित करना है कि विवाहोंपरान्त मैंने अपना पूर्व नाम अनीता जनार्दन भाई दूबे से बदल कर अनीता तिवारी W/O श्री अवनीश नारायण तिवारी रख लिया है अब से मेरे सभी अभिलेखों में इसी नाम को लिखा पढ़ा व समझा जाये। निवासी- 322 ,मानस गार्डेन, फैजाबाद रोड उत्तरधौना तिवारी गंज , लखनऊ-226028

सूचना

सूचित हो कि मैं **खुर्शीदा पत्नी मुश्ताक निवासी कादर खां नगर कस्बा समधन तहसील छिबरामऊ जनपद कन्नौज**, मैने अपने पुत्र मुर्सलीम पुत्र मुश्ताक से उसके गलत चाल चलन के कारण अपने सम्बन्ध विच्छेद कर लिये हैं और अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से अपने पुत्र मुर्सलीम को बेदखल कर दिया है। अब मेरा उससे कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा अपने कृत्यों का वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

सूचना

सूचित करना है कि मेरा हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2023 अनुक्रमांक 1232681096 माध्यमिक शिक्षा उत्तर प्रदेश, जन शिक्षा संस्थान से आते समय कहीं रास्ते में खो गया है। काफी प्रयास के बाद भी नहीं मिला। **लाईबा राईनी पत्री शहबान, दर्जी टोला, परसपुर जिला गोंडा 7860641991**

बेदखली सूचना

मैं **अनिल कुमार पुत्र प्रताप नरायन अग्निहोत्री निवासी ग्राम सेना निवादा पो0 छतरपुर थाना शिवराजपुर तहसील बिल्हौर कानपुर नगर।** मेरा पुत्र निखलेश कुमार पुत्र अनिल कुमार का चालो चलन व कार्य व्यवहार ठीक नहीं है उसे मैं अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। उसके कार्य व्यवहार से आजिज आकर उससे अपने व अपने परिवार के सारे सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है उनका मुझसे व मेरे परिवार से कोई वास्ता सरोकार नहीं होगा। यदि मेरे पुत्र द्वारा कहीं भी कोई लेन देन व उचित अनुचित कृत्य व्यवहार करता है तो उसका वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

बेदखली सूचना

मैं **श्यामलाल मौर्य सुत स्व0 राममिलन मौर्य निवासी ग्राम पारावासूपुर पोस्ट-अखण्डनगर थाना अखण्डनगर तहसील कादीपुर जिला सुलतानपुर** मैने अपने पुत्र बैजनाथ मौर्य जो कही बाहर रहता है मुझसे सन् 2019 से कोई सम्पर्क नही हुआ है और बीच में एक बार गांव में आया था किन्तु घर पर नही आया। पुत्र का स्वभाव व चाल चलन गलत है मेरे कहने सुनने में नही रहता है। उसके कृत्यों से क्षुब्ध होकर उसे अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ उक्त बैजनाथ के कृत्य से मेरी कोई जिम्मेदारी नही होगी। बैजनाथ स्वंय जिम्मेदार होगा।

पूर्वोत्तर रेलवे — **ई-आक्शन नोटिस सं.-15/25**

मण्डल रेल प्रबन्धक (वा.), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आईआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से ई-ऑक्शन आमंत्रित की जाती है:-

क्र.स	लाट सं	कार्य का विवरण
1	PnU-LJN-BNZ-Toi-46-25-1 (Pay and Use Toilets)	**बादशाहनगर** रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं0-1 (गोमतीनगर साईड) स्थित पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका संचालन एवं रखरखाव के आधार पर 03 वर्ष हेतु।
2	PnU-LJN-MLN-Toi-34-25-1 (Pay and Use Toilets)	**मैलानी** रेलवे स्टेशन के वेटिंग हॉल स्थित पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका संचालन एवं रखरखाव के आधार पर 03 वर्ष हेतु।
3	PnU-LJN-TLR-Toi-31-24-1 (Pay and Use Toilets)	**तुलसीपुर** रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं0-1 (बुकिंग हॉल के बगल में) स्थित पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका संचालन एवं रखरखाव के आधार पर 03 वर्ष हेतु।
4	PnU-LJN-GKP-Toi-48-25-1 (Pay and Use Toilets)	**गोरखपुर** जं० स्टेशन के 02 स्थानों पर 1-प्लेटफार्म सं0 01 साईड कैब-वे एंव ए०सी०लाउंज के सामने (प्रवेश द्वार सं0 02 के पास) NAMMA नममा पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका संचालन एवं रखरखाव के आधार पर 03 वर्ष हेतु।

♦ निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई-ऑक्शन में भाग ले सकते हैं। आइआरपीएस पोर्टल पर दिये गये तिथि/समय के अनुसार सभी लॉट की ई-ऑक्शन प्रारम्भ एवं बंद होंगी। ♦ सभी लॉट के लिये ई-ऑक्शन दि0-02-12-2025, 10:00 बजे प्रारंभ होकर 02-12-2025 को 11:00 बजे बंद होगी। ♦ इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। ♦ अर्नेस्ट मनी की राशि (10%) का भुगतान केवल IREPS पॉर्टल पर ठेकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे-डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चैक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी।♦ विज्ञप्ति सूचना एंव निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा नियम व शर्तो की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट ***www.ireps.gov.in (E-Auction module)*** पर उपलब्ध है।

मुजाधि/वाणिज्य-183 — सहायक वाणिज्य प्रबन्धक, लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय नगर पंचायत बेनीगंज, हरदोई

E-mail-npbeniganjhardoi@gmail.com

पत्रांक-799/15वाँ-वि0आयोग/ ई-टेण्डरिंग / 2025-26 — दिनांक 21/11/25

ई-टेण्डरिंग/ निविदा सूचना

समस्त ठेकेदारों / फर्मो को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत बेनीगंज हरदोई के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष-2025-26 मे 15वाँ वित्त आयोग (Tied Grant" के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से आपूर्ति कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमन्त्रित की जाती है। जो कि ई-टेण्डरिंग की वेबसाइड www.etender.up.nic.in पर दिनांक 22.11.2025 को अपरान्ह 01: 00 PM से 13-12-2025 को 09 AM बजे तक उपलब्ध है जो कि वेबसाइड से डाउनलोड व अपलोड किये जा सकते हैं। दिनाँक 13-12-2025 को निविदा 11 AM बजे कार्यालय नगर पंचायत बेनीगंज में निविदा दाता की उपस्थिति में खोली जायेगी। धरोहर धनराशि अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बेनीगंज के नाम बन्धक होगी। टेक्निकल बिड की समस्त नियम व शर्ते www.etender.up.nic.in पर डाउनलोड कर देखी जा सकती हैं। निविदा की समस्त कार्यवाही- www.etender.up.nic.in पर की जायेगी।

क्र0	नगर पंचायत बेनीगंज	Vendor Stage	प्रारम्भ तिथि व समय	अन्तिम तिथि व समय
01	Tender Release		22.11.2025 01 PM	13.12.2025 09 AM
02	–	Tender Download	22.11.2025 01 PM	13.12.2025 09 AM
03	–	Bid Submission	22.11.2025 01 PM	-
04	Close of Bid	-	13.12.2025 09 AM	-
05	Technical Bid Opening	-	13.12.2025 09 AM	-
06	Finance Bid Opening		After Approval of Technical Bid	

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत बेनीगंज, हरदोई

(शिवप्यारी)
अध्यक्ष
नगर पंचायत बेनीगंज, हरदोई

कार्यालय नगर पंचायत बेनीगंज, हरदोई

E-mail-npbeniganjhardoi@gmail.com

पत्रांक: 800/सीवरेज एवं जतल निकासी योजना/ई-टेण्डर/2024-25 — दिनांक-21/11/25

ई-टेण्डरिंग/ निविदा सूचना

समस्त ठेकेदारों/फर्मो को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत बेनीगंज हरदोई के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 'सीवरेज एवं जल निकासी' योजना के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से निम्न निर्माण कार्य कराये जाने हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमन्त्रित की जाती है। जो कि ई-टेण्डरिंग की वेबसाइड www.etender.up.nic.in पर दिनांक-22.11.2025 को अपरान्ह 01: 00 PM से 13.12.2025. को 09 AM बजे तक उपलब्ध है जो कि वेबसाइड से डाउनलोड व अपलोड किये जा सकते हैं। दिनांक-13.12.2025 को निविदा अधिशासी अधिकारी एवं अध्यक्ष नगर पंचायत बेनीगंज के समक्ष निविदा दाता की उपस्थिति में खोली जायेगी। धरोहर धनराशि अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बेनीगंज के नाम बन्धक होगी। टेक्निकल बिड की समस्त नियम व शर्ते www.etender.up.nic.in पर डाउनलोड कर देखी जा सकती हैं। निविदा की समस्त कार्यवाही www.etender.up.nic.in पर की जायेगी।

क्र0	नगर पंचायत बेनीगंज	Vendor Stage	प्रारम्भ तिथि व समय	अन्तिम तिथि व समय
01	Tender Release		22.11.2025 01 PM	13.12.2025 09 AM
02	–	Tender Download	22.11.2025 01 PM	13.12.2025 09 AM
03	–	Bid Submission	22.11.2025 01 PM	-
04	Close of Bid	-	13.12.2025 09 AM	-
05	Technical Bid Opening	-	13.12.2025 09 AM	-
06	Finance Bid Opening		After Approval of Technical Bid	

(संजय कुमार अग्रहरि)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत बेनीगंज, हरदोई

(शिवप्यारी)
अध्यक्ष
नगर पंचायत बेनीगंज, हरदोई

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बहराइच-श्रावस्ती वृत्त, लो0नि0वि0, बहराइच

पत्रांक : 3578/8 काम/ई-टेण्डरिंग/बहराइच-श्रावस्ती वृत्त/2025-26 — दिनांक : 12-11-2025

ई-प्रोक्योरमेण्ट नोटिस

1. अधीक्षण अभियन्ता, बहराइच-श्रावस्ती वृत्त, लो0नि0वि0, बहराइच द्वारा महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग में सेतु कार्य में ''ए'' श्रेणी के पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से जनपद बहराइच के निम्न वर्णन के अनुसार सेतु निर्माण हेतु कार्य की निविदा प्रतिशत दरों के आधार पर आमंत्रित की जाती है।

क0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	निविदा की लागत (बिना जी0एस0टी0) (रू0 लाख में)	बिड सिक्योरिटी (रू0 लाख में)	निविदा शुल्क + स्टेशनरी शुल्क + जी0एस0टी0 (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
विधानसभा-बलहा।						
1	बहराइच	जनपद बहराइच में ग्राम सभा गोपिया में रामसहायपुरवा से नहर पटरी मार्ग के मध्य स्थित बूढ़ी नदी पर लघु 9x4x4.00 मी0 स्पान लघु सेतु, पहुंच मार्ग तथा सुरक्षात्मक कार्य का निर्माण कार्य।	260.00	15.00	2715.00	12 माह

2. बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता एवं बिड-सबमिट करने का माध्यम-

(क) बिड डाक्यूमेन्ट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 25-11-2025 से 11-12-2025 तक उपलब्ध रहेगी, जो आनलाइन इसी साइट पर सबमिट की जायेगी।

(ख) निविदा डालने हेतु निविदादाता को उपरोक्त वेबसाइट पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। निविदायें आनलाइन डालने हेतु निविदादाता के पास किसी डिजिटेल सिग्नेचर सार्टिफिकेट सर्टिफाइंग अथोरिटी द्वारा जारी डिजिटेल सिग्नेचर सार्टिफिकेट होना अनिवार्य है।

(ग) ई-प्रोक्योरमेण्ट के माध्यम से निविदायें डालने की अन्तिम तिथि 11-12-2025 दोपहर 12.00 बजे तक एवं टेक्निकल बिड दिनांक 11-12-2025 अपराह्न 12.30 बजे से कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, बहराइच-श्रावस्ती वृत्त, लो0नि0वि0, बहराइच में खोली जायेगी। विस्तृत विवरण http://etender. up.nic.in पर देखा जा सकता है।

(घ) निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्त तथा विवरण वेबसाइट http://etender. up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई-टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड किया जाना है, वह लोक निर्माण विभाग की वेबसाइट www.uppwd.gov.in के प्रहरी साफ्टवेयर में भी अपलोड करना होगा। निविदा की अन्तिम तिथि 11-12-2025 के दोपहर 12.00 बजे तक शुद्धि पत्र यदि कोई हो, तो उसे ई-टेण्डर पोर्टल पर अपलोड कर दिया जायेगा।

UP – 240930 **दिनांक:** 20/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

(इं0 प्रदीप कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बहराइच

(इं0 अजय भास्कर)
अधीक्षण अभियन्ता
बहराइच-श्रावस्ती वृत्त, लो0नि0वि0, बहराइच

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता,
गोण्डा वृत्त, लो0नि0वि0, गोण्डा

पत्रांकः- 4838/98काम-गो0वृ0/25-26 — दिनांक 15.11.2025

ई-निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में मार्ग हेतु पंजीकृत निविदादाताओ से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्षाये गये कार्य हेतु निविदा आंमत्रित की जाती है ।

क0 सं0	जनपद/खण्ड/विधान साभ का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (जीएसटी रहित) (लाख में)	धरोहर धनराषि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्ष ऋतु सहित)	ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	गोण्डा/निर्माण खण्ड-2/करनैलगंज	चकरौत पण्डितपुरवा से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र होते हुए गुरसड़ीडीह सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।	112.50	7.65	2600.00	12 माह	ए,बी
2	गोण्डा/निर्माण खण्ड-2/करनैलगंज	हिलालपुर का मजरा खालेपुरवा तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।	124.28	8.25	2600.00	12 माह	ए,बी

बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाईट- http://etender.up.nic.in पर दिनांक 25.11.2025 से 16.12.2025 तक दोपहर 12.00 बजे तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 16.12.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। निविदाओ की तकनीकी बिड दिनांक 16.12.2025 को दोपहर 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से संबंधित नियम/शर्ते तथा विवरण बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई-टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड किया जाना है, वह लोक निर्माण विभाग की बेवसाईट www.uppwd.gov.in के प्रहरी सॉफ्टवेयर में भी अपलोड करना होगा। निविदा की अन्तिम तिथि दिनांक 16.12.2025 के दोपहर 12.00 बजे तक शुद्धिपत्र यदि कोई हो, तो उसे ई-पोर्टल पर अपलोड कर दिया जायेगा ।

UP – 241009 **दिनांक:** 20/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

(विनोद कुमार त्रिपाठी)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड-2, लो0नि0वि0, गोण्डा

(योगेन्द्र सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता,
गोण्डा वृत्त, लो0नि0वि0, गोण्डा

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता,
अयोध्या-अम्बेडकरनगर वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या

पत्रांक 6785/1कॉम अयो0अम्बे0वृ0/25 — दिनांक-17.11.2025

ई-निविदा सूचना

09.2018उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल महोदया की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, अयो0अम्बे0वृ0, लोक निर्माण विभाग अयोध्या में सेतु वर्ग में रजिस्ट्रर्ड एवं अनुमोदित ठेकेदारों से प्रतिशत दरों के आधार पर आनलाईन निविदा आमंत्रित करते है।

क्र0स0	जिला	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि लागत रू0 (लाख में)	कार्य को पूर्ण करने का समय	निविदा प्रपत्र मूल्य जी0एस0टी0 सहित (रू0 में)	ठेकेदार के पंजीयन की श्रेणी	कार्य सम्पादित कराने वाले अधिशासी अभियन्ता का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	मुख्य अभियन्ता का पता
1	अम्बेडकर नगर	जनपद अम्बेडकरनगर में झलरी का पुत्वा से बनगांव निबिअहवा पोखरा होकर भरतपुर गिरण्ट मुख्य मार्ग के कि0मी0-3 में स्थित क्षतिग्रस्त एवं सकरे पुलिया के स्थान पर 2x4x3.00 मी0 स्पॉन के आर0सी0सी0 बाक्स कल्वर्ट एवं पहुँच मार्ग का निर्माण कार्य।	66.00	5.30	06 Month	2714/-	A,B (Setu)	प्रा0ख0, लो0नि0वि0, अम्बेडकरनगर	अधीक्षण अभियन्ता, अयो0अम्बे0 वृ0, लो0नि0वि0, अयोध्या	मुख्य अभियन्ता, अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0, अयोध्या

निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्ते तथा विवरण https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

1. बिल ऑफ क्वान्टिटी में लगायी गयी दरें जी0एस0टी0 को छोड़ते हुए लगायी गयीं है।
2. निविदा ऑनलाइन दिनांक 24.11.2025 से दिनांक 02.12.2025 को अपरान्ह 12.00 बजें तक अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 02.12.2025 को 12.30 बजें खोली जायेगी तथा अर्ह निविदादाताओं की वित्तीय बिड कार्यालय आदेशानुसार निर्धारित समय, दिनांक एवं स्थान पर खोली जायेगी।
3. निविदा सम्बन्धी अधिक जानकारी वेड साईट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

प्रमाणित किया जाता है कि निविदा में लगायी गयी समस्त शर्तो/नियमों को अधोहस्ताक्षरी द्वारा जांक कर ली गयी है। जो सही है।

UP – 240936 **दिनांक:** 20/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

(इं0 सौरभ सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, अम्बेडकरनगर

(इं0 ओ0पी0 वर्मा)
अधीक्षण अभियन्ता
अयो0अ0वृ0, लो0नि0वि0 अयोध्या

न्यूज ब्रीफ

एडीएम ने जन सुनवाई में सुनीं 77 शिकायतें

हरदोई, अमृत विचार। कलेक्ट्रेट में जन सुनवाई के दौरान अपर जिलाधिकारी वि .रा . प्रियंका सिंह ने आमजन की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई मे आज कुल 77 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित को दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध और गुणावत्तापूर्ण ढंग से हो। उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों से कहा कि उत्तराधिकार का कोई भी प्रकरण लंबित न रखें तथा कृषक दुर्घटना बीमा योजना के किसी आवेदन को लंबित न रखा जाये। इस अवसर पर सम्बन्धित विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

दुष्कर्म से बचाने के लिए रिश्वत लेने का आरोप

हरदोई, अमृत विचार। दुष्कर्म के मामले में दो आरोपियों को बचाने के लिए दरोगा ने 70 हज़ार रुपये की रिश्वत मांगी। आरोपियों ने उसे 50 हज़ार दे भी दिए। इस रिश्वतखोरी की जानकारी आजाद अधिकार सेना को हुई तो बवाल मच गया। इस बारे में प्रधान से बात की गई तो पता चला कि वही बिचौलिया था, उसी ने सौदा तय कराया था। उधर सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने डीजीपी से शिकायत करते हुए पूरे मामले की गहराई से जांच की मांग की है। शिकायत में कहा है कि पार्टी के अध्यक्ष विमलेश शर्मा ने उन्हें हरदोई पुलिस की रिश्वतखोरी के बारे में मंझिला थाना क्षेत्र के एक ग्राम प्रधान के साथ हुई बातचीत की कथित रिकॉर्डिंग भेजी है, जिसमें 25 अक्टूबर को मंझिला थाने में दर्ज एफआईआर से जुड़ी है, जिसमें तीन आरोपी है। बचाने के नाम पर दरोगा ने दूसरे पक्ष से एक लाख रुपए मांगे थे, लेकिन प्रधान की पैरवी के चलते 70 हज़ार पर सौदा तय हो गया। उसमें से 50 हज़ार दे दिए गए।

जिले में डग्गामार बसों व निजी स्टैंडों पर कसेगा शिकंजा

संवाददाता, हरदोई

- क्षेत्रीय प्रबंधक ने एसपी से मिलकर कार्रवाई की मांग की
- परिवहन निगम को हो रहे राजस्व के नुकसान पर लगेगी रोक

अमृत विचार। प्रदेश में अनाधिकृत रूप से संचालित हो रही डग्गामार बसों पर रोक लगाने को लेकर परिवहन विभाग ने एक बार फिर मोर्चा तेज कर दिया है। क्षेत्रीय प्रबंधक इंजीनियर रमेश कुमार ने शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा से मुलाकात कर इस गंभीर मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को एक पत्र सौंपकर परिवहन निगम के पास स्थित प्राइवेट बस अड्डों पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की।

बताया गया कि हाल ही में लखनऊ स्थित परिवहन निगम मुख्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी क्षेत्रों को स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं। बैठक में यह तथ्य सामने आया कि प्रदेशभर में बड़ी संख्या में निजी वाहन बिना अनुमति के लंबी और छोटी दूरी की यात्री सेवाएं चला रहे हैं, जिससे परिवहन निगम को भारी वित्तीय नुकसान झेलना पड़ रहा है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि संबंधित जिलों में संयुक्त प्रवर्तन टीमों के माध्यम से लगातार और कड़े निरीक्षण अभियान चलाए जाएं। साथ ही, यदि किसी जनपद में कार्रवाई के दौरान किसी प्रकार की दिक्कत आती है तो वहां के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से सहयोग लेकर समाधान निकाला जाए।

डग्गामार वाहन परिवहन निगम की आय पर डाल रहे डांका

हरदोई। क्षेत्रीय प्रबंधक रमेश कुमार ने एसपी को बताया कि अनाधिकृत बस संचालकों के बढ़ते दायरे ने उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल असर डाला है। कई मार्गों पर डग्गामार बसें बिना किसी वैधानिक अनुमति के यात्रियों को ले जा रही हैं। इन वाहनों के कारण निगम की आय में लगातार गिरावट आ रही है, जिसके परिणामस्वरूप कर्मचारियों को वेतन भुगतान तक प्रभावित हो रहा है। कहा कि यदि इस समस्या पर तत्काल नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले समय में निगम की वित्तीय स्थिरता पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसलिए आवश्यक है कि जिले में संचालित ऐसे वाहनों की पहचान कर इनके संचालन पर तुरंत रोक लगाई जाए। क्षेत्रीय प्रबंधक ने कहा कि सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन/प्रशासन) को हरदोई डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक के साथ मिलकर संयुक्त चेकिंग अभियान चलाने के स्पष्ट निर्देश जारी किए जाएं। पुलिस अधीक्षक ने आश्वासन दिया कि इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और जिले में अवैध बस संचालन पर रोक लगाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

घर के अंदर खेल रहे बच्चे की गड्ढे में डूबकर हुई मौत

संवाददाता, भरखनी, हरदोई

अमृत विचार। मुंडेर गांव में शुक्रवार की सुबह घर में खेल रहा एक वर्षीय बच्चा नाली के गड्ढे में गिरकर डूब गया। तीन बेटियों के बाद काफी मन्नतों से हुए इकलौते बेटे की मौत से परिजन बदहवास हैं और उनका रो-रो कर बुरा हाल है।

सवायजपुर कोतवाली क्षेत्र के मुंडेर गांव में पुष्पेंद्र खेती किसानी करते हैं। पुष्पेंद्र के तीन बेटियों प्रज्ञा, वर्तिका और अनन्या के बाद एक साल पूर्व बेटे कार्तिक का जन्म हुआ था। शुक्रवार सुबह को पुष्पेंद्र का एक वर्षीय बेटा कार्तिक घर में खेल रहा था। तभी घर के अंदर नाली के गड्ढे में वह डूब गया। काफी देर बाद परिजन जब कार्तिक को गड्ढे में उतराता हुआ देखा तो तुरंत फर्रुखाबाद के निजी अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इकलौते बेटे की मौत से मां जयंती सहित परिजनों में कोहराम मच गया।

कार्तिक की फाइल फोटो।

राजनीतिक दलों को समझाई एसआईआर प्रक्रिया

प्रतिनिधियों ने जिलाधिकारी से सवाल पूछकर अपनी आशंकाओं का किया समाधान

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। स्वामी विवेकानन्द सभागार कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में आहूत बैठक में मान्यता प्राप्त/राज्यीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एसआईआर के सम्बन्ध में चर्चा की।

उन्होने एसआईआर प्रक्रिया के बारे मे विधिवत जानकारी देते हुए कैसे फार्म भरना है की सम्पूर्ण प्रक्रिया से अवगत कराया। राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने डीएम से एसआईआर से संबंधित सवाल पूछकर अपनी आशंकाओं का समाधान किया। जिलाधिकारी ने बताया कि बीएलओ के द्वारा घर-घर जाकर मतदाता गणना प्रपत्र उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई मतदाताओं को यह भ्रम है कि उनका नाम 2003 की मतदाता सूची में है या नहीं, इस संबंध में सभी बीएलओ को 2003 की सूची उपलब्ध करा दी गई है। इसके अलावा मतदाता स्वयं भी उत्तर प्रदेश चुनाव आयोग की वेबसाइट या किसी जन सेवा केंद्र के माध्यम से यह जानकारी चेक कर सकते हैं। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम आदि संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

राजनीतिक दलों के साथ बैठक करते जिलाधिकारी अनुनय झा। अमृत विचार

दो जगह वोट होने पर होगी जेल

हरदोई, अमृत विचार। दो जगह वोट होने पर एक वर्ष का कारावास व जुर्माना किया जाएगा। यह बात अपर जिलाधिकारी प्रफुल्ल कुमार ने कही। उन्होंने बताया कि इन दिनों मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य चल रहा है। सभी मतदाता अपना गणना प्रपत्र भर कर बीएलओ को जमा कर दें। बीएलओ घर-घर जाकर प्रपत्र ले रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे मतदाता जिनका नाम विधानसभा निर्वाचक नामावली में एक से अधिक मतदेय स्थल अथवा निर्वाचन क्षेत्र में अंकित है, वह मतदाता एक ही स्थान पर अपना गणना प्रपत्र भरकर बूथ लेबल अधिकारी को उपलब्ध करायें और यदि उनके द्वारा दोनों मतदेय स्थल या विधानसभा क्षेत्र में गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ को जमा किया जाता है और यह सिद्ध हो जाता है कि उक्त मतदाता द्वारा दो जगह गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ क पास जमा किया है, तो उसके विरूद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धाराओं के तहत कार्यवाही की जायेगी, जिसमें मतदाता को एक वर्ष कारावास या जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जायेगा, जिसके लिए उक्त मतदाता स्वयं जिम्मेदार होगा।

युवा उद्यमी योजना में ऋण जारी करने में देर न की जाए

हरदोई, अमृत विचार। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में बैंक प्रतिनिधियों की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना मे प्राप्त आवेदनों के निस्तारण में देरी न की जाये। स्वीकृत आवेदनों के मामले ऋण जल्द अवमुक्त कराया जाये। आवेदनों में गलती को ठीक करने में आवेदकों की सहायता की जाये। जिलाधिकारी समस्त बैकों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी लोन का दो हजार का लक्ष्य पूरा किया जाये। अनुपस्थिति पर उन्होंने नाराजगी जतायी। बैठक के दौरान उपायुक्त उद्योग हर्ष प्रताप सिंह, एलडीएम अरविन्द रंजन उपस्थित रहे।

छात्राओं से छेड़छाड़ पर शोहदों के सिर मुंडवाया

हरदोई, अमृत विचार। विद्यालय जा रही छात्राओं से अश्लील हरकतें करने तथा उनका मोबाइल नंबर मांगना दो शोहदों को महंगा पड़ गया। ग्रामीणों ने पकड़ कर उनके सिर के बाल मुड़वा दिए, वहीं पुलिस ने भी दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। माधौगंज थाना क्षेत्र के ग्राम सेलापुर के पास थाना बिलग्राम निवासी संजय तथा रवि स्कूल जा रही छात्राओं से छेड़खानी करते हुए उस पर छींटाकशी कर रहे थे। आरोप है कि शोहदे छात्राओं से उनका मोबाइल नंबर मांग रहे थे। इसी बीच ग्रामीणों ने उन्हें ऐसी हरकत करते हुए देख लिया। ग्रामीणों ने पकड़ कर दोनों आरोपियों के बाल मुड़वा दिए। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को हिरासत में ले लिया।

निर्माण सामग्री की होगी जांच, खराब ईंटें हटवाई

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। सीडीओ सान्या छाबड़ा ने विकास खण्ड बावन में निर्माणाधीन मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय मानपुर का निरीक्षण किया। इस दौरान मौके पर उपस्थित कार्यदायी संस्था सीएण्डडीएस के अवर अभियंता हिमांशु सक्सेना ने बताया कि 1821.79 लाख रुपये की स्वीकृति हुई थी, जिसके सापेक्ष मुख्य भवन, मीड डे मील भवन, बाल वाटिका, बहुउद्देशीय हाल, स्टाफ आवास, गार्ड रूम आदि का निर्माण किया जाना है। कार्य प्रारम्भ होने के तिथि 2 जुलाई है तथा कार्य पूर्ण होने की तिथि 01 नवंबर 2026 है। निरीक्षण के समय प्रगति स्तर पर कार्य चल रहा था। सीडीओ ने कहा कि निर्माण कार्य में प्रयुक्त की जा रही सामग्री का नमूना भरवाकर जांच के लिए लैब भेजें। कुछ खराब ईंटें कार्य स्थल पर पाये जाने पर उन्हें तत्काल हटवाते हुए मानक श्रेणी की ईंटों का प्रयोग करने के निर्देश दिये। मौके पर रखी लोकल सैण्ड को तत्काल हटवाने तथा गुणवत्ता युक्त कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश कार्यदायी संस्था को दिए गये। निरीक्षण के समय बीएसए योगेन्द्र कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा एके सिंह, सहायक अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग राहुल यादव एवं अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

- सीडीओ ने निर्माणाधीन मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय मानपुर का किया निरीक्षण

ईंटों की गुणवत्ता परखतीं सीडीओ सान्या छाबड़ा। अमृत विचार

सीडीओ को मिले 85 पशु संरक्षित

मुख्य विकास अधिकारी अस्थायी गौ आश्रय स्थल मानपुर का निरीक्षण किया गया कर भूसा, दाना, हरा चारा एवं सर्दियों से पशुओं को बचाव के लिए की गयी व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। मौके पर हरा चारा, भूसा एवं दाना पाया गया तथा सर्दी से पशुओं को बचाव हेतु तिरपाल लगा था। गौशाला में 85 पशु संरक्षित पाये गए, जिनका संरक्षण प्रथम दृष्टया संतोषजनक पाया गया।

जांच पूरी होने तक बंद रहेगा स्कूल

हरदोई/सण्डीला, अमृत विचार। लायंस पब्लिक स्कूल में गैस रिसाव होने के बाद से जांच में जुटी पुलिस फिलहाल अभी किसी भी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। प्रशासन ने सख्ती से कहा है कि जांच पूरी होने के बाद ही स्कूल खोलने की अनुमति दी जाएगी। वहीं हादसे के दूसरे दिन सांसद अशोक रावत, विधायक अलका अर्कवंशी और एमएलसी अशोक अग्रवाल बेहाल बच्चों और उनके अभिभावकों से मिले। जिन्हे हर मुमकिन मदद का आश्वासन दिया। बताते चलें कि लायंस पब्लिक स्कूल सण्डीला में गुरुवार की सुबह अचानक गैस रिसाव होने से वहां अफरा-तफरी मच गई। कई बच्चों की तबियत बिगड़ गई थी, हालांकि उपचार के बाद सभी बच्चे ठीक हैं।

प्राथमिक स्कूल के बच्चों का शैक्षिक स्तर निम्न देखकर सीडीओ ने जताई नाराजगी

हरदोई, अमृत विचार। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) ने प्राथमिक विधायक मानपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। परिसर हैण्डवाश यूनिट में टोटी न लगी होने, शौचालय में रंनिग वाटर आपूर्ति न होने तथा एमडीएम निर्धारित मीनू के अनुसार न बनाये जाने, विद्यालय में पंजीकृत बच्चों 97 के सापेक्ष 51 बच्चे उपस्थित पाये गये जो लगभग 50 प्रतिशत है तथा कक्षा-कक्ष में ग्रीन बोर्ड न पाये जाने पर अभिनव सिंह, इन्चार्ज प्रधानाध्यापक को आरोप पत्र जारी करने एवं कार्य पूर्ण होने तक वेतन बाधित करने के निर्देश दिये। सीडीओ ने बच्चों का शैक्षिक स्तर परखने के लिए कक्षा चार के बच्चों से हिन्दी की किताब पढ़ाकर देखी। बच्चों द्वारा हिन्दी का पाठन भी सही तरीके से नहीं किया जा सका। बच्चों शैक्षिक स्तर को निम्न देखकर सीडीओ नाराजगी व्यक्त करते हुए समस्त शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए शैक्षिक स्तर सुधारने तक माह नवम्बर का वेतन बाधित करने के निर्देश बीएसए को दिये। आंगनवाड़ी केन्द्र पर पंजीकृत 20 बच्चों के सापेक्ष 10 उपस्थित पाये जाने पर उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश कार्यकत्री को एवं पंखा खराब पाये जाने पर तत्काल ठीक कराने के निर्देश ग्राम पंचायत सचिव को दिये गये।

बच्चे से किताब पढ़वाती सीडीओ सान्या छाबड़ा।

एक ही दिन में किशोरी और युवक की मौत से गांव में गम

संवाददाता, हरदोई/साण्डी

- किशोरी ने फांसी लगाकर दी जान, मौके पर जा रहे युवक पर मधुमक्खियों ने किया हमला, मौत

अमृत विचार। लकड़ी लेने घर से निकली किशोरी ने खेत में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। किशोरी का शव लटका होने की जानकारी पर खेत की ओर जा रहे गांव के युवक पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया, जिससे उसकी भी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार साण्डी थाने के सठियामऊ निवासी सुरेश की 17 वर्षीय पुत्री संगीता शुक्रवार सुबह लकड़ी लाने के लिए घर से निकली थी। काफी देर बाद संगीता का शव गांव के बाहर खेत में पेड़ पर फंदे से लटका मिला। किशोरी के आत्महत्या की खबर सुनकर आस-पड़ोस के गांवों के लोग पहुंच गए। गांव निवासी रामकृपाल (38) भी घटनास्थल की ओर जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसे मधुमक्खियों ने घेरकर हमला कर दिया। रामकृपाल की वहीं पर मौत हो गई। इन दोनों घटनाओं से समूचे सठियामऊ गांव में मातम पसर गया, पुलिस जांच कर रही है। सुरेश की चार बेटियों में दो की शादी हो चुकी है, उसके तीन बेटे हैं।

खुशनुमा प्रथम व सौम्या को दूसरा स्थान

- विद्याधनं सर्वधनं प्रधानम् पर निबंध पर प्रतियोगिता आयोजित

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। आर्य कन्या महाविद्यालय में संस्कृत परिषद् के तत्वावधान में "विद्याधनं सर्वधनं प्रधानम्" पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध प्रतियोगिता में छात्राओं ने हर्षोल्लास के साथ भाग लिया।

प्रतियोगिता में संस्कृत विभाग की कुल 16 (सौम्या राठौर, साक्षी मिश्रा, महिमा, इफरा परवीन, प्रजेश कुमारी, नीशू, शालिनी, जीविका, रिया, माधवी, खुशनुमा, मनु गुप्ता, सपना सिंह, सलोनी, सौम्या गुप्ता और दिव्यांशी कुशवाहा) छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल की भूमिका का निर्वहन प्राध्यापिका संत कुमारी और कंचन सिंह के द्वारा की गई। इस प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा खुशनुमा ने प्रथम स्थान, सौम्या गुप्ता ने द्वितीय स्थान, सपना सिंह और दिव्यांशी कुशवाहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राचार्या डॉ. सुमन वर्मा ने छात्राओं को शुभकामना देते हुए कार्यक्रम की प्रशंसा की। इस अवसर पर महाविद्यालय की समस्त प्राध्यापिकाएं मौजूद रहीं।

प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्राओं के साथ महाविद्यालय परिवार। अमृत विचार

देवर से विवाद के बाद महिला ने कमरे में फांसी लगाकर दी जान

हरदोई, अमृत विचार। पिता ने अपने बड़े बेटे को 20 हज़ार रुपये दिए तो छोटे बेटे ने भी रुपये मांगे। इस पर दोनों भाइयों के बीच विवाद होने लगा। भाइयों के बीच हो रही बातचीत में बड़े भाई की पत्नी भी कूद पड़ी। इस दोनों देवर-भाभी के बीच झगड़ा हो गया। नोंकझोंक से खफा भाभी ने कमरे के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

शाहाबाद कोतवाली के आगापुर निवासी कालीचरण की पत्नी ज्ञानदेवी (32) ने शुक्रवार की सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कालीचरण ने बताया कि वह फेरी करता है, परिवार में पत्नी के अलावा बेटी वैष्णवी व बेटा शैलेंद्र है। शुक्रवार की सुबह वह शौच के लिए गया था। वापस लौट कर देखा तो पत्नी का शव फांसी पर लटक रहा था। ज्ञानदेवी का मायका शाहाबाद कोतवाली के ही नसीरपुर गांव में था। मौजीलाल ने बताया कि उसने कालीचरण को जरूरत पर 20 हज़ार रुपयों दिए थे। उसके छोटे बेटे मुनेश को पता चला थो उसने भी कहा कि उसे भी पैसों की जरूरत है। गुरुवार को उसी पर भाइयों के बीच बात हो रही थी। लेकिन ज्ञानदेवी बीच में आ गई और मुनेश नोंकझोंक करने लगी। उसके बाद उसने खाना नहीं बनाया। गुरुवार की रात कालीचरण ने खुद खाना बनाया था। शुक्रवार की सुबह वह पत्नी व बच्चों को सोता हुआ छोड़कर शौच के लिए निकला था। लौटकर आया तो उसे पत्नी का लटकता हुआ शव मिला। पुलिस जांच-पड़ताल कर रही है।

भव्य कलश यात्रा के साथ कथा शुरू

संवाददाता, बेनीगंज, हरदोई

अमृत विचार। नगर के सीबीजी इंटर कॉलेज आफ साइंस विद्यालय के प्रांगण में विगत 25 वर्षों से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है, जिसके 26वें सोपान का शुभारंभ शुक्रवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ।

बताते चलें कि नगर के सीबीजी इण्टर कालेज आफ साइंस में 26वीं श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा से हुआ। कलश यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं के साथ-साथ नैमिषधाम से पधारे संत नागेंद्र दास, सन्तोष दास खाकी एवं महात्माओं ने भी सम्मिलित होकर कार्यक्रम को दिव्यता से परिपूर्ण कर दिया। मंगल संगीत, वैदिक मंत्रोच्चार और भक्तों के उत्साह ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

श्रीधाम वृन्दावन से पधारे प्रसिद्ध कथावाचक मदनमोहन दास महाराज के मुखारबिंदु से भक्त आगामी सात दिनों तक श्रीमद् भागवत कथा का रसपान करेंगे। कलश शोभायात्रा के पावन अवसर पर मिश्रिख लोकसभा सांसद अशोक रावत, विधान परिषद सदस्य अवनीश सिंह, कर्नल आदित्य प्रताप सिंह व राष्ट्रीय हिन्दू शेर सेना के अध्यक्ष विकास हिन्दू के साथ सैकड़ो साधु संत व नगर क्षेत्र के गणमान्य लोग सम्मिलित हुए।

कलश यात्रा में शामिल संत नागेंद्र दास, संतोष दास खाकी एवं महात्मा।

ट्रैक्टर-ट्राली से कुचल कर दो बाइक सवारों की मौत

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। गुजरात के अहमदाबाद में नौकरी करने वाले दो युवक गांव आए थे। शुक्रवार को दोनों बाइक से बिलग्राम आ रहे थे। जसेनामऊ-म्योरा के बीच ट्रैक्टर-ट्राली ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, सड़क पर गिरे युवकों को कुचल कुचलते हुए ट्रैक्टर चालक भाग निकला। मेडिकल कालेज में दोनों को मृत घोषित कर दिया गया।

बिलग्राम कोतवाली के सुनारी पुरवा निवासी रजनीश कुमार (28) पुत्र राजबहादुर व उसी गांव का मदनपाल (35) पुत्र छोटेलाल गुजरात के अहमदाबाद में साथ-साथ नौकरी करते थे। मदनपाल दीपावली पर और रजनीश 15 नवंबर को गांव आया था। शुक्रवार की शाम मदनपाल रजनीश के साथ बाइक से एटीएम से किसान निधि का पैसा निकालने के लिए बिलग्राम आ रहा था। रास्ते में जसेनामऊ-म्योरा के बीच उन्हे ट्रैक्टर-ट्राली ने टक्कर मारते हुए कुचल दिया। एक साथ दोनों की मौत होने की खबर से पूरे सुनारी पुरवा में कोहराम बरपा हो गया। मदनपाल के परिवार में पत्नी मायावती के अलावा दो बेटे और एक बेटी है, वहीं रजनीश के परिवार में पत्नी लक्ष्मी के अलावा दो बेटियां है। पुलिस का कहना है कि ट्रैक्टर चालक की तलाश की जा रही है।

नवनिर्मित बरामदे की स्लैब भर भराकर गिरी

टड़ियावां, हरदोई। जिंदपीर बाबा के मजार की नवनिर्मित बरामदे की स्लैब खोलते ही भर भराकर गिर गई। गनीमत रही कि कोई अनहोनी नहीं हुई। टड़ियावां के गौराडांडा गांव के उत्तर दिशा में बरबटापुर मार्ग पर जिंदपीर बाबा का स्थान है। बीते 15 दिन पहले गांव निवासी बीडीसी अरविंद राठौर ने वहां बरामदे का निर्माण कार्य कराया है। शुक्रवार की सुबह राजगीर और श्रमिकों के द्वारा स्लैब खोलते ही भरभराकर गिर गई। पीड़ित बीडीसी अरविंद ने बताया कि निर्माण सामग्री की खरीद अनुपम गुप्ता निवासी सडिला की दुकान से माईसेम कंपनी की सीमेंट का प्रयोग किया था। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। दुकानदार अनुपम गुप्ता ने कहा कि माईसेम कंपनी को मामले की जानकारी दी गई है। एसओ कुलदीप सिंह ने कहा कि मामले की छानबीन की जा रही है।

सड़क पर शव रखकर मांगा 10 लाख का मुआवजा

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। बाइक सवार की ट्रैक्टर से कुचल कर हुई मौत के मामले में गुस्साए ग्रामीणों ने शव रख कर हाईवे पर जाम लगा दिया। परिजनों व ग्रामीणों ने 10 लाख रुपये का मुआवज़ा और ट्रैक्टर चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग लेकर करीब आधे घंटे तक प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर पहुंचे एसडीएम सदर सुशील कुमार मिश्र ने ग्रामीणों की पूरी बात सुनी। एसडीएम ने मुआवजा दिलाने व अन्य मांगों को पूरा कराने का आश्वासन देकर जाम खुलवाया।

बताते चलें कि गुरुवार की सुबह कोतवाली देहात के दुड़ैला मजरा दानियाल गंज निवासी वीरेंद्र पुत्र राम लड़ैते अपनी बेटी को स्कूल छोड़ कर बाइक से घर जा रहा था। उसी बीच ककवाही गांव में रामू के खेत के पास तेज़ रफ्तार ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार दी। वह गिर पड़ा, तभी ट्राली का पहिया उसके ऊपर से निकल गया, जिससे वीरेंद्र की मौत हो गई। शुक्रवार को हादसे से गुस्साए ग्रामीणों ने हाईवे पर शव रखकर जाम लगा दिया। ग्रामीणों की मांग थी कि वीरेंद्र के घर वालों को 10 लाख रुपये मुआवज़ा और ट्रैक्टर ड्राइवर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। पुलिस काफी देर समझाती रही, लेकिन कोई हल नहीं निकला।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार,22 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

नौकरी के नाम पर थमाया टूरिस्ट वीजा

सफदरगंज, बाराबंकी, अमृत विचार :विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर युवक से लाखों रुपये ठग लिए गए। उसे टूरिस्ट वीजा थमा दिया गया। रामपुर भवानीपुर कटरा के निवासी मो. जुनैद ने तहरीर में कहा कि कस्बा इचौली थाना टिकैतनगर निवासी मो. राशिद ने ओमान में नौकरी दिलाने का झांसा देकर उससे कुल 1,20,000 रुपये की रकम ऐंठ ली। आरोपी ने नौकरी का वीजा दिलाने के नाम पर महज 10 दिन का टूरिस्ट वीजा बनवाकर दे दिया और पीड़ित को विदेश भेजकर बीच में ही टहला दिया। इससे वह आर्थिक नुकसान का शिकार हुआ बल्कि विदेश में फंसने जैसी स्थिति भी उत्पन्न हो गई। मो. जुनैद की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने खाली कराया मकान

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : न्यायालय के आदेश पर एक महिला का घर व दुकान खाली कराए जाने की कार्रवाई पुलिस की मौजूदगी में पूरी की गई। मामला मोहम्मद अली और कौसरजहां के बीच चल रहे कब्जेदारी विवाद से जुड़ा था, जिसमें न्यायालय ने मोहम्मद अली के पक्ष में फैसला सुनाते हुए विवादित मकान खाली कराने के आदेश दिए। पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन घर में अकेली रह रही महिला बाहर आने को तैयार नहीं हुई। घंटे भर की मशक्कत के बाद उपनिरीक्षक मानसी को भी मौके पर बुलाया गया। काफी प्रयासों के बाद महिला को घर से बाहर निकाल कर पुलिस वाहन से थाने भेजा गया। इसके बाद घर के शटर पर ताला लगाकर संपत्ति का कब्जा मोहम्मद अली को सौंप दिया गया।

जिला बदर किए गए तीन हिस्ट्रीशीटर

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : जिलाधिकारी के अनुमोदन के बाद लोनीकटरा पुलिस ने क्षेत्र के तीन हिस्ट्रीशीटरों के विरुद्ध जिला बदर की कार्रवाई की है। थानाध्यक्ष अभय कुमार मौर्य ने बताया कि क्षेत्र के रबड़हिया गांव के सगे भाई मोहित व प्रदीप घीसा पुरवा मजरे तेजवापुर के नेवल किशोर हिस्ट्रीशीटर हैं, जिन्हें जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला बदर किया गया है।

छज्जा गिरा, मलबे में दबने से युवक की मौत

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : बल्ली बांस हटाते समय नवनिर्मित छज्जा युवक पर गिर गया। लोगों ने मलबा हटाकर युवक को बाहर निकाला तो उसकी मौत हो चुकी थी। मोहल्ला हुज्जाजी दो पूर्वी निवासी आरिफ (19) शुक्रवार की सुबह अपने तीन मंजिल के मकान के नवनिर्मित छज्जे में लगे बल्ली बांस पटरा खोल रहा था। इसी दौरान छज्जा उस पर गिर गया। जिसके मलबे में दबकर आरिफ की मौत हो गई।

मुआवजा न देना पड़ा भारी एक्सईएन कार्यालय सील

नौ साल पहले एक व्यक्ति की हुई थी करंट लगने से मौत

संवाददाता, रामनगर, बाराबंकी

कार्रवाई

अमृत विचार : बिजली विभाग द्वारा करंट से मृत ग्रामीण के परिजनों को मुआवजा न देना महंगा पड़ गया। न्यायालय के आदेश पर शुक्रवार को पुलिस बल के साथ पहुंची टीम ने अधिशासी अभियंता रामनगर के कार्यालय को कुर्क करते हुए सील कर दिया।

अधिवक्ता राजकुमार यादव के मुताबिक थाना मसौली के बड़ागांव निवासी कैलाश यादव की 20 मई 2016 को ट्रांसफार्मर के पास टूटे तार की चपेट में आने से मौत हो गई थी। मृतक की पत्नी शिवदेवी ने मामले में विद्युत विभाग के खिलाफ बाराबंकी की सिविल कोर्ट में वाद दायर किया, जिसकी पैरवी वह स्वयं और पुत्र अशोक कुमार के साथ कर रही हैं। इस घटना में विभाग ने कोई कार्रवाई की न ही पीड़ित परिवार को मुआवजा ही दिया। साक्ष्यों व तर्कों पर विचार करते हुए न्यायालय ने मृतक के परिजनों को 6 लाख 63 हजार रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया था।

आदेश का पालन न करने पर 17 नवंबर को अदालत ने ब्याज सहित 9 लाख 41 हजार रुपये भुगतान करने तथा अनुपालन न होने पर अधिशासी अभियंता का कार्यालय कुर्क करने के निर्देश दिए थे।

निर्देशों के तहत शुक्रवार को टीम ने कार्यालय को सील कर दिया। हालांकि विभागीय कर्मियो की मानें तो वर्ष 2016 में रामनगर डिवीजन अस्तित्व में नहीं था, यह क्षेत्र बाराबंकी डिवीजन से नियंत्रित होता था। इस बारे में पूछे जाने पर अधिशासी अभियंता मोहम्मद खालिद ने कहा कि मामला काफी पुराना है, जिसके चलते यह कार्रवाई की गई है।

मिर्च झोंककर व्यापारी से लूट का प्रयास

बाराबंकी, अमृत विचार : दुकान बंद कर घर जा रहे सगे भाईयों की आंख में लाल मिर्च झोंककर बैग छीनने की कोशिश की गई। पुलिस जांच कर रही है।

नाका सतरिख चौराहा के पास सीताराम वाली गली के सामने नजीब अहमद की किराना की दुकान है। वह गुरुवार की देर शाम दुकान बंदकर भाई के साथ बाइक से घर जा रहे थे। छाया रेलवे स्टेशन मार्ग पर जमुरिया नाला के निकट नकाबपोश बाइक सवार तीन बदमाश पीछे से पहुंचे और उनमें से एक ने नजीब की आंख में लाल मिर्च झोंक दिया फिर बैग छीनने का प्रयास करने लगे। हालांकि व्यापारी ने साहस दिखाया और बैग छिनने से बचा लिया। असफल बदमाश वहां से फरार हो गए। पीड़ित ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच करने की बात कही।

तत्कालीन ग्राम प्रधान, वीडीओ एडीओ व कानूनगो पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता, फतेहपुर, बाराबंकी

- एक दशक पुराने मामले में कोर्ट का आदेश
- जबरन वारिस बनाकर जमीन कब्जाने की कोशिश का मामला

अमृत विचार : सीतापुर की महिला को पत्नी बनाकर वारिस का रूप दे दिया गया। फर्जीवाड़े का पता लगते ही तहसील में शिकायत कर अमलदरामद पर रोक लगवा दी गई। पीड़ित ने थकहार कर कोर्ट की शरण ली तब तत्कालीन ग्राम प्रधान, वीडीओ, एडीओ, लेखपाल व कानून गो के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के ग्राम सकटूपुरवा मजरे सैलक जलालपुर निवासी 69 वर्षीय केशन ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट संख्या-18 में गुहार लगाते हुए बताया कि उनके भाई सियाराम व उनकी पत्नी जनका के नाम वर्ष 2015 तक परिवार रजिस्टर की आधिकारिक नकल दर्ज थी लेकिन सरोजनी पत्नी नान्हू निवासी बरुई बरुआ जिला सीतापुर ने कथित रूप से अपना नाम बदलकर रामलली दिखाते हुए तत्कालीन ग्राम पंचायत अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी पंचायत, लेखपाल, कानूनगो व ग्राम प्रधान की मिलीभगत से परिवार रजिस्टर में अपना नाम रामलली के रूप में चढ़वा लिया। इसके बाद बिना सही सत्यापन और बिना परिवार रजिस्टर की नकल के ही कृषि भूमि की अमलदरामद भी करा ली गई। आरोप है कि यह संपूर्ण कार्रवाई फर्जी दस्तावेजों और कूटरचना के आधार पर की गई। जब उसको इस धोखाधड़ी की जानकारी हुई तो तत्काल 26 दिसंबर 2015 को तहसील फतेहपुर में शिकायत कर भूमि की अमलदरामद पर रोक लगवा दी और बिक्री किए जाने की आशंका के मद्देनजर विक्रय पर प्रतिबंध भी लगवाया। यदि समय पर रोक न लगती तो आरोपी पक्ष भूमि बेचकर रुपये का बंटवारा भी कर लेते। उसने थाना मोहम्मदपुर खाला, थाना फतेहपुर, डीएम तथा एसपी को कई बार शिकायती पत्र दिए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। यहां तक कि वर्ष 2024 में भी लगातार शिकायतें देने के बावजूद रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। आरोपी लगातार धमकी दे रहे हैं कि जमीन बेचकर ही दम लेंगे।

कब्जेदारी को लेकर भिड़े दो पक्ष, 6 घायल

संवाददाता,हैदरगढ़, बाराबंकी

अमृत विचार : कस्बा के ब्रम्हनान वार्ड में शुक्रवार की दोपहर पैतृक भूमि पर कब्जेदारी को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। घटना में दोनों पक्षों के आधा दर्जन लोग घायल हो गए।

यहां की निवासिनी आमिना पत्नी ननकऊ ने कोतवाली में दी गई तहरीर में बताया कि दरवाजा लगाने को लेकर उनके घर के सामने रहने वाले कल्लन व उनके परिवार के लोगों ने लाठी डंडों से हमला बोल दिया। घटना में अमीना व उनकी बहू महरून व नसरीन लहूलुहान हो गई। वहीं दूसरे पक्ष के कल्लन की पत्नी व उनकी बेटी साहीन लहूलुहान हो गई। गंभीर रूप से घायल शाहीन को जिला चिकित्सालय के लिए रेफर किया गया। पुलिस घायलों को इलाज के लिए सीएचसी भेजकर छानबीन कर रही है। वही इस मामले को लेकर दीवानी न्यायालय में मुकदमा भी चल रहा है।

हत्या के दोषी को आजीवन कैद

बाराबंकी, अमृत विचार : 11 हत्या के प्रकरण में न्यायालय ने अभियुक्त को आजीवन कारावास व एक लाख रुपये अर्थदण्ड अदा करने की सजा सुनाई है।

17 अगस्त 2014 को थाना मसौली क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम व कस्बा बांसा निवासी वादी राहुल कुमार ने अभियुक्त के विरुद्ध वादी के पिता को जहर खिलाने व बाद में मौत हो जाने की शिकायत पुलिस को से की। इस मामले में थाना मसौली पर अभियुक्त मो. इस्माइल के खिलाफ हत्या का मुकदमा पंजीकृत किया गया था।

भाजपा विधायक के भाई की हादसे में मौत

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : हैदरगढ़ क्षेत्र से भाजपा विधायक दिनेश रावत के अनुज मिथलेश की शुक्रवार तड़के सड़क हादसे में क मौत हो गई। हादसा लखनऊ आगरा एक्सप्रेस वे पर सैफई के निकट हुआ, जहां पर डंपर ने उनकी कार में टक्कर मार दी। सूचना मिलते ही विधायक के गांव मीरापुर में सन्नाटा पसर गया। पार्टी नेता, कार्यकर्ता, शुभचिंतक जनता ने घर पहुंचकर शोक संवेदना जताई।

मिथलेश रावत फाइल फोटो।

विधायक के गांव में शोक जताने पहुंचे राज्यमंत्री व अन्य लोग ● अमृत विचार

भाजपा विधायक दिनेश रावत के छोटे भाई मिथिलेश रावत देवस्थान दर्शन को कार से गए थे। शुक्रवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे 128.5 किमी पर करखा के पास कार चालक ने नींद आने की बात कही तो चालक की अदलाबदली होने लगी। इसी बीच डंपर ने कार में साइड से टक्कर मार दी। हादसे में वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं गंभीर रूप से जख्मी मिथिलेश रावत की मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य घायल को इलाज के लिए भेजा गया। सूचना मिलते ही विधायक दिनेश रावत घटनास्थल की ओर रवाना हुए। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। जिसे अंतिम दर्शन के लिए मीरापुर लाया गया। इसके बाद अंतिम संस्कार किया गया। राज्यमंत्री सतीश शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद मौर्य, एमएलसी अंगद सिंह, अवनीश सिंह, जिपं अध्यक्ष राजरानी रावत के अलावा अन्य दलों के नेता, पार्टी पदाधिकारियों ने संवेदना व्यक्त की।

खेल प्रतियोगिता में पूरेडलई व हैदरगढ़ का दबदबा

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित उच्च प्राथमिक विद्यालयों की जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता शुक्रवार को पुलिस लाइन मैदान में संपन्न हुई।

जिले के 16 ब्लॉकों के लगभग 500 बालक-बालिकाओं ने खो-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल और हैंडबॉल प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि बीएसए संतोष कुमार देव पांडे ने विजयी खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए कहा कि खेल बच्चों के मानसिक, बौद्धिक और शारीरिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। प्रतियोगिताओं में खो-खो बालक वर्ग में पूरेडलई ने विजेता का खिताब जीता जबकि बंकी उपविजेता रहा। बालिका वर्ग में बंकी प्रथम और सिरौली गौसपुर द्वितीय स्थान पर रहा। कबड्डी बालिका वर्ग में सिरौली गौसपुर ने प्रथम स्थान हासिल किया तथा पूरेडलई की टीम उपविजेता रही। बालिका कबड्डी और बालिका दोनों वर्गों में हैदरगढ़ की टीमें चयनित की गईं। वॉलीबॉल बालक वर्ग में सिद्धौर ने प्रथम तथा त्रिवेदीगंज ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं वॉलीबॉल बालिका वर्ग में हैदरगढ़ की टीम ने पहला स्थान और हरख की टीम ने दूसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता के सफल संचालन में जिला व्यायाम शिक्षिका रीतू पाठक, ब्लॉक व्यायाम शिक्षक दिलीप तिवारी, मनोज चौधरी, शशि सिंह, सुरेन्द्र जायसवाल, लवलेश सिंह, सोमनाथ, राजेंद्र पांडे, विपिन कुमार, दिवाकर गांधी, रमाकांत, संजीव चौधरी, फिरोज समेत अनेक शिक्षक-शिक्षिकाओं का सहयोग सराहनीय रहा। प्रतियोगिता के दौरान शिक्षकों और प्रतिभागियों का उत्साह पूरे समय बना रहा।

कबड्डी बालिका वर्ग में सिरौली गौसपुर की विजयी टीम के साथ शिक्षक।

हमले में घायल अधेड़ की मौत, तीन लोगों की हालत गंभीर

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : पेड़ काटने को लेकर हुआ विवाद इस कदर हिंसक हुआ कि एक पक्ष के जानलेवा हमले में घायल अधेड़ की मौत हो गई जबकि इसी परिवार के तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए भेजा, वहीं मामले की रिपोर्ट दर्ज की। बसंतपुर घाट गांव की सावित्री सिंह ने बताया कि उनके पिता विजय चौहान ने मूलचंद यादव से बंटाई पर लिया हुआ खेत कई वर्षों से संभाल रखा था और उसमें यूकेलिप्टस के पेड़ लगाए थे। बुधवार को विपक्षी प्रताप, प्रदीप, दीपक, सर्वेश, शारदा और विनोद ने उनके पेड़ काट दिए। विरोध करने पर दोनों पक्षों में कहासुनी के बाद तनाव बढ़ गया। गुरुवार दोपहर विजय कुमार खेत देखने पहुंचे, तभी सभी आरोपी वहां आ धमके और गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों व बांके से उन पर हमला बोल दिया। गंभीर रूप से घायल विजय किसी तरह जान बचाकर घर की ओर भागे, लेकिन हमलावरों का कहर यहीं नहीं रुका। आरोपियों ने घर के पीछे मौजूद खेत में घुसकर पुन: हमला किया। इस दौरान विजय कुमार के साथ उनकी पत्नी, बेटी सावित्री, भाई आलोक और चाचा लल्लू चौहान को पीटा गया। ग्रामीण इकट्ठा होने लगे तो आरोपी फरार हो गए। हमले में विजय और लल्लू गंभीर रूप से घायल हुए। लल्लू को जिला अस्पताल से लखनऊ रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

सिटी डायरी

उपकरणों की जानकारी लेते एसपी। अमृत विचार

एसपी ने किया निरीक्षण

बाराबंकी, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक ने शुक्रवार की साप्ताहिक परेड की सलामी लेने के पश्चात परेड व पुलिस लाइन का निरीक्षण किया। एसपी अर्पित विजयवर्गीय द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित परेड ग्राउण्ड में शुक्रवार की परेड की सलामी ली गई, तत्पश्चात परेड में उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों को शारीरिक व मानसिक रुप से फिट रहने हेतु दौड़ कराई गयी व पुलिसकर्मियों का टर्न आउट चेक करते हुए अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने हेतु ड्रिल की कार्यवाही कराई गयी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने रिक्रूट आरक्षियों की परेड, अनुशासन एवं शारीरिक क्षमता की भी समीक्षा की गई तथा उन्हें बेहतर प्रशिक्षण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसपी ने पीआरवी वाहनों का निरीक्षण कर मानक के अनुसार उपकरणों को अपने पास रखने का निर्देश दिया।

जानकारी देत मत्स्य अधिकारी। अमृत विचार

किसानों को दी तकनीकी जानकारी

बाराबंकी, अमृत विचार : कस्बा जैदपुर में विश्व मत्स्य दिवस के अवसर पर जलीय संसाधनों के संरक्षण, टिकाऊ मत्स्य पालन और मत्स्य किसानों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समारोह आयोजित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (मत्स्य) अच्छे लाल निषाद ने विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी और दो योजनाओं में किसानों का पंजीकरण मौके पर ही कराया। सेवानिवृत्त मत्स्य अधिकारी एवं अभिनव विकास समिति लखनऊ के तकनीकी विशेषज्ञ मोहम्मद आफाक खान ने विश्व मत्स्य दिवस की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

एसआईआर की जानकारी लेते सीडीओ।

एसआईआर में लापरवाही अक्ष्म्य

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : तहसील सभागार रामनगर में शुक्रवार को सीडीओ अन्ना सुदन ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होने तहसील क्षेत्र में चल रहे कार्यों की प्रगति, मतदाता सूचियों के अद्यतन बूथवार सत्यापन और नाम जोड़ने-कटाने की प्रक्रिया पर बिंदुवार जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण है इसलिए निर्धारित समय सीमा के भीतर इसे पूरी पारदर्शिता और गंभीरता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि बीएलओ स्थल पर जाकर सत्यापन सुनिश्चित करें।

ई-लाटरी कराते अधिकारी। अमृत विचार

ई-लाटरी सम्पन्न

बाराबंकी, अमृत विचार : लोक सभागार में सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन एवं इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेजिड्यू योजनांतर्गत कृषि यंत्रों के आवंटन हेतु ई-लाटरी कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिलाधिकारी के निर्देश पर बैठक की अध्यक्षता एसडीएम विवेक शील ने की। समिति के सदस्य सचिव उप कृषि निदेशक धीरेंद्र सिंह, जिला कृषि अधिकारी राजित राम, एनआईसी प्रतिनिधि अभय भारतीय आदि थे।

महादेवा महोत्सव में प्रस्तुति देतीं लोकगायिका डा. रश्मि उपाध्याय। ● अमृत विचार

डॉ. रश्मि ने बिखेरा अवधी लोकगायकी का जलवा

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : महादेवा महोत्सव के सांस्कृतिक मंच पर शनिवार की शाम अवधी लोकगायकी का मनभावन रंग बिखरा। आकाशवाणी-दूरदर्शन की प्रसिद्ध अवधी लोकगायिका डा. रश्मि उपाध्याय ने अपनी प्रस्तुतियों से ऐसा समा बांधा कि पूरा वातावरण भक्ति रस से सराबोर हो उठा। कार्यक्रम की शुरुआत उन्होंने गणेश वंदना पहिली पूजा तोहार हो गौरी के ललनवा से की, जिसने श्रोताओं को भक्ति भाव में डुबो दिया। इसके बाद जब उन्होंने शीश गंगे की धार, गले सर्पों का हार प्रस्तुत किया तो पूरा पंडाल भोलेनाथ की आराधना में मग्न दिखाई दिया। उनका लोकप्रिय अवधी गीत गौरा रूठ गई, मायके चली गई जैसे ही मंच से गूंजा, श्रोताओं ने उत्साहपूर्वक तालियां बजाईं।

जादू के जरिए सरकारी योजनाओं का संदेश

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : महादेवा महोत्सव के सांस्कृतिक मंच पर शुक्रवार का दिन लोगों को मनोरंजन के साथ जागरूकता का अनूठा संदेश देने वाला साबित हुआ। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा भेजे गए भावना मैजिक ग्रुप और अदनान मैजिक ग्रुप के कलाकारों ने जादू कला के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत की। जादूगर विश्वनाथ और सहयोगी शहताब ने आकर्षक जादूई प्रस्तुतियों के जरिये बैंकिंग से जुड़ी योजनाएं जन धन सुरक्षा बीमा, जीवन ज्योति बीमा, अटल पेंशन योजना के बारे में सरल और रोचक तरीके से जानकारी दी।

आल्हा की प्रस्तुति देते कलाकार। ● अमृत विचार

आल्हा गायन ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : महादेवा महोत्सव के सांस्कृतिक मंच पर देर शाम नवरस बुंदेली लोककला समिति, महोबा द्वारा प्रस्तुत आल्हा गायन ने दर्शकों का मन मोह लिया। मुख्य गायक जितेंद्र चौरसिया और उनके साथियों ने बेहतरीन प्रस्तुति से आल्हा की प्राचीन परंपरा को जीवंत किया। आल्हा गायन की शुरुआत उन्होंने सदा भवानी दाहिनी सन्मुख रहे, गणेश पांच देव रक्षा करे, ब्रह्मा विष्णु महेश से जैसे भव्य उद्घाटन गीतों से की। इसके बाद महोबा की ऐतिहासिक लड़ाइयों को दर्शाते हुए महोबा वाले जिनसे हार गई तलवार, एक का मारे दो मर जावे, तीसरा खौफ खाय मर जाय और माड़ो की लड़ाई जैसे गीतों और अभिनय ने दर्शकों को पूरी तरह झूमा दिया।

महादेवा महोत्सव

वॉलीबॉल प्रतियोगिता में बलजीत गोंडा को पराजित किया

क्रिश्चियन कॉलेज लखनऊ की टीम ने जीता खिताब

संवाददाता, रामनगर, बाराबंकी

अमृत विचार : महादेवा महोत्सव में आयोजित दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का समापन शुक्रवार को रोमांचक मुकाबलों के साथ हुआ। नायब तहसीलदार विजय प्रकाश तिवारी ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया और खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर सर्विस लगाई। प्रतियोगिता का संचालन रियाज अहमद ने किया। इस प्रतियोगिता में बरेली स्टेडियम, बलजीत गोंडा, क्रिश्चियन कॉलेज लखनऊ, सुल्तानपुर स्टेडियम, गंगापुर आजमगढ़, गाजीपुर स्टेडियम, टीडी कॉलेज जौनपुर और केडी सिंह बाराबंकी की आठ टीमें भाग लीं। पहले दिन के मैचों में बलजीत गोंडा, क्रिश्चियन कॉलेज लखनऊ, टीडी कॉलेज जौनपुर और गंगापुर आजमगढ़ ने जीत हासिल की। सेमीफाइनल में क्रिश्चियन कॉलेज लखनऊ ने टीडी कॉलेज जौनपुर को हराया, जबकि बलजीत गोंडा ने गंगापुर आजमगढ़ को मात दी। फाइनल मुकाबले में क्रिश्चियन कॉलेज लखनऊ ने बलजीत गोंडा को पराजित कर खिताब अपने नाम किया। बलजीत गोंडा उपविजेता रहा। ब्लॉक प्रमुख संजय तिवारी और नायब तहसीलदार विजय प्रकाश तिवारी ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और पुरस्कार प्रदान किए।

प्रतियोगिता के सफल आयोजन और सहयोग के लिए मोहम्मद जैद, डॉ. आलोक शुक्ला, अब्बुल हसन, मास्टर हबीब, कमलेश यादव, विनय कुमार सिंह, अफसर अब्बास, इंजाज अहमद और सानू को सम्मानित किया गया। समारोह में पूर्व डीडीसी राघवेंद्र प्रताप सिंह उर्फ रज्जू, बिन्ना दुबे, दीन मोहम्मद सहित भारी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

विजेता टीम को ट्रॉफी और पुरस्कार देते ब्लॉक प्रमुख संजय तिवारी। ● अमृत विचार

महोत्सव में आज

- दोपहर 12 बजे दंगल प्रतियोगिता।
- दोपहर 3 बजे म्यूजिकल बैण्ड (पीयूष मिश्रा)।
- दोपहर 3:30 बजे ध्रपद गायन (मलिक ब्रदर्स)।
- शाम 4:00 बजे वैदेही के राम (सूरज, कारवां फाउंडेशन)।
- शाम 4:30 बजे सूफी ख्याल बैंड (नितीश व धनन्जय)।
- शाम 5 बजे बालीवुड मेगा शो विद अक्षरा सिंह एंड टीम।

ई-लाटरी सम्पन्न

बाराबंकी, अमृत विचार : लोक सभागार में सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन एवं इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेजिड्यू योजनांतर्गत कृषि यंत्रों के आवंटन हेतु ई-लाटरी कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिलाधिकारी के निर्देश पर बैठक की अध्यक्षता एसडीएम विवेक शील ने की। समिति के सदस्य सचिव उप कृषि निदेशक धीरेंद्र सिंह, जिला कृषि अधिकारी राजित राम, एनआईसी प्रतिनिधि अभय भारतीय आदि थे।

न्यूज ब्रीफ

किशोरी को भगा ले जाने का आरोपी गिरफ्तार

बछरावां (रायबरेली) : किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के आरोपी फूलचंद पुत्र रामू निवासी कसरावा थाना बछरावां को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उप निरीक्षक सैयद नियाजी हुसैन ने बताया कि आरोपी को जेल भेज दिया गया है। टीम में उनके साथ हेड कांस्टेबल रमेश सिंह, महिला कांस्टेबल रीनू यादव मौजूद रही।

मां-भाभी के साथ जा रहे युवक को पीटा

तिलोई (अमेठी) : कोतवाली मोहनगंज क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम उत्तरपारा निवासी बीरेंद्र सिंह उर्फ रिंकू (19) ने थाने पर प्रार्थनापत्र देते हुए कहा है कि सुबह करीब दस बजे अपनी मां और भाभी के साथ टेंपो से लखनऊ बुआ के घर जा रहे थे। गांव के बाहर रास्ते में रेबडी मोड़ के पास पहले से घात लगाए बैठे गांव के शुभम सिंह ने टेम्पो को रुकवाकर मुझे पुरानी बातों को लेकर गालियां देने लगे विरोध करने पर लात-घूसों व लाठी डंडों से जमकर मारा-पीटा जिससे प्रार्थी को काफी गंभीर चोटें आई मामला पुरानी रंजिश से जुड़ा है। काफी दिनों से दोनों के बीच गाली गलोज कहासुनी चल रहा था। इस सम्बन्ध में थानाध्यक्ष राकेश सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा पंजीकृत कर डॉक्टरी परीक्षण हेतु तिलोई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। जहां डॉक्टरों ने पेट में गम्भीर चोटें के कारण जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। जांच रिपोर्ट आने के पश्चात आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पॉक्सो व अन्य धाराओं के आरोपी गिरफ्तार

सुलतानपुर : पुलिस अधीक्षक निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक के मार्ग दर्शन क्षेत्राधिकारी कादीपुर के नेतृत्व में चलाये जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को अखण्ड नगर थाने पर तैनात उप निरीक्षक विनय कुमार सिंह ने हमराहियों के साथ पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं के आरोपी मो अरमान निवासी हरपुर थाना अखण्डनगर जनपद सुलतानपुर को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त पर दूसरे समुदाय के नाबालिग किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप है। अखण्ड नगर थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया जहां से जेल भेजने की कार्यवाही हुई।

स्टंटबाज की बाइक की टक्कर से वृद्ध की मौत

करौंदीकला (सुलतानपुर) : थाना क्षेत्र के मारूफपुर निवासी दूधनाथ प्रजापति (75) शुक्रवार शाम लगभग 4 बजे बांगर कला बाजार में सब्जी लेने जा रहे थे। बांगर कला पंचायत भवन के पास सड़क पार करते समय तेज रफ्तार में स्टंट करते आ रहे बाइक सवार दो युवकों ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। बाइक की टक्कर लगते ही दूधनाथ सड़क पर गिर पड़े और उनके सिर में गंभीर चोट आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं सड़क हादसे के बाद मोटर साइकिल सवार युवक मौके से फरार हो गए। हादसे की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने बुजुर्ग को एम्बुलेंस से सीएचसी करौंदीकला भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके अलावा पुलिस फरार बाइक सवारों की तलाश में जुटी है।

सुमित की मौत पर गिरफ्तारी को लेकर आक्रोश

भारी पुलिस सुरक्षा के बीच परिजनों ने किया अंतिम संस्कार, घटना के तीसरे दिन आरोपी की नहीं हुई गिरफ्तारी

संवाददाता, शुकुल बाजार (अमेठी)

विरोध-प्रदर्शन करती मृतक की मां व मौजूद ग्रामीण। अमृत विचार

कार्रवाई को लेकर परिजनों को आश्वासन देती पुलिस। अमृत विचार

अमृत विचार। थाना क्षेत्र में सुमित की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश तीसरे दिन भी शांत नहीं हुआ है। शुक्रवार को भारी पुलिस सुरक्षा के बीच सुमित का अंतिम संस्कार संपन्न कराया गया। जैसे ही शव गांव पहुंचा, माहौल शोक और गुस्से से भर उठा। बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि व विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोग अंतिम संस्कार में मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि घटना के कई दिन बीत जाने के बावजूद आरोपी अब तक गिरफ्तार नहीं हुए हैं, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। उन्होंने प्रशासन से तुरंत कड़ी कार्रवाई की मांग की और कहा कि दोषियों पर सख्त कदम उठाए बिना आंदोलन थमने वाला नहीं है। अंतिम संस्कार के दौरान माहौल तनावपूर्ण बना रहा। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए गांव व आसपास के इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा। थानाध्यक्ष विवेक वर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम लगातार गश्त करती रही और भीड़ को शांत रखने का प्रयास करती रही। परिजनों ने निष्पक्ष और तेज जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यह मामला मात्र दुर्घटना नहीं है और इसकी सच्चाई सामने आनी चाहिए। परिवार ने साफ कहा कि न्याय मिलने तक वे अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।

19 नवंबर को संदिग्ध हालत में मिला था शव: घटना 19 नवंबर 2025 की दोपहर की है। परिजनों के मुताबिक, सुमित दोपहर करीब एक बजे पैदल ही घर से निकला था। परिजनों का आरोप है कि कुछ ही देर बाद पड़ोसी राम नरेश, राकेश और राजदेई मोटरसाइकिल से उसके पीछे निकले। लगभग दो बजे सूचना मिली कि सुमित का शव गांव से करीब 500 मीटर दूर स्थित एक बाग में आम के पेड़ की डाल से प्लास्टिक की रस्सी के सहारे लटका मिला। परिजन मौके पर पहुंचे तो सुमित को पेड़ से लटका देखकर स्तब्ध रह गए। सुमित की मां माला देवी ने आरोप लगाया कि जिस प्लास्टिक की रस्सी से उसका शव लटकता मिला, वह रस्सी राम नरेश एक दिन पहले खरीदकर लाया था। उनका यह भी कहना है कि पहले भी राम नरेश ने उनके बेटे पर झूठा मुकदमा दर्ज कराया था, जिसे बाद में उसकी बेटी ने ही गलत बताया था। इसी रंजिश के चलते परिवार को सुमित की हत्या की आशंका है। परिजनों का आरोप है कि सुमित की हत्या कर इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई है।

क्या बोले जिम्मेदार

वहीं इस मामले में थानाध्यक्ष विवेक वर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज है व विवेचना जारी है। मामले के हर पहलुओं को ध्यान में रखते हैं जांच की जा रही है। जल्द आरोपी की गिरफ्तारी की जाएगी।

कार और बाइक में जोरदार टक्कर बाइक में लगी आग, धू-धूकर जली

संवाददाता, अमेठी

- मुसाफिरखाना मार्ग पर हुआ हादसा, चालक घायल

हादसे के बाद धू-धूकर जलती बाइक।

अमृत विचार। शुक्रवार को सुबह तेज रफ्तार बाइक और कार में आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गए। इस टक्कर के बाद बाइक में भीषण आग लग गई। धू-धूकर बाइक जलने से सवार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए मुसाफिरखाना सीएचसी में भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना के बाद कार सवार कार लेकर मौके से भागने में कामयाब रहे।

जानकारी के मुताबिक पूरा मामला मुंशीगंज थाना क्षेत्र के मुसाफिरखाना मार्ग स्थित सपहा गांव के पास का है। जहां आज सुबह एक बाइक सवार युवक पनियार की तरफ से मुंशीगंज की तरफ आ रहा था, जबकि एक कार मुंशीगंज से मुसाफिरखाना की तरफ जा रही थी। इसी बीच सपहा गांव के पास दोनों में आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी की मोटरसाइकिल में भीषण आग लग गई। हादसे में धू-धूकर बाइक जलने से चालक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद मौके पर पहुंची, पुलिस ने घायल युवक को इलाज के लिए एंबुलेंस की मदद से सीएचसी मुसाफिरखाना पहुंचाया। जहां उसका इलाज चल रहा है। जबकि घटना के बाद कार सवार कार लेकर मौके से भागने में कामयाब रहे।

वहीं इस मामले पर मुंशीगंज एसएचओ शिवाकांत त्रिपाठी ने बताया कि बाइक पनियार की तरफ से आ रही थी और कार मुंशीगंज से मुसाफिरखाना की तरफ जा रही थी। जहां दोनों में टक्कर हुई और बाइक में आग लग गई। घायल युवक को इलाज के लिए मुसाफिरखाना सीएचसी में भर्ती कराया गया है। घायल युवक टिकरी गांव के आसपास का है फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है।

व्यापारियों से सीसीटीवी लगवाने की अपील

संवाददाता, अमेठी

व्यापारी के साथ बैठक करते एएसपी ज्ञानेंद्र सिंह। अमृत विचार

अमृत विचार। पुलिस कार्यालय, गौरीगंज स्थित सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में जनपद के व्यापारियों के साथ एक महत्वपूर्ण सुरक्षा गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस बैठक में नगर और ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में व्यापारियों ने हिस्सा लिया और एएसपी के समक्ष अपनी विभिन्न समस्याओं को विस्तार से रखा। एएसपी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए पुलिस के विशेष अभियान ऑपरेशन_दृष्टि के तहत व्यापारियों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी अनिवार्यता सभी व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाएं। सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में व्यापारी वर्ग की सक्रिय भागीदारी बेहद अहम है।एएसपी ने उपस्थित व्यापारियों को यह भरोसा दिलाया कि पुलिस हर स्थिति में उनके साथ खड़ी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि व्यापारियों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। एएसपी ने वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रही साइबर_ठगी की घटनाओं पर भी गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने व्यापारियों को इस बढ़ते खतरे से बचने के लिए सलाह दी। कहा कि ठगी के अधिकांश मामले फोन कॉल, ओटीपी, फर्जी लिंक और ऑनलाइन व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से हो रहे हैं। किसी भी संदिग्ध लिंक या कॉल पर व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें।

बुजुर्ग महिला को दरोगा ने थाने में फटकार कर भगाया, पीड़िता ने न्याय की लगाई गुहार

संग्रामपुर (अमेठी)। थाना क्षेत्र में एक महीने पहले हुए युवक हत्याकांड में पीड़ित परिवार न्याय की गुहार लगा रहा है। अमेठी क्षेत्राधिकारी कार्यालय अमेठी पहुंचकर शुक्रवार दोपहर 1 बजे मृतक की मां रेखा देवी ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा है कि वह अतिरिक्त आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर जब थाने पहुंचीं, तो वहां तैनात दारोगा ने उन्हें डांटकर भगा दिया। रेखा देवी के अनुसार, भौसिंहपुर गांव में उनके बेटे की हत्या उस समय कर दी गई थी जब वह एक मामले में गवाह था। हत्या के कुछ दिनों बाद उसकी गवाही होनी थी। उन्होंने बताया कि घटना के बाद संग्रामपुर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है, लेकिन कई अन्य आरोपी अब भी फरार हैं जिनकी गिरफ्तारी नहीं हो रही है। पीड़िता का आरोप है कि जब वह इस संबंध में दोबारा थाने पहुंचीं, तो दारोगा राम प्रकाश यादव ने उनकी बात न सुनते हुए उन्हें फटकारकर भगा दिया। पीड़िता ने पुलिस क्षेत्राधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपकर मामले की शिकायत की है और संबंधित दारोगा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस क्षेत्राधिकारी मनोज मिश्रा ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है। वहीं, संग्रामपुर थाना अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि मामले की विवेचना जारी है।

फेमिली आईडी जरूर बनवाएं ग्रामीण

संग्रामपुर (अमेठी) अमृत विचार। शुक्रवार को खंड विकास अधिकारी संग्रामपुर ने ग्राम चौपाल के माध्यम से फेमिली आईडी बनवाने पर जोर देते हुए ग्रामीण परिवारों को फेमिली आईडी का लाभ और उद्देश्य के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि सभी परिवारों के लिए सत्यापित डेटाबेस बनाना है ताकि वे सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से पा सकें। उन्होंने फेमिली आईडी कार्ड पर विस्तार से बताया कि केंद्र व राज्य सरकार की लगभग 76 व उससे अधिक योजनाओं का लाभ सीधे और आसानी से मिलता है इन योजनाओं में प्रमुख रूप से आयुष्मान भारत, उज्ज्वला, छात्रवृत्ति और पेंशन आदि शामिल हैं। इसके साथ ही एक बार आईडी बन जाने पर विभिन्न योजनाओं के लिए बार-बार कागजात जमा करने की आवश्यकता नहीं होती है।आय ,जाति ,निवास प्रमाणपत्र जैसे दस्तावेज बनवाना आसान हो जाता है। उन्होंने बताया कि एक विश्वसनीय डेटाबेस है जिससे योजनाओं का बेहतर प्रबंधन होता है और सही पात्र भी चिन्हित हो जाते हैं। फेमिली आईडी कार्ड से बेरोजगार लोगों को रोजगार मुहैया कराने में सहायक होती है और सबसे महत्वपूर्ण काम श्री अन्न योजना में लाभ न पाने वाले परिवार लाभ लेने से वंचित होने से बचाती है।यह 12 अंकीय नंबर परिवार पहचान पत्र के रूप में होता है। इसलिए सभी परिवारों को पंचायत कार्यालय से फॉर्म लेकर फैमिली आईडी बनवा लेना चाहिए जो भविष्य के लिए हितकारी है। विकास खंड संग्रामपुर को 1791 फेमिली आईडी बनवाने का लक्ष्य दिया गया था लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मात्र 295 फेमिली आईडी बनाना बाकी है 1496 आईडी बन चुकी है।

क्षेत्र पंचायत की बैठक में गांव के विकास के लिए 3.5 करोड़ की योजनाओं पर लगी मुहर

शुकुल बाजार (अमेठी) अमृत विचार। ब्लॉक सभागार में शुक्रवार को आयोजित क्षेत्र पंचायत की बैठक में विकास कार्यों को लेकर व्यापक चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख रहमतुल निशा ने की। इस दौरान लगभग 3.5 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास योजनाओं को मंजूरी दी गई, जिनमें सड़क निर्माण, पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ीकरण, स्वच्छता एवं अन्य आधारभूत ढांचा विकास शामिल हैं। बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों में हो रही लापरवाही का मुद्दा प्रमुखता से उठा। जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों पर समय से काम न करने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि जल्द सुधार नहीं हुआ तो कार्रवाई की मांग उठाई जाएगी। बैठक में मौजूद जल जीवन मिशन के जूनियर इंजीनियर प्रशांत श्रीवास्तव को जनप्रतिनिधियों की कड़ी फटकार का सामना करना पड़ा। श्रीवास्तव ने बताया कि विकासखंड में 671 किलोमीटर के लक्ष्य के मुकाबले 630 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है। उन्होंने यह भी दावा किया कि लगभग 60 प्रतिशत ग्राम पंचायतों में पानी की आपूर्ति शुरू हो गई है। हालांकि, उनके बयान पर जनप्रतिनिधियों ने तत्काल विरोध जताते हुए कार्यशैली को पूरी तरह विफल करार दिया। इसी तरह बीएलओ द्वारा एसआईआर फॉर्म न बांटे जाने पर भी नाराजगी जताई गई। बैठक में सदस्यों ने कहा कि इससे मतदाता सूची सुधार कार्य प्रभावित हो रहा है। बैठक में उस समय नाराजगी और बढ़ गई जब विद्युत विभाग का कोई भी अधिकारी उपस्थित नहीं हुआ। प्रतिनिधियों ने इसे गंभीर लापरवाही बताते हुए विरोध दर्ज कराया और विभागीय अधिकारियों को अगली बैठक में अनिवार्य रूप से बुलाने की मांग की। इस महत्वपूर्ण बैठक में भाजपा विधायक सुरेश पासी और एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह भी मौजूद रहे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने विकास कार्यों की निगरानी तेज करने और जनता की समस्याओं के त्वरित निस्तारण पर जोर दिया। इस मौके पर बीडीओ अंजली सरोज व समस्त प्रधान क्षेत्र पंचायत सदस्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

क्षेत्र पंचायत की बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधि।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति से वंचित छात्रों के लिए संशोधित समय-सारिणी निर्धारित

संवाददाता, रायबरेली

- छात्रों द्वारा रजिस्ट्रेशन/ऑनलाइन आवेदन करने व संस्थान द्वारा मास्टर डाटा लॉक करने की तिथि 20 से 26 नवम्बर तक

अमृत विचार। जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत वंचित समस्त वर्गो के छात्रों के लिए पोर्टल खोले जाने के लिए संशोधित समय सारिणी निर्गत की गई है। उन्होंने बताया कि संशोधित समय सारिणी के अनुसार संस्थान द्वारा मास्टर डाटा लॉक करना (कक्षा 11-12 को छोड़कर) की तिथि 20 नवम्बर से 26 नवम्बर निर्धारित की गई है। इसी प्रकार विश्वविद्यालय/एफ़िलिएटिंग एजेंसी द्वारा फीस आदि का सत्यापन की तिथि एक दिसम्बर तक है। जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा फीस का सत्यापन की तिथि चार दिसम्बर निर्धारित की गई है।

जिला समाज कल्याण अधिकारी ने छात्र स्तर से ऑनलाइन आवेदन/भुगतान आदि की प्रक्रिया के बारे में बताया है कि छात्रों द्वारा रजिस्ट्रेशन/ऑनलाइन आवेदन की तिथि 20 नवम्बर से 26 नवम्बर 2025 तक है। छात्रों द्वारा फाइनल प्रिंट आउट निकालना की तिथि 28 नवम्बर तक हार्ड कापी को छात्रों द्वारा वांछित संलग्नको सहित शिक्षण संस्थान में जमा करने की तिथि 29 नवम्बर 2025 तक है। शिक्षण संस्थान द्वारा आवेदन पत्र को ऑनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित करने की तिथि 03 दिसम्बर 2025 तक है। विश्वविद्यालय/एफ़िलिएटिंग एजेंसी द्वारा वास्तविक छात्रों का सत्यापन व अपात्र छात्र, पाठ्यक्रम व संस्था को ब्लाक करना की तिथि 04 दिसम्बर से 09 दिसम्बर तक है। त्रुटिपूर्ण आवेदन को छात्रों के स्तर से सही करने की तिथि 11 से 18 दिसंबर तक है। छात्रों द्वारा सही आवेदन संस्था में जमा करना एवं संस्था द्वारा पुनः अग्रसारित करना की तिथि 16 से 20 दिसंबर तक है। जनपदीय समिति द्वारा डाटा लॉक करना की तिथि 16 दिसंबर 2025 से पांच जनवरी 2026 तक निर्धारित की गयी है।

सिटी डायरी

हिंदू जागृत अभियान में घर-घर जाएंगे स्वयं सेवक

भारत माता चित्र के साथ मौजूद छात्र-छात्राएं और शिक्षक गण।

सरेनी (रायबरेली) अमृत विचार। संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में व्यापक घर संपर्क अभियान की शुरुआत हुई है, जो 21 दिसंबर तक चलाया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वयंसेवकों द्वारा घर-घर पहुंचकर भारत माता का चित्र भेंट करना और लोगों को हिंदू जागृत अभियान से जोड़ना है। शुक्रवार को सरेनी स्थित एसएम सिंह विद्यालय में सुबह नौ बजे से 12 बजे तक बच्चों को भारत माता का चित्र देकर व्यापक घर संपर्क अभियान संचालित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के व्यवस्थापक अंजय सिंह और प्रधानाचार्य मंजय सिंह का विशेष योगदान रहा। अभियान का संचालन खंड कार्यवाह नीरज सिंह की अगुवाई में हुआ। इस अवसर पर जितेंद्र, महेंद्र, अजय, सावित्री आदि उपस्थित रहे।

जिले का गौरव बढ़ाने वाले युवराज सिंह और सिद्धार्थ सिंह।

युवराज और सिद्धार्थ ने बढ़ाई शान

सरेनी (रायबरेली)। आदर्श वॉलीबॉल क्लब कहिंजर के दो खिलाड़ियों ने नेशनल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। क्षेत्र के युवा खिलाड़ी युवराज सिंह और सिद्धार्थ सिंह जो क्रमश स्पोर्ट्स कॉलेज गोरखपुर व स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है। उत्तर प्रदेश के बरेली शहर में आयोजित अंडर 17 बालक व बालिका स्कूल नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश की टीम से प्रतिभाग किया। दोनों खिलाड़ियों ने उत्तर प्रदेश की टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। युवराज सिंह कहिंजर निवासी हरिवंश सिंह के पौत्र है। पिछले वर्ष उड़ीसा में आयोजित स्कूल नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश को गोल्ड मेडल दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। सिद्धार्थ सिंह देवपुर ग्राम प्रधान विष्णु प्रताप सिंह के भतीजे है।

राजकीय बीज भंडार में पसरा सन्नाटा।

गेहूं का बीज सप्ताह भर से गायब

संग्रामपुर (अमेठी)। अमेठी जिले के विकासखंड संग्रामपुर क्षेत्र स्थित राजकीय बीज भंडार टेंगहा में पिछले एक सप्ताह से गेहूं का बीज उपलब्ध नहीं है। बीज की अनुपलब्धता के कारण क्षेत्रीय किसान मजबूरन निजी दुकानों से 80 से 90 रुपये प्रति किलोग्राम की ऊँची कीमत पर बीज खरीदने को विवश हैं।किसानों का कहना है कि खेतों की नमी न चली जाए और बुवाई में देरी न हो, इसलिए उन्हें मनमाने दामों पर निजी दुकानों से बीज लेना पड़ रहा है। वहीं सहायक कृषि अधिकारी संग्रामपुर चंद्रशेखर प्रसाद उपाध्याय ने बताया कि विगत दिनों लगभग 1200 बीघे की बुवाई के लिए गेहूं के बीज ले जा चुके हैं इसके चलते स्टॉक खत्म हो गया है।

विद्यालय में जांच करती पुलिस। अमृत विचार

विद्यालय पहुंची पुलिस, जमकर हंगामा

महराजगंज (रायबरेली)। कंपोजिट विद्यालय जमुरावां में उस समय हड़कंप मच गया, जब अनुचर ने शुक्रवार दोपहर अकारण डायल पुलिस बुलाकर बखेड़ा खड़ा कर दिया। इससे करीब दो घंटे शिक्षण कार्य बाधित रहा। वही छात्रों में भी भय का माहौल रहा। स्कूल में डायल पुलिस के पहुंचते ही ग्रामीणों का मजमा लग गया। इस दौरान पुलिस द्वारा पूछताछ में पता चला कि स्कूल के अनुचर परिसर में ही पान मसाला खाकर इधर उधर थूक देते हैं। साथ ही स्कूल की साफ सफाई न करके मनमानी व कार्यों में लापरवाही करते है। स्कूल के प्रधानाध्यापक छोटेलाल ने बताया कि संजीव ड्यूटी पर रहकर कार्य नहीं करता है। वह उल्टे रौब झाड़ते हुए कहता है कि मुझे कार्य करने की विभाग द्वारा कोई ट्रेनिंग नहीं दी गई है। मृतक आश्रित में चयन करके हमें नौकरी दी गई है। मैं सिर्फ विद्यालय में घंटी बजाने का ही कार्य करूंगा। वहीं ग्रामीणों के अनुसार अनुचर संजीव कुमार का व्यवहार बहुत ही खराब है। प्रधानाध्यापक ने बताया है कि खंड शिक्षा अधिकारी को लिखित शिकायत भेजी जा चुकी है, किंतु कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

आयोजन

बिरसा संदेश यात्रा का जनपद आगमन पर विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा कर किया गया स्वागत

भगवान बिरसा गरीब और मजलूमों के मसीहा

संवाददाता, रायबरेली

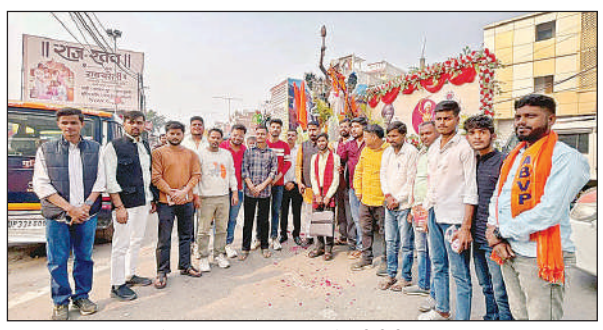

भगवान बिरसा मुंडा संदेश यात्रा का स्वागत करते एबीवीपी कार्यकर्ता। अमृत विचार

भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते भाजपा नेता।

अमृत विचार। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा आयोजित भगवान बिरसा संदेश यात्रा (15 से 27 नवम्बर) झारखण्ड से उत्तराखंड की यात्रा शुक्रवार को रायबरेली जनपद पहुंची। जनपद आगमन पर यात्रा की विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा और माल्यार्पण के साथ स्वागत किया गया। त्रिपुला चौराहे पर भाजपा नेता शिवेन्द्र सिंह, अभिषेक वर्मा सहित सैकड़ों लोगों ने यात्रा का स्वागत कर पुष्पवर्षा की। भाजपा नेताओं ने कहा कि भगवान बिरसा गरीबों और मजलूमों के मसीहा थे। उन्होंने जल, जंगल और जमीन बचाने के लिए संघर्ष किया। संस्कृति बचाने और अधिकारों के लिए सदैव आवाज उठाई। इस अवसर पर देवेंद्र सिंह, विजय सोनकर, सोनू सिंह, संतोष सिंह, पंकज सिंह, मोहित सिंह अनुराग वर्मा सहित भगवान बिरसा मुंडा के मूर्ति पर श्रद्धा सुमनअर्पित किया। यात्रा का प्रमुख रूप से गोल चौराहा, त्रिपुला चौराहा, गंगागंज, हरचंदपुर स्थान पर पुष्प वर्षा की गई।

भगवान बिरसा मुंडा संदेश यात्रा का किया स्वागत, बछरावां: स्वतंत्रता संग्राम एवं जनजातीय गौरव के प्रतीक भगवान बिरसा मुंडा के जन्म के 150वी वर्षगांठ पर झारखंड के खूंटी जिले में स्थित भगवान बिरसा की जन्मस्थली 'उलिहातू' से अमन, चैन, शांति एवं एकता का संदेश लेकर निकली संदेश यात्रा का शुक्रवार दोपहर कस्बे के मुख्य चौराहे पर पहुंची। यहां पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। यह यात्रा 27 नवंबर को देहरादून उत्तराखंड में समाप्त होगी। विदित हो कि अंग्रेजों के खिलाफ भारत के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी समाज का नेतृत्व कर अहम भूमिका निभाने वाले भगवान बिरसा मुंडा को झारखंड में बिरसाइत धर्म के प्रतिपादन पर भगवान की उपाधि से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अर्नव अवस्थी नगर मंत्री, इशांत वर्मा सहमंत्री, दिव्यांशु जायसवाल, मुदित सिंह, अभिषेक चौधरी, पुण्डरीक त्रिवेदी, सोनू सिंह, भास्कर मिश्रा, सूर्यांश मिश्रा, आराध्य बाजपेई आदि उपस्थित रहे।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 22 नवंबर 2025

रायबरेली

न्यूज ब्रीफ

किसान ने वनकर्मियों पर अभद्रता का आरोप लगाया

सरेनी : वैवाहिक कार्यक्रम के लिए सूखे आम का पेड़ कटवा रहे किसान ने वनकर्मियों पर अभद्रता का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। थाना क्षेत्र के पूरे गणेशी मजरे बिमौरा गांव के रहने वाले चंद्रप्रकाश द्विवेदी वैवाहिक कार्यक्रम के लिए सूखे आम का पेड़ कटवा रहे थे। आरोप है कि तभी वनकर्मी मौके पर पहुंचे और किसान के साथ अभद्रता कर एक लोडर लकड़ी व कटिंग मशीन उठा ले गए। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। उधर वनकर्मी आशीष कुमार का कहना है कि किसान ने सूखा आम का पेड़ काटा था। सात हजार रुपये जुर्माना किया गया है। अभद्रता आदि के आरोप बेबुनियाद हैं।

बाइक और साइकिल में भिड़ंत, दो घायल

जगतपुर : थाना क्षेत्र के माधवपुर के पास बाइक और साइकिल में भिड़ंत हो गई। इसमें बाइक और साइकिल चालक घायल हो गए। शुक्रवार को प्रेमदास टिक्का आश्रम से साइकिल से मधवापुर की तरफ जा रहे थे। तभी बाइक चालक ने बुजुर्ग की साइकिल में टक्कर मार दी। इसमें बाइक चालक आशीष निवासी सेमान सिंह व साइकिल चालक सड़क पर गिर गए। स्थानीय लोगों ने जगतपुर सीएचसी में भर्ती करवाया। सीएचसी के चिकित्सक लइक अहमद ने बताया कि दो लोग घायल अवस्था में आए थे। दोनों का उपचार किया जा रहा है।

भैंस बांधने के विवाद में मारपीट, 4 नामजद

महराजगंज : कोतवाली क्षेत्र के पूरे मचाल मजरे सारीपुर गांव में भैंस बांधने के विवाद को लेकर मारपीट की घटना सामने आई है। घटना 20 नवंबर की सुबह की है। पीड़िता कुसुम पत्नी राजेश निवासी पूरे मचाल मजरे सारीपुर ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि पारुल पुत्री रामफेर, खुशी पुत्री रामफेर, प्रज्ञा पुत्री रामफेर और ऊषा पत्नी रामफेर ने उनसे मारपीट की। मामले में कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव का कहना है कि चार लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

डॉक्टर बनकर आदित्य ने क्षेत्र का नाम किया रोशन

शिवगढ़ : क्षेत्र के बैंती गांव के रहने वाले आदित्य कुमार जायसवाल ने डॉक्टर की डिग्री हासिल कर गांव ही नहीं पूरे क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया है। एक साधारण परिवार में जन्मे आदित्य की शुरुआती शिक्षा सरस्वती शिशु मंदिर और श्री शिवकुमार त्रिवेदी कैरियर प्लस इंटर कॉलेज शिवगढ़ में हुई। आदित्य ने हाईस्कूल व इंटर की पढ़ाई गोपाल सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल रायबरेली से पूरी करने के बाद उनके मन में डॉक्टर बनने की इच्छा प्रबल हुई। कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने अलीगढ़ विश्वविद्यालय से चिकित्सीय पढ़ाई करके परिवार और क्षेत्र को गौरवान्वित कर दिया। आदित्य के पिता सुरेश जायसवाल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यवाह रह चुके हैं। कभी आर्थिक रूप से बेहद कठिन परिस्थितियों से गुजरे परिवार ने बच्चों की पढ़ाई में कोई कमी नहीं आने दी। स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, पूर्व एमएलसी राजा राकेश प्रताप सिंह, विनय वर्मा, डॉ.पूनम शर्मा, डॉ.विजय वर्मा आदि ने बधाई दी हैं।

छेड़छाड़ में दोषी को पांच वर्ष का कठोर कारावास

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। कोर्ट ने ऊंचाहार थाना क्षेत्र से जुड़े नौ वर्षीया बालिका से छेड़छाड़ के अपराध में दोषी पाए जाने पर आरोपी को पॉक्सो एक्ट में पांच वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही कोर्ट ने 11 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया है। यह फैसला जिला एवं सत्र न्यायालय स्थित पॉक्सो कोर्ट प्रथम के विशेष न्यायाधीश राम नेत ने सुनाया।

अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी करने वाले विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो एक्ट) योगेश चंद्र मिश्रा, लक्ष्मी शंकर श्रीवास्तव व आलोक कुमार त्रिपाठी के मुताबिक मामले की रिपोर्ट पीड़िता के पिता ने 17 नवंबर 2014 को थाना ऊंचाहार में दर्ज कराई थी। विवेचना के बाद पुलिस ने ऊंचाहार थाना क्षेत्र के सांवापुर नेवादा निवासी सुधीर कुमार के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर दोषी को कैद व अर्थदंड की सजा सुनाई।

निजी बस और ट्रक में टक्कर, चालक समेत 10 लोग घायल

संवाददाता, बछरावां (रायबरेली)

- बछरावां-मौरावा मार्ग पर मदाखेड़ा गांव के पास हुआ हादसा

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के अंतर्गत बछरावां-मौरावा मार्ग पर मदाखेड़ा गांव के पास बृहस्पतिवार की देर रात निजी डबल डेकर बस और ट्रक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इसमें बस के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। वहीं उक्त हादसे में चालक समेत दस लोग घायल हो गए।

बछरावां से दिल्ली जा रही निजी बस सर्विस की एक डबल डेकर बस जैसे ही उक्त मार्ग पर मदाखेड़ा गांव के पास पहुंची, तभी सामने से आ रहे ट्रक की उससे जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं बस चालक अपने केबिन में फंस गया। घटना की सूचना पर पहुंचे सैकड़ो ग्रामीणों के द्वारा तत्काल बस चालक को केबिन से बाहर निकाला गया। वहीं इस घटना में गंभीर रूप से घायल बस चालक व एक अन्य यात्री का पास में ही स्थित निजी अस्पताल में इलाज कराया गया है। वही उक्त हादसे में आधा दर्जन यात्रियों को मामूली चोटे आई हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक बस में लगभग 100 सवारियां मौजूद थी। बस बछरावां से दिल्ली जा रही थी। घटना की सूचना पाकर मौके

हादसे के बाद खड़े क्षतिग्रस्त वाहन।

पर मय पुलिस बल के साथ पहुंचे थाना प्रभारी बछरावां राजीव सिंह ने तत्परता दिखाते हुए बस संचालक के द्वारा दूसरी बस मंगवाकर उक्त यात्रियों को उनके गंतव्य के लिए रवाना कराया। साथ ही साथ मार्ग पर लगे जाम को खुलवाकर आवागमन फिर से शुरू कराया गया है।

सख्ती के बावजूद बसों का अवैध संचालन: सरकार की सख्ती के बावजूद बसों का अवैध संचालन नहीं थम रहा। स्थानीय लोगों की माने तो बस में क्षमता से अधिक लोग सवार थे। पुलिस की ओर से भी कार्रवाई को लेकर कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई गई।

बाइक सवार ने छात्रा को मारी टक्कर, मौत

संवाददाता, रायबरेली, अमृत विचार। नशे में धुत मोटरसाइकिल सवार ने ट्यूशन पढ़कर साइकिल से वापस घर लौट रही छात्रा को टक्कर मार दी। इससे छात्रा की मौत हो गई। डीह थाना क्षेत्र के मधुकरपुर निवासी राम मिलन यादव की 14 वर्षीय पुत्री पलक यादव मॉडर्न पब्लिक स्कूल में कक्षा नौ की छात्रा है। वह स्कूल से वापस आकर परशदेपुर के एनएच पब्लिक स्कूल में ट्यूशन पढ़कर साइकिल से घर जा रही थी। तभी महेशपुर के पास नशे में धुत मोटरसाइकिल चालक ने उसे टक्कर मार दी, जिससे छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे सलोन के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मोटरसाइकिल चालक प्रतापगढ़ जनपद के उदयपुर थाना क्षेत्र के बड़हुआ निवासी मुकेश सरोज को पुलिस ने मोटरसाइकिल सहित हिरासत में ले लिया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक मोटरसाइकिल पर तीन लोग सवार थे। बाकी दोनों लोग भाग गए। चौकी इंचार्ज मोहित शर्मा ने बताया कि चालक नशे में था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

एसआईआर से घबड़ाने की जरूरत नहीं: डीएम

एसआईआर को लेकर जनप्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में जिलाधिकारी ने कहा-इससे आएगी पारदर्शिता

कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन में एसआईआर की जानकारी देतीं डीएम हर्षिता माथुर।

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। एसआईआर को लेकर विरोधी दलों द्वारा लगातार दुष्प्रचार किया जा रहा है। वहीं कई लोगों द्वारा तमाम समस्याएं गिनाई जा रही है। ऐसे में प्रशासन सतर्क हो गया है। शुक्रवार को जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की। इस दौरान उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जनपद में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया की प्रगति, दिशा-निर्देशों और कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही सभी प्रतिनिधियों से मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने में सहयोग की अपील करते हुए समस्याओं के निराकरण एवं सुझावों पर भी चर्चा की। कहा कि एसआईआर से घबड़ाने की जरूरत नहीं है। इससे मतदाता सूची में पारदर्शिता आएगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि बीएलओ द्वारा चार नवम्बर से गणना प्रपत्र के वितरण का कार्य शुरु किया गया था। चार दिसंबर तक मतदाताओं से गणना प्रपत्र भरवाकर जमा किया जाना है। नौ दिसंबर को मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन किया जाएगा। इसके बाद नौ दिसंबर 2025 से आठ जनवरी 2026 तक प्राप्त दावें एवं आपत्तियों पर सुनवाई के बाद सात फरवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। ऑनलाइन माध्यम से भी लोगों को गणना प्रपत्र भरने की सुविधा दी गई है। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिला मजिस्ट्रेट सिद्धार्थ, डिप्टी कलेक्टर अभिषेक वर्मा, प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी फिरोज अहमद आदि उपस्थित रहे।

एसडीएम ने सेक्टर और बूथों का किया निरीक्षण

सलोन, रायबरेली, अमृत विचार। तहसील क्षेत्र में चल रहे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के तहत उपजिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश गौतम ने शुक्रवार को विभिन्न सेक्टरों और बूथों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बूथ अध्यक्ष, बीएलओ, कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लेते हुए नई प्रविष्टियों, त्रुटि सुधार तथा मतदाता सूची के शुद्धिकरण पर विस्तृत चर्चा की।उपजिलाधिकारी ने कहा कि मतदाता अपने गणना प्रपत्र भरकर संबंधित बीएलओ को समय से सौंपें ताकि एसआईआर की प्रक्रिया निर्धारित समय में पूर्ण की जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन मतदाताओं के नाम कस्बे या गांव के अलग-अलग बूथों पर दर्ज हैं, वे केवल एक ही बूथ पर अपना प्रपत्र जमा करें, जिससे शुद्ध और स्वच्छ मतदाता सूची तैयार की जा सके।उन्होंने मतदाताओं से अपील की है कि वे अपने बूथ के बीएलओ से गणना प्रपत्र प्राप्त कर उसे भरकर वापस सौंपें। यह निर्वाचन आयोग का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, जिसमें हर मतदाता का सहयोग आवश्यक है। साथ ही एसडीएम ने एसआईआर कार्य में जुटे बीएलओ को निर्देशित किया कि वे अपना कार्य शीघ्रता से पूर्ण करें और किसी भी मतदाता से प्रपत्र न मिलने की शिकायत प्राप्त न हो। लापरवाही बरतने वाले बीएलओ पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। उपजिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि सभी लेवल अधिकारी बीएलओ एप पर डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया चार दिसंबर से पहले पूरा करें। वहीं खंड विकास अधिकारी, सीडीपीओ, एबीएसए, ईओ, चिकित्साधिकारी सहित संबंधित विभागों को भी चार दिसंबर से पहले कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए हैं।

आरएसएस सह प्रांत प्रचारक ने प्रबुद्ध लोगों से किया जनसंपर्क

संवाददाता, लालगंज, रायबरेली

अमृत विचार। विशेष संपर्क अभियान के तहत अवध प्रांत के सह प्रांत प्रचारक संजय ने लालगंज जिले के कई खंडों में प्रवास किया और प्रबुद्ध लोगों से संपर्क कर संघ शताब्दी वर्ष के बाबत चर्चा की। उन्होंने प्रबुद्ध जनों से मिलकर बताया कि आरएसएस अपने शताब्दी वर्ष पर एक व्यापक घर-घर संपर्क अभियान चला रहा है, जिसका उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक पहुंचना और संगठन के विचारों को फैलाना है।

इस अभियान के तहत प्रचारक घर-घर जाकर लोगों से व्यक्तिगत संपर्क स्थापित कर रहे हैं और संघ की 100 साल की यात्रा और उसके मूल सिद्धांतों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्य जैसे पांच महत्वपूर्ण क्षेत्रों में परिवर्तन लाना हं। जिला प्रचारक अजीत, जिला कार्यवाह अनंत ने कहा कि इस अभियान के माध्यम सेसशक्त भारत के निर्माण में योगदान देने की उम्मीद करता है। अपने प्रवास में सह प्रांत प्रचारक ने पूर्व मंत्री मनोज पांडे, एमसीएफ के जीएम, एनटीपीसी और सीआईएसएफ के अधिकारियों के साथ-साथ शिक्षकों, व्यापारियों से भी संपर्क किया और उन्हें संघ साहित्य भी प्रदान किया। इस जिला संघ चालक रामचरन, जिला सह संघचालक इंद्र कुमार शर्मा, जिला संपर्क प्रमुख अनुराग, जिला सह संपर्क प्रमुख अतुल त्रिपाठी रहे।

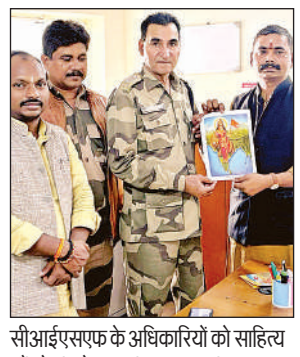

सीआईएसएफ के अधिकारियों को साहित्य सौंपते संघ के सह प्रांत प्रचारक संजय।

गुपचुप संचालित मिला डायग्नोस्टिक सेंटर, एसीएमओ ने किया सीज

लालगंज (रायबरेली) अमृत विचार। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंबिका प्रसाद ने अनियमितताओं को लेकर लालगंज नगर के गोविंदपुर वलौली में स्थित लालगंज हाइटेक डायग्नोस्टिक सेंटर की अल्ट्रासाउंड मशीन को सीज कर दिया है। डॉ. अंबिका प्रसाद ने बताया कि केंद्र को केवल महिलाओं के अल्ट्रासाउंड का लाइसेंस था, लेकिन शिकायत मिली थी कि यहां पर पुरुषों का भी अल्ट्रासाउंड होता है, जिसके चलते जांच चल रही थी। जांच में मामला सही पाया गया और शुक्रवार को केंद्र की भी जांच की गई। जांच के बाद अल्ट्रासाउंड मशीन को सीज किया गया है। हालांकि अल्ट्रासाउंड सेंटर के बाहर लगे बोर्ड में सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड, पैथोलॉजी और एक्सरे आदि के कार्य का होना दर्शाया गया है। लोगों के द्वारा इसके पहले भी तहसील दिवस में भी अल्ट्रासाउंड सेंटर की शिकायत की गई थी। तमाम शिकायतों के बाद अब अल्ट्रासाऊंड मशीन को सीज किया गया है, लेकिन डायग्नोस्टिक सेंटर को न सीज करके महज खानापूरी का कार्य किया गया है। आखिरकार बिना सोनोलाजिस्ट के अल्ट्रासाउंड कैसे होता था। वही डॉ. अंबिका प्रसाद ने यह भी बताया कि वह सारी रिपोर्ट सीएमओ को देंगे। उसके बाद अन्य कार्यवाही होगी। एसीएमओ द्वारा गुपचुप तरीके से की गई कार्रवाई पर भारतीय जनता पार्टी के विधानसभा संयोजक सुशील शुक्ला और शिवम गुप्ता ने उंगली उठाई है। कहा है कि संपूर्ण डायग्नोस्टिक सेंटर को सीज किया जाए। यहां पर सही ढंग से कार्य नहीं होता है। इस अवसर पर लालगंज सरकारी अस्पताल के प्रभारी अधीक्षक डॉक्टर अमल पटेल भी मौजूद रहे।

ट्रिपल एस व स्टार क्रिकेट अकादमी को मिली जीत

बछरावां (रायबरेली) अमृत विचार। मिनी ग्रामीण स्टेडियम में द्वितीय बछरावां प्रीमियर लीग क्रिकेट सीजन दो के पहले दिन के लीग मैच खेले गए। निर्धारित 20 ओवर के मैच में टीम ट्रिपल एस, बाबा मोटेश्वर, रक्षक 11 आरसीसीपीएल, स्टार क्रिकेट अकादमी ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का उद्घाटन नगर के अध्यक्ष राम जी ने किया। पहला मैच ट्रिपल एस और बाबा मोटेश्वर के बीच खेला गया। इसमें आशु तिवारी की तूफानी बल्लेबाजी 50 रनो की बदौलत ट्रिपल एस ने जीत दर्ज की। वहीं दूसरे मैच में रक्षक इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए स्टार क्रिकेट अकादमी को 121 रनों का लक्ष्य दिया। लक्ष्य पीछा करने उतरी स्टार क्रिकेट अकादमी ने आखिरी ओवर में चार गेंद शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया। तक्षक श्रीवास्तव की तूफानी बल्लेबाजी की वजह से उन्हें मैन ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। मैच के अंपायर अरविंद कुमार, नरेंद्र शुक्ला रहे। प्रतियोगिता के आयोजक अभिषेक मिश्रा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

दस लाख से बनेगी डिजिटल लाइब्रेरी बजट को मिली मंजूरी

लालगंज (रायबरेली)। छात्र/छात्राओं को गुणवत्तापरक नई तकनीकी से शिक्षा प्राप्त हो, पठन-पाठन के लिए किताबों का अभाव न हो, साथ ही बेहतर शिक्षा से छात्रों का सर्वांगीण विकास हो। कुछ इसी मंशा से डिजिटल लाइब्रेरी का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए एमएलसी कोटे से दस लाख रुपये की मंजूरी मिली गई। बैसवारा इंटर कॉलेज के प्रबन्धक लाल देवेन्द्र बहादुर सिंह ने शिक्षा के उन्नयन और छात्रों के विकास के लिए सदैव समर्पित सभापति विधान परिषद कुँवर मानवेन्द्र सिंह से विद्यालय में डिजिटल लाइब्रेरी के लिए पत्र के माध्यम से सहयोग राशि की अनुशंसा की। एमएलसी ने कॉलेज की जरूरतों को देखते हुए 10 लाख रुपये की सहयोग राशि संस्था को शीघ्र प्रदान करने की स्वीकृति दी है। उक्त धनराशि उपप्रबन्धक ब्रह्मप्रकाश सिंह के अथक प्रयासों से प्राप्त हुई है। वहीं प्रधानाचार्य डॉ. नरेन्द्र सिंह, अशोक सिंह, अवनेन्द्र सिंह, सुनील सिंह, रवीन्द्र सिंह, बीएन विश्वकर्मा, पीके गुप्ता, सन्तोष सिंह, भवानी प्रसाद श्रीवास्तव, जितेन्द्र मौर्य, अतिदेव पाण्डेय, सीमा वर्मा, सरिता, प्रियांशी आदि ने खुशी जताई है।

दौड़ में योगेश और शिवानी ने मारी बाजी

ब्लॉक स्तरीय सांसद खेल महोत्सव में लंबी कूद में प्रतिभाग करता खिलाड़ी।

खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ी और अतिथिगण।

संवाददाता, महराजगंज, (रायबरेली)

प्रतियोगिता

अमृत विचार। ग्रामीण स्टेडियम सलेथू में शुक्रवार को सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें क्षेत्र की मऊगर्वी, कोटवा मोहम्दाबाद, हरदोई, हलोर, कोटवा मदनिया, कैर सहित सभी आठ न्याय पंचायत के बच्चों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

ब्लाक स्तरीय सांसद खेल महोत्सव में कबड्डी, दौड़, रस्साकशी, लंबी कूद , ऊंची कूद जैसी विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। 100 मीटर सीनियर बालक में योगेश कुमार, बालिका में शिवानी अव्वल रही। वही सीनियर बालक वालीबाल प्रतियोगिता में कुशमहुरा, बालिका कबड्डी में जनई की टीम ने बाजी मारी। इसके अलावा गोला फेंक के जूनियर वर्ग में सुभाष, सीनियर वर्ग में राम केस, लम्बीकूद सब जूनियर वर्ग में अंकिता ने पहला स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं को खंड विकास अधिकारी वर्षा सिंह ने उनके बेहतर प्रदर्शन के लिए उन्हें मेडल व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया है। यहां प्रधान सुनीता साहू, युवा कल्याण अधिकारी कुलदीप सिंह, खेल अनुदेशक सुरेश कुमार, इंद्र कुमार, पवन कुमार, अम्बुज पटेल, आशीष कुमार, रेखा मौर्य आदि रहीं।

बीडीओ ने विजेता खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत, रायबरेली: सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत विकास खंड स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन राना बेनी माधव विद्यालय मंचितपुर खेल मैदान में किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ खंड विकास अधिकारी संदीप सिंह, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अंजू यादव, सहायक विकास अधिकारी राजन सिंह द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा का माल्यार्पण कर किया गया। प्रतियोगिता में विकास खंड अमावा की न्याय पंचायत के विजेता खिलाड़ियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। सब जूनियर बालिका वर्ग खो खो में पहरेमऊ विजेता, पहाड़पुर उपविजेता, बालक वर्ग में रसेहता विजेता, अमावा उपविजेता रही। वॉलीबॉल जूनियर बालक वर्ग में अमावां विजेता, पहाड़पुर उपविजेता, सीनियर वर्ग में अमावां विजेता, कोडरस बुजुर्ग उपविजेता, कबड्डी जूनियर बालक वर्ग में सिधौना विजेता, अमावां उपविजेता, कबड्डी सीनियर बालक में अमावां विजेता, दाऊद नगर उपविजेता रहे। लंबी कूद सब जूनियर बालिका वर्ग ऊषा प्रथम, पूजा द्वितीय, नेहा तृतीय, लंबी कूद जूनियर बालिका वर्ग में रोली प्रथम, शिवी द्वितीय, आंशिक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर दौड़ सब जूनियर बालक वर्ग में राम नारायण प्रथम, अक्षत द्वितीय, शिवा तृतीय, सीनियर वर्ग में असलम प्रथम, अनुज द्वितीय, शिवेंद्र तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता खिलाड़ियों को खंड विकास अधिकारी संदीप सिंह, युवा कल्याण अधिकारी अंजू यादव द्वारा मेडल पहना कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर अरुण तिवारी, वीरेंद्र, रणविजय, ऊषा, अशोक, नीरज, पवन, संदीप, आशीष रहे।

आयोजन सीडीओ ने तुरंत निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया

मुख्य विकास अधिकारी ने चौपाल लगाकर ग्रामीणों की सुनीं समस्याएं

संवाददाता, अमावां (रायबरेली)

कोड़रस बुजुर्ग गांव में लोगों की समस्याएं सुनतीं सीडीओ अंजूलता व अन्य।

अमृत विचार। शुक्रवार को विकास क्षेत्र के कोड़रस बुजुर्ग गांव में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा ग्राम चौपाल का आयोजन कराया गया। चौपाल का आयोजन गांव की परिषदीय विद्यालय में कराया गया, जहां ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं गईं। सीडीओ ने तुरंत निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

विकास क्षेत्र के कोड़रस बुजुर्ग गांव में आयोजित ग्राम चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों के बीच गांव में संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं पेंशन योजना राशन कार्ड योजना किसान सम्मान निधि से संबंधित लाभार्थियों की सूची ग्रामीणों के समक्ष प्रस्तुत की गई। किसान सम्मान निधि पेंशन योजना के लाभार्थियों की शिकायत का त्वरित निस्तारण करने के लिए सीडीओ द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। चौपाल में सिंचाई विभाग, ग्राम विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, गोवा आईसीडीएस विभाग सहित अन्य कई विभागों की अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। इनसे जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिए सीडीओ ने निर्देशित किया।

चौपाल कार्यक्रम के बाद सीडीओ ने प्राथमिक व उच्च प्राथमिक दोनों विद्यालयों का निरीक्षण किया। गांव में बने आरआरसी सेंटर को तुरंत क्रियाशील करने के लिए सीडीओ संदीप सिंह को निर्देशित किया। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा जल जीवन मिशन द्वारा बनाई गई पाइप लाइन में पानी नहीं आने की शिकायत की गई, जिसके निस्तारण के लिए संबंधित कर्मचारियों को सीडीओ ने निर्देशित किया। इसके बाद त्रिपुला चौराहे के पास स्थित कान्हा गौशाला पहुंची। सीडीओ ने गायों की देखरेख ठंड से बचाव के अलावा चारे पानी के प्रबंध का बारीकी से जायजा लिया और व्यवस्था को और दुरुस्त बनाने के लिए कर्मचारियों को निर्देशित किया। इस मौके पर बीडीओ संदीप सिंह, प्रमोद सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी रिचा सिंह रहीं।

डीएम ने निर्माणाधीन मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय का किया निरीक्षण

संवाददाता, रायबरेली, अमृत विचार। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने राही विकास खण्ड के निर्माणाधीन मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय बेला-भेला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियन्ता को प्रयोग में लायी जा रही सामग्री का लैब परीक्षण कराये जाने के निर्देश दिए। उक्त निर्माणाधीन विद्यालय का भूमि पूजन 20 जून में किया गया था। इस विद्यालय में प्री-प्राइमरी से कक्षा 12 तक की शिक्षा प्रदान की जायेगी। जिलाधिकारी ने बताया कि यह विद्यालय सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है। साथ ही कार्यदायी संस्था को निर्देश दिया कि निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य पूर्ण कराया जाये। बीएसए राहुल सिंह ने बताया कि इस विद्यालय में सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करायी जायेगी। प्रत्येक कक्षा में डिजिटल एजूकेशन प्लेटफार्म एवं डिजिटल लर्निंग के माध्यम से शिक्षा प्रदान की जायेगी गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के लिये आधुनिक विज्ञान प्रयोगशाला, कम्प्यूटर लैब डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की जायेगी। कक्षा 11 एवं 12 के लिये विज्ञान, कला एवं वाणिज्य के सभी विषयों की कक्षाएं संचालित की जायेगी, साथ ही सभी अवस्थापना सम्बन्धी सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी, साथ ही सभी विषयों की कक्षाएं संचालित की जायेगी। इस मौके पर जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सुधीर सहित संबंधित अधिकारी व कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रेलवे गेट से टकराया डंपर देर से गुजरी वंदे भारत

संवाददाता, ऊंचाहार (रायबरेली)

अमृत विचार। गोरखपुर से प्रयागराज जा रही वंदे भारत ट्रेन के लिए बंद किए गए रेलवे गेट के बूम से एक डंपर अनियंत्रित होकर टकरा गया। इसके कारण वंदे भारत ट्रेन विलंबित हुई है। इस मामले में रेलवे पुलिस बल ने प्राथमिक की दर्ज की है।

यह हादसा ऊंचाहार-रायबरेली रेल खंड पर स्थित रामचंद्रपुर रेलवे गेट पर हुआ है। गोरखपुर से प्रयागराज की ओर जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 22549) के गुजरने से पहले गेट को बंद कराया गया था। इसी दौरान मिट्टी खनन में लगा एक तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर रेलवे गेट के बूम से जा टकराया, जिससे बूम क्षतिग्रस्त हो गया। इसमें डंपर ट्रैक पर आ गया।। हालांकि वंदेभारत के लोको पायलट की नजर डंपर पर पड़ने पर गति धीमी की गई। इसके बाद उसी गति से गेट को क्रॉस किया। वंदे भारत एक्सप्रेस के लोको पायलट ने दिल्ली हेडक्वाटर के साथ लखनऊ कंट्रोल रूम को सूचना दी है। हालांकि, गेटमैन जियालाल ने ऊंचाहार आरपीएफ पोस्ट में अज्ञात डंपर चालक के खिलाफ तहरीर दिया है। इसमें उन्होने मिट्टी खनन में प्रयुक्त डंपर की टक्कर से गेट तोड़कर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के संचालन प्रभावित करने का प्रयास करने जिक्र किया है।

वंदे भारत ट्रेन की फाइल फोटो।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

बरेली में अब अंतर्राष्ट्रीय मानक वाला ट्रैक

बरेली के खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तैयारी के लिए स्पोर्टस स्टेडियम में सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण पूरा हो चुका है। ट्रैक का निर्माण अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है, जिस पर 9.34 करोड़ रुपये की लागत आई है। 400 मीटर लंबे इस ट्रैक का निर्माण मार्च 2024 में शुरू हुआ था। ट्रैक एक विशेष प्रकार का कृत्रिम रूप से निर्मित रनिंग ट्रैक होता है, जिसे एथलीट्स के प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जाता है। यह ट्रैक आमतौर पर रबर ग्रेन्यूल्स और पॉलीयुरेथेन की कई परतों से बना होता है, जो इसे लचीला, टिकाऊ और झटकों को अवशोषित करने योग्य बनाता है। यह सतह एथलीट्स को बेहतर ग्रिप, स्थिरता और गति प्रदान करती है, जिससे परफॉर्मेंस में सुधार होता है और चोट का खतरा कम होता है। किसी भी मौसम में उपयोग किया जा सकता है। मिट्टी या घास के ट्रैक की तुलना में अधिक टिकाऊ व सुविधाजनक होता है।

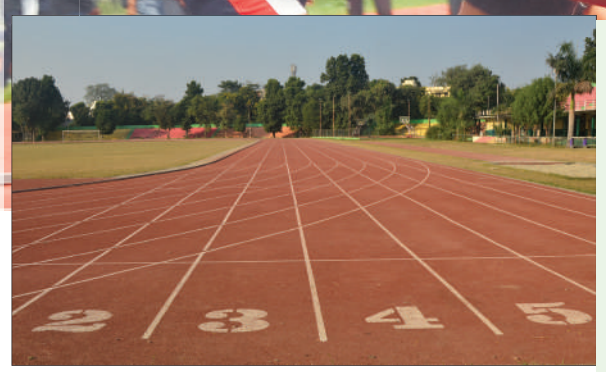

■ खिलाड़ियों को मिलेंगे ये लाभ

स्पोर्टस स्टेडियम में करीब 400 खिलाड़ी रोजाना प्रैक्टिस करते हैं। इसमें एथलेटिक्स, लॉग जंप, हाई जंप, डिस्कस थ्रो, ट्रिपल जंप, शॉर्टपुट, जैबलिन और हर्डल रेस आदि की प्रैक्टिस करने वाले खिलाड़ियों को सिंथेटिक ट्रैक बनने से काफी फायदा मिलेगा। वह अपनी प्रैक्टिस राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के हिसाब से करेंगे। साथ ही इनके खेल स्तर में भी सुधार होगा।

■ सिंथेटिक ट्रैक पर होने वाले गेम्स

एथलेटिक्स, लॉग जंप, हाई जंप, डिस्कस थ्रो, हैमर थ्रो, ट्रिपल जंप, शॉर्टपुट, जैबलिन, हर्डल रेस।

> आठ लेन वाला यह सिंथेटिक ट्रैक जनपद ही नहीं अपितु मंडल में सबसे शानदार होगा। अप्रैल 2025 में ही प्लेयर्स इस पर दौड़ना शुरू कर देंगे। राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की तैयारी करेंगे। खिलाड़ियों के लिए यह ट्रैक सौगात होगी।
> – **जितेंद्र यादव**, आरएसओ स्पोर्टस स्टेडियम बरेली

कामयाबी की मिसाल हैं रिदम अब फोकस ओलंपिक पर

मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है। पंख से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है. ये कहावत तो आपने खूब सुनी होगी, लेकिन बरेली की पैरा एथलीट रिदम शर्मा ने इसे सच कर दिखाया। 18 साल की रिदम बचपन से न बोल सकती है और न सुन सकती है, फिर भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीत चुकी है। रिदम की कहानी सिर्फ पदकों की नहीं, बल्कि जज्बे, संघर्ष और प्रेरणा की कहानी है। उन्होंने साबित किया है कि अगर इरादे मजबूत हों, तो कोई भी असमर्थता सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकती। रिदम ने उन लोगों के लिए मिसाल कायम की है जो दिव्यांग हैं। अब रिदम का एक ही सपना है ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतकर अंतराष्ट्रीय स्तर पर देश का मान बढ़ाना। 2023 में इंदौर में हुई 35वीं राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 200 मीटर, 100 और 400 मीटर दौड़ में पदक जीते। 2024 में अंतर्राष्ट्रीय गेम्स में गोल्ड मेडल जीतकर नाम रोशन किया। कुआला लंपुर मलेशिया में एशियाई डीफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 400 मीटर मिक्स रिले और 4&400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक, जबकि 400 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक अपने नाम कर इतिहास रच डाला। रिदम ने दो बार राज्य स्तर पर गोल्ड, दो बार राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड और एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीता।

■ रिदम बरेली के बड़ा बाजार इलाके की रहने वाली हैं। उनके पिता अनुकाम शर्मा प्राइवेट नौकरी करते हैं और मां पूनम शर्मा हाउस वाइफ हैं। दोनों ने मिलकर अपनी बेटी के सपने को उड़ान दी। रिदम लिप रीडिंग तकनीक से संवाद करती हैं और 12 साल की उम्र में उन्होंने तय कर लिया था कि वह एथलीट बनेंगी। रिदम के परिवार में एक बड़ी बहन अपूर्वा और छोटा भाई विनायक है।

■ मां पूनम शर्मा ने बताया कि रिदम को बचपन से ही टीवी पर खेल देखने का शौक था। चार से पाच साल की उम्र में रिदम ज्यादा कुछ समझ नहीं पाती थीं, लेकिन टीवी चैनल परिवार में कोई चेंज कर देता तो खुद अपने पसंद का स्पोर्ट चैनल लगा लेती थीं, इसके बाद पेरेंट्स को रिदम की रुचि के बारे में पता चला और सपोर्ट करने लगे।

■ जब रिदम पांच साल की थी तो पेरेंट्स यही सोचते थे कि थोड़ा समय और लगेगा फिर बेटी बोलने और सुनने लगेगी। मगर छह साल बीतने के बाद भी कोई रिस्पांस नहीं मिलता तो डाक्टर को दिखाया गया और पता चला कि वह सुन-बोल नहीं सकती। इलाज के लिए बरेली से लेकर दिल्ली तक गए, लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक न होने के चलते इलाज नहीं करा पाए।

■ 11वीं की छात्रा रिदम कड़ी मेहनत कर रही हैं। सुबह चार बजे रेलवे ग्राउंड में तैयारी के लिए जाती हैं। मदद कोच अजय कश्यप करते हैं। कालेज की तरफ से भी उन्हें एक घंटे की छूट दी गई है। खुद को फिट रखने के लिए रोजाना करीब 24 किलोमीटर साइकिल द्वारा अपने घर से रेलवे ग्राउंड तक आना-जाना करती हैं।

डोरी लाल अग्रवाल स्पोर्ट्स स्टेडियम अंतर्राष्ट्रीय खेलों में कर चुका है मेजबानी

डोरी लाल अग्रवाल स्पोर्ट्स स्टेडियम या क्षेत्रीय खेल स्टेडियम उत्तर प्रदेश के बरेली में स्थित एक बहुउद्देश्यीय स्टेडियम है। इस मैदान का उपयोग मुख्यत फुटबॉल, क्रिकेट, नेटबॉल, हैंडबॉल, बास्केटबॉल और अन्य खेलों के मैचों के आयोजन के लिए किया जाता है। इस स्टेडियम की स्थापना 1960 में हुई थी और इसने भारतीय महिला क्रिकेट टीम और श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम के बीच अंतर्राष्ट्रीय मैचों की मेजबानी भी की है। 2015 में उत्तर प्रदेश सरकार ने पुरुष और महिला खिलाड़ियों दोनों के लिए 400 बिस्तरों वाले एक छात्रावास के निर्माण के साथ-साथ सीढ़ियों के निर्माण के माध्यम से स्टेडियम के कोर को अपग्रेड करने का निर्णय लिया था। अगस्त 2015 में स्टेडियम ने ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक स्थानीय टी 20 टूर्नामेंट में भारतीय ग्रामीण क्रिकेट लीग की मेजबानी की। स्टेडियम स्थानीय क्रिकेट टूर्नामेंट की भी मेजबानी की कर चुका है।

हॉकी के जादूगर की याद दिलाता है मेजर ध्यानचंद स्टेडियम

मेजर ध्यानचंद स्टेडियम भी बरेली की शान है, जो हॉकी के जादूगर की याद दिलाता है। कैंट में स्थित यह स्टेडियम भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) का प्रशिक्षण केंद्र है। यह स्टेडियम विभिन्न खेलों के प्रशिक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जिसमें हॉकी और एथलेटिक्स शामिल हैं। हाल के वर्षों में, इसमें सुधार किए गए हैं, जैसे कि सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण शामिल है।
स्टेडियम के सेंट्रल इंचार्ज व एथलेटिक्स कोच संदीप मोहन चौधरी ने बताया कि जनवरी 2007 में 30 साल की लीस पर स्टेडियम लिया गया है। यह कैंटोमेंट बोर्ड से लिया था। इसमें हॉटी, एथलेटिक्स व सेपक टाकरा खेल शामिल है। खिलाड़ियों के लिए छात्रावास की सुविधा भी है। हर साल यहां खिलाड़ियों का चयन होता है। 10-18 साल के खिलाड़ियों के बीच- ट्रायल लिया जाता है। ट्रायल जनवरी व फरवरी में होते है। एसिस्टेंट अभिषेक कुश्वाह ने बताया कि यह स्टेडियम रीजनल सेंटर लखनऊ अंडर में आता है। सेपक टाकरा में खिलाड़ी बॉबी कुमार इंटरनेशन खिलाड़ी है। उनकी बिहार के पटना में पुलिस में दो माह पहले ही नौकरी लगी है। वहीं बिहार के जयवीर सिंह भी इंटरनेशन खिलाड़ी है। सेपक टॉकरा की कोच मीना ने बताया कि आवासीय योजना स्कीम के अंतर सेपक टाकरा के 18 खिलाड़ी, हॉकी के 20 और एथलेटिक्स के 17 खिलाड़ी है।

डरबन वर्ल्ड चैंपियनशिप में पांच स्वर्ण और दो विश्व रिकॉर्ड

किसी भी ख्वाब को पूरा करने के लिए उम्र मायने नहीं रखती, बल्कि जज्बा और जुनून सबसे बड़ा हथियार होता है। इस कहावत को सच कर दिखाया है बरेली शहर के 75 वर्षीय भगवान बंसल ने, जो उम्र के उस पड़ाव पर खड़े हैं जहां अधिकतर लोग आराम और दवाइयों पर निर्भर हो जाते हैं, लेकिन भगवान बंसल इसके बिल्कुल उलट हैं। वह रोजाना वेट लिफ्टिंग और पावरलिफ्टिंग का अभ्यास करते हैं। अब तक दुनिया के मंच पर भारत का नाम बार-बार रोशन कर चुके हैं। भगवान बंसल ने साउथ अफ्रीका के डरबन में आयोजित वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उन्होंने पांच स्वर्ण पदक जीतकर और दो विश्व रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रच दिया। 5 से 9 नवंबर तक साउथ अफ्रीका के डरबन में आयोजित वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भगवान बंसल ने एक बार फिर अद्वितीय प्रदर्शन किया।

सेपक टाकरा लाए थे डॉ. सीरिया

यह खेल बरेली जिले में 1985 में आया। जिसका पूरा श्रेय स्वर्गीय डॉ. एसएम सीरिया को जाता है। यही प्रदेश में इस खेल के जनक हैं। उस समय मेरी उम्र 17 वर्ष थी। आज 57 साल के अंतराल में मैंने इस खेल में बहुत उतार चढ़ाव देखे। प्रदेश में सेपक टकरा लगभग 35 से 40 जिलों में खेला जाने लगा है। खेल के माध्यम से कई सरकारी नौकरियां मिलना, प्रदेश स्तरीय मान्यता और सभी सरकारी स्कूलों में इस खेल को खेला जाना ये बहुत बड़ी उपलब्धि है। कई खिलाड़ी पोस्ट ऑफिस, इनकम टैक्स, पैरामिलिट्री फोर्स में इसी खेल के माध्यम से नौकरी कर रहे हैं।

खेल की स्थापना एसोसिएशन का गठन

उत्तर प्रदेश में सेपक टकरा खेल को संगठित रूप देने और इसे बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश सेपक टकरा संघ की स्थापना 1986 में हुई थी।

संस्थापक : इस संघ की बुनियाद डॉ. एस. एम. सीरिया (Dr. S.M. Siriah) के मार्गदर्शन में रखी गई थी। उद्देश्य : इस संघ का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश में इस खेल को जमीनी स्तर पर विकसित करना, विभिन्न जिलों में प्रचार-प्रसार करना और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। उत्तर प्रदेश से कई खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं और कुछ ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, जैसे साउथ एशियन गेम्स और एशियन गेम्स में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

हाल ही में हुई चैंपियनशिप

हाल ही में पुरुष व महिला इक्कीसवीं सीनियर सेपक टकरा चैंपियनशिप का आयोजन हुआ। इससे पहले प्रथम प्रदेश स्तरीय चैंपियनशिप 1989 में बरेली कालेज के मैदान में खेली गई। इसमें भाग लेने वाले जिलों में लखीमपुर खीरी, मुरादाबाद, शाहजहांपुर, अमरोहा, पीलीभीत, बागपत, सीतापुर, बदायूं के खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन करके अपने जिले का नाम रोशन कर रहे हैं।

सेपक टकरा खेल की बुनियाद

सेपक टकरा एक प्राचीन और रोमांचक खेल है जिसे किक वॉलीबॉल भी कहा जाता है। यह खेल फुटबॉल और वॉलीबॉल का मिश्रण है, जिसमें खिलाड़ी बिना हाथ का उपयोग किए अपने पैर, सिर और शरीर का इस्तेमाल कर नेट के ऊपर से गेंद को विरोधी के पाले में गिराने की कोशिश करते हैं।

2000 में भारतीय खेल प्राधिकरण की स्थापना

उत्तर प्रदेश में ही दो 2000 भारतीय खेल प्राधिकरण की स्थापना साई सेन्टर बरेली में किया गया। इससे पहले सांई सेंटर बरेली बरेली कॉलेज में इस खेल का प्रशिक्षण चला रहा था। मगर यह खेल जो इस समय पूरे उत्तर प्रदेश में लोकप्रियता और ऊँचाइयों को छू रहा है इसका पूरा श्रेय बरेली बरेली कॉलेज के पूर्व क्रीड़ा अधिकारी स्वर्गीय डॉ. एसएम सीरिया को जाता है जो हमारे उत्तर प्रदेश सेपकटाकरा के जनक और भीष्म पितामाह है।

बरेली में नेशनल से इंटरनेशनल स्तर के तैयार हो रहे खिलाड़ी

सिविल लाइंस स्थित पुरानी जेल के पास स्मार्ट सिटी के तहत 11.23 करोड़ की लागत से रायफल क्लब खिलाड़ियों के लिए नेशनल और इंटरनेशनल स्तर पर बनाया गया है। यहां यूपी ही नहीं बल्कि कई राज्यों से खिलाड़ी शूटिंग सीखने आते है। कोच का कहना है कि न्यूज रायफल क्लब शुरु हुए ज्यादा समय नहीं हुआ है, लेकिन खिलाड़ी जिस तरह प्रतिभाग कर रहे है देखकर लगता है कि बरेली को नए कई नेशनल और इंटरनेशल खिलाड़ी मिलने वाले है। रायफल क्लब में खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधा देने के लिए नई बिल्डिंग का निर्माण शुरू किया गया। प्रस्ताव बनाकर भेजा गया, जो 2019 में पास हुआ। इसमें कमिश्नर, डीएम और नगर आयुक्त की महत्वपूर्ण भूमिका रही। न्यू राइफल क्लब को स्मार्ट सिटी ने बनाकर पैसिफिक इंटरप्राइजेज फर्म के सुपुर्द किया। क्लब में इलेक्ट्रॉनिक टारगेट सिस्टम, साउंडप्रूफ रेंज की सुविधा दी गई है। क्लब का उद्देश्य खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। क्लब के अधिकारियों ने बताया कि यह क्लब शहर के युवाओं में खेलों के प्रति रुचि जगाने के साथ-साथ उन्हें आत्मरक्षा, अनुशासन और फिटनेस की दिशा में प्रेरित करेगा। पैसिफिक इंटरप्राइजेज फर्म के मालिक आनंद विक्रम और नवल ने बताया कि क्लब में मेरठ, बनारस, राजस्थान समेत कई राज्यों और जनपदों से खिलाड़ी आते है।

इन खिलाड़ियों ने किया गोल्ड -सिल्वर पर कब्जा

यूपी स्टेट शार्ट गन प्रतियोगिता (12 बोर) जयपुर में 30 अगस्त से 7 सितंबर को हुई। इसमें मंतिशा फातमा ने गोल्ड, विराट नाथ चौबे ने दो सिल्वर, फुरखान अली ने सिल्वर, दानिश अहमद ने गोल्ड, सारा ने गोल्ड, मो हसन खां ने ब्रांच मेडल पर कब्जा किया था। वहीं नार्थ जोन की प्रतियोगिता दिल्ली में 25 अक्टूबर से लेकर 31 अक्टूबर को हुई। इसमें मंतिशा फातमा ने गोल्ड और दानिश ने सिल्वर पर कब्जा किया।

आडियो-वीडियो से लेकर लॉकर तक की सुविधा

न्यू रायफल क्लब में खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाओं का इंतजाम किया है। यहां मेडिकल रूप, आडियो-वीडियो, सीसीटीवी, बेसिक किट रखने के लिए लॉकर, जिम की सुविधा, दिव्यांगों के लिए लिफ्ट, कैफेटेरिया आदि सुविधाएं है। जिस कारण खिलाड़ियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ रहा है।

चाइना वार को देखते हुए खोले गए थे राइफल क्लब

राइफल क्लब के वरिष्ठ अधिकारी बताते है कि जब चाइना से युद्ध की संभावनाएं बन रही थी तब सेना को और मजबूत करने के लिए हर जिले में राइफल क्लब खोले गए थे। ताकि वक्त आने पर खिलाड़ी भारतीय सेना के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चल सके। बरेली में राइफल क्लब की स्थापना 9 फरवरी 1962 में हुई थी।

50, 25 और 10 मीटर रेंज

खिलाड़ी सुविधाओं में अच्छा प्रदर्शन कर पाए इसके लिए स्मार्ट सिटी क्लब में खास इंतजाम किए है। फर्म के मालिक ने बताया कि यहां 10, 25 और 50 मीटर एयर पिस्टल की सुविधा है। यूपी में यह अकेली ऐसी रेंज है यहां सभी सुविधाएं है। खिलाड़ियों को किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जा रही है।

अमृत विचार

शनिवार, 22 नवंबर 2025

लोगों को हर तरह से सुंदर होना चाहिए- चेहरे में, पहनावे में, विचारों में और स्व अंतरतम में।
-एंटोन चैखव, रूसी लेखक

फिर नीतीश नेतृत्व

बिहार में बंपर बहुमत वाली ऐसी सरकार बनी है, जिसके मुख्यमंत्री के साथ दोनों उप मुख्यमंत्री और कतिपय मंत्री भी पुरानी ही सरकार से हैं। सत्ता का यह समीकरण परोक्षतः राजनीतिक स्थिरता का संदेश देता है, परंतु इसके पीछे जटिल सामरिक मजबूरियां छिपी हैं। युवा, ऊर्जावान चेहरे को आगे न लाने के पीछे यह तर्क दिया जा सकता है कि गठबंधन की राजनीति और जातीय-सामाजिक संतुलन की अनिवार्यता इसकी वजह बनी, लेकिन सही तो यह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और दोनों उपमुख्यमंत्रियों को रिपीट किए जाने का मतलब है कि भाजपा और जदयू- दोनों ही साझेदार अभी किसी नए चेहरे के प्रयोग का जोखिम उठाने को तैयार नहीं हैं।

सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद भाजपा का अपना मुख्यमंत्री न देने का निर्णय रणनीतिक है। तत्काल नेतृत्व परिवर्तन से सामाजिक-राजनीतिक असंतुलन उत्पन्न होने का खतरा था, हालांकि नीतीश कुमार के 'अल्पकालिक मुख्यमंत्री' होने की चर्चा आम है। उनके स्वास्थ्य ने आशंका बढ़ाई है कि वे लंबी पारी नहीं खेलेंगे। राजनीतिक मजबूरियों के तहत उन्हें जिम्मेदारी तो मिली है, पर यह भी सच है कि भाजपा भविष्य में बिहार का नेतृत्व अपने हाथ में लेना चाहेगी। फिलहाल नीतीश उसके लिए एक 'ट्रांजिशनल फिगर' की तरह अधिक उपयोगी हैं। बिहार में पिछले डेढ़ दशक में सड़क, बिजली, कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में सुधार हुआ है, परंतु बेरोजगारी, पलायन, उद्योग, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति धीमी रही। राज्य आज भी निवेश आकर्षित करने में पिछड़ा है। 50 लाख करोड़ बाहरी निवेश का वादा राजनीतिक जुमला है। सुरक्षा, कौशल, आधारभूत ढांचे और प्रशासनिक दक्षता सुधारे बिना यह लक्ष्य आशावादी से अधिक अव्यावहारिक प्रतीत होता है। नीतीश कुमार के लंबे शासनकाल की उपलब्धियां मिश्रित रही हैं। उन्होंने बुनियादी शासन-व्यवस्था को स्थिर बनाया, परंतु उद्यम, उद्योग, उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसरों में बिहार अब भी देश के निचले पायदानों पर है। आने वाले दिनों में नई सरकार से उम्मीद रहेगी कि वह रोजगार, स्वास्थ्य ढांचे के विस्तार, निवेश और उद्योग-संबंधी सुधारों पर गंभीरता से कार्य करे। कमजोर विपक्ष नयी सरकार के लिए फायदेमंद है। कम सवाल, कम निगरानी और बिना बाधा विधेयकों के पारित होने की सहूलियत, परंतु यह उतना ही खतरनाक भी है, क्योंकि जवाबदेही का दबाव घटने से शासन में ढिलाई की आशंका रहती है।

भाजपा और जदयू ने इस चुनाव में कई बड़े बड़े वादे किए हैं। बुनियादी ढांचा, रोजगार, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा, निवेश, कौशल विकास, लेकिन इतिहास बताता है कि पिछली सरकार अपने अधिकाधिक वादों को पूरा नहीं कर पाई। इस कार्यकाल में वादों की पूर्ति की संभावना इसलिए कम है, क्योंकि गठबंधन की आंतरिक खींचतान और भविष्य की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं पहले से ही दिखाई दे रही हैं। आने वाले वर्षों में भाजपा अधिक सीटों पर दावा ठोकने की तैयारी करेगी, जिससे सहयोगियों के बीच तनाव बढ़ेगा। बिहार की जनता की अपेक्षाएं बहुत स्पष्ट हैं। रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षित जीवन। प्रश्न है कि क्या यह रिपीट सरकार इन अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी?

प्रसंगवश

असमानता: 'बेटा', तुम बहुत अच्छा कर रही हो!

"बेटा, तुम बहुत अच्छा कर रही हो!" यह वाक्य हमारे समाज और शिक्षा व्यवस्था में लगभग हर दिन सुनाई देता है। बच्ची जब कोई अच्छा काम करती है, तो शिक्षक, अभिभावक या रिश्तेदार उसे प्रोत्साहित करते हुए अक्सर "बेटा" कहकर सराहते हैं। यह सुनने में सामान्य लगता है, क्योंकि हमारे सामाजिक परिवेश में 'बेटा' शब्द सफलता और उत्कृष्टता का मानक बन चुका है, लेकिन क्या कभी किसी लड़के से कहा गया है, "बेटी, तुम बहुत अच्छा कर रहे हो"? शायद कभी नहीं और यदि कहा भी गया हो, तो लोग इसे मजाक में टाल देते हैं। यही हमारी भाषा में गहरे छिपा हुआ लैंगिक असमानता है, जो सुनाई तो देता है, पर चुभता नहीं।

सत्य प्रकाश नायक
एक्टिविस्ट

भाषा और समाज का रिश्ता बहुत गहरा है। हमारी सोच, दृष्टि और संस्कारों को गढ़ने में भाषा की भूमिका निर्णायक होती है। हम जो बोलते हैं, वही हमारी मानसिकता और दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करता है और वही बच्चों की सोच का हिस्सा बन जाता है। जब भाषा में असमानता छिपी होती है, तो वह बच्चों की आत्म-छवि और आत्मविश्वास को भी असमान बना देती है। बचपन में बच्चे अपने बारे में वही मानने लगते हैं, जो वे बार-बार सुनते हैं। यदि किसी बच्ची को सराहने के लिए भी 'बेटा' कहना जरूरी समझा जाता है, तो इसका संदेश यही है कि उत्कृष्टता, साहस या नेतृत्व लड़का होने के गुण हैं। इससे अनजाने में बच्ची को यह महसूस होने लगता है कि 'बेटी' होना पर्याप्त नहीं है। उसे मूल्यवान बनने के लिए 'बेटा' कहलाना होगा। दूसरी ओर लड़के को 'बेटी' कहकर सराहना लगभग असंभव है। यही भेद-भाव बच्चों की पहचान और आत्मविश्वास पर गहरा असर छोड़ता है। शब्द केवल वाक्य नहीं होते, वे धारणाएं गढ़ते हैं।

कक्षा में बैठी लड़कियां अनजाने ही इन वाक्यों से बाहर रह जाती हैं। यदि शिक्षक कहते 'कौन करेगा या करेगी?' तो भाषा में ही बराबरी की खिड़की खुल जाती। कुछ विद्यालयों में तो समूहों के नाम तक इस असमानता से प्रभावित होते हैं। कई स्कूलों में केवल पुरुष महापुरुषों गांधी, नेहरू, विवेकानंद, भगत सिंह के नाम पर समूह बनाए जाते हैं। प्रेरणादायक महिलाओं जैसे रानी लक्ष्मीबाई, रानी कमलापति, अवंतिबाई, कल्पना चावला, टेस्सी थॉमस, सुधा मूर्ति या अन्य महिला वैज्ञानिकों, खिलाड़ियों, लेखिकाओं के नाम शायद ही किसी को सूझते हों। जब बच्चों के सामने आदर्शों के रूप में केवल पुरुष चेहरे आते हैं, तो संदेश यह जाता है कि नेतृत्व और पराक्रम का चेहरा भी मात्र पुरुष ही है।

भाषा की जड़ें बहुत गहरी हैं। यह संवाद का माध्यम होते हुए भी अनजाने ही जेंडर असमानता को ढोती रहती है। 'करेगा', 'लाएगा', 'नेता बना', 'मर्द बनो' जैसे वाक्य हमारे अवचेतन में पुरुष-प्रधान सोच को पुख्ता करते हैं। भाषा ऐसे विचारों को वैधता देती है, जिन्हें हम शायद सचेत रूप से नहीं मानते। पाठ्यपुस्तकों में भी इसी असमानता की झलक है। ज्यादातर उदाहरणों में 'रवि', 'सुमित', 'राजेश' विज्ञान प्रयोग करते, खेल जीतते या पुरस्कार पाते दिखते हैं, जबकि लड़कियों के हिस्से में 'रीना मां की मदद करती है' या 'सीमा गुड़िया से खेलती है', जैसे दृश्य आते हैं। इससे बच्चों के मन में यह धारणा मजबूत होती है कि सक्रियता और खोज लड़कों का क्षेत्र है, जबकि देखभाल और सहयोग लड़कियों का। रोजमर्रा की भाषा भी इस सोच को बढ़ाती है, 'लड़की होकर ऐसे बोलती है?', 'बेटी, घर का ध्यान रखो', 'बेटे, बाहर का काम तुम संभालो।' यहां शब्दों के जरिए भूमिकाएं बांट दी जाती हैं एक भीतर की, एक बाहर की।

एसआईआर पर विपक्ष खुद भी तो कुछ करे!

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

चुनाव आयोग पर आरोप है कि वह सत्ता पक्ष के लिए यूपी विधानसभा चुनाव और आगामी लोकसभा चुनाव की बिसात बिछा रहा है। बड़ा सवाल यह है कि जब एसआईआर चल रहा है, तब विपक्ष के लोग कहां हैं?

एसआईआर क्यों? इस सवाल का कोई मतलब नहीं। इस सवाल का भी कोई मतलब नहीं कि बिहार के बाद सिर्फ 12 राज्यों में ही एसआईआर क्यों? म्यांमार, जहां से सर्वाधिक रोहिंग्या घुसपैठ कर सीमावर्ती भारतीय प्रदेशों में विराजमान हैं, जैसा कि कहा जाता है, लेकिन म्यांमार के सीमावर्ती भारतीय प्रदेशों में एसआईआर की जरूरत चुनाव आयोग ने बिल्कुल नहीं महसूस की। यह तय है कि विपक्ष कितना भी चिल्ल-पों कर ले, यूपी में 2027 का विधानसभा चुनाव और 2029 में लोकसभा चुनाव एसआईआर के जरिए परिवर्तित वोटर लिस्ट से ही होना है।

एसआईआर की विसंगतियां कई हैं। जैसे- बीएलओ, जिन्हें एसआईआर फार्म घर घर पहुंचाने की जिम्मेदारी है, वह लगभग नहीं हो रहा है। जागरूक लोगों को बीएलओ को ढूंढकर एसआईआर फार्म लेना पड़ रहा है। राजस्थान से लेकर यूपी में ऐसे हजारों उदाहरण मौजूद हैं। यूपी के एक भाजपा विधायक के वायरल वीडियो पर यकीन करें, तो वह अपने लोगों से बहुत साफ शब्दों में कह रहे हैं कि विपक्षी वोटरों के नाम उड़ा दिए जाएं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी के खिलाफ बड़ा आंदोलन चलाया, लेकिन क्या हुआ? किसने सुनी उनकी बात? उलटे 272 पूर्व जज और नौकरशाहों ने राहुल के खिलाफ चिट्ठी लिखकर विरोध जताया कि वे चुनाव आयोग जैसी 'पवित्र' संस्था को बदनाम कर रहे हैं। इन नौकरशाहों को ब्राजील की माडल का भारतीय वोटर लिस्ट में शामिल होकर कई जगहों पर मतदान करना गलत नहीं लगा और बिहार में बीच चुनाव सरकारी खजाने से लाखों महिलाओं को दस-दस हजार की इमदाद भी अचंभित नहीं किया।

जब दो पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त, मौजूदा चुनाव आयोग को दिशाहीन बता रहे हैं, तब लोकसभा में बहुमत के आंकड़े के बराबर 272 पूर्व नौकरशाहों का राहुल के खिलाफ खुलकर आना हैरान करने वाला है। तो क्या पूर्व नौकरशाहों के खुला विरोध को राहुल के खिलाफ 'महाभियोग' माना जाए?

इधर चुनाव आयोग एसआईआ करा रहा है और उधर विपक्ष बैठकें करने में व्यस्त है। बड़ा सवाल यह है कि जब एसआईआर चल रहा है, तब विपक्ष के लोग कहां हैं? बात केवल यूपी की करें, तो यहां आरोप लग रहे हैं कि एसआईआर एक पक्षीय चल रहा है। यह सब आसानी से होने क्यों दिया जा रहा है? सरकारी अमला तो सरकार के लोग होते हैं, वे वही करेंगे जो सरकार चाहेगी और यह आज की बात नहीं है। पहले भी सरकारें ऐसे ही करती रही हैं, लेकिन सत्ता में विराजमान राजनीतिक दलों के नेताओं, कार्यकर्ताओं के समतुल्य विपक्षी दलों के लोग ऐसा क्यों नहीं कर पाते?

यूपी में प्रमुख विपक्षी दल सपा है। आगामी विधानसभा चुनाव में इसे सत्ता के लिए जंग करनी है, लेकिन ये पार्टी भी पूरे यूपी में कुछ जगहों को छोड़कर एसआईआर को लेकर शायद ही कहीं और दिख रही हो। हां, वाट्सऐप पर इनके ज्ञान की भरमार है। वे जानते हैं कि उनके कोर वोटर कौन हैं और इन्हीं वोटरों को सहेजने में वे विफल हो रहे हैं।

दूसरी पार्टी कांग्रेस है। यूपी के लिए फिलहाल इसकी बात ही क्या करना। इसी मुद्दे को लेकर हाल ही में उसकी दिल्ली में हाई लेवल की बैठक हुई। इस बैठक में जो भी निर्णय लिए गए हों, उसका धरातल पर उतरना आसान नहीं है। यूपी में कांग्रेस के अभी छः सांसद हैं। सपा के साथ मिलकर 17 सीटों पर लड़ी थी। हारी हुई सीटों पर भी कांग्रेस की स्थिति सम्मानजनक थी। विधानसभा में कांग्रेस के सिर्फ दो विधायक हैं। एसआईआर को लेकर ये दो विधायक कितना कुछ कर पाएंगे, बताने की जरूरत नहीं। यहां संगठन भी हवा-हवाई है।

जिला कमेटी को छोड़ दीजिए बाकी ब्लाक स्तर की कमेटियां कहने भर को हैं। प्रदेश भर में एसआईआर को लेकर इक्का-दुक्का जिला अध्यक्ष ही सक्रिय हैं। बाकी सब के सब सुषुप्तावस्था में हैं। न्याय पंचायत और बूथ स्तर पर इनका कुछ नहीं है। चुनाव आयोग ने व्यवस्था दी है कि सरकारी बीएलओ के अलावा राजनीतिक पार्टियां अपना बीएलओ भी नियुक्त कर सकती हैं, ताकि चुनाव आयोग पर वोट काटने और जोड़ने की तोहमत न लगे। कांग्रेस इसमें भी सुस्त है। एसआईआर को लेकर विपक्ष के लापरवाह व सुस्ती का फायदा सत्ता पक्ष के कार्यकर्ता खूब उठा रहे हैं। विपक्ष को सक्रिय होने से किसने रोका है? विपक्ष यह समझने की भूल कर रहा है कि यह सामान्य एसआईआर नहीं है। इस एसआईआर का 'मूल सिद्धांत' ही कुछ और है।

बिहार चुनाव में बुरी तरह पराजित कांग्रेस इस खुशफहमी में हो सकती है कि वहां सर्वाधिक 65 लाख वोटर आउट किए जाने के बाद भी उसे औसतन करीब 71 हजार वोट प्रति विधानसभा सीट हासिल हुए। वह भी तब जब ओवैसी से लेकर बसपा, जन सुराज, आम आदमी पार्टी सहित अन्य छोटी पार्टियां महागठबंधन को ही नुकसान पहुंचाने के लिए चुनाव मैदान में थीं। आखिर ये पार्टियां तो यूपी विधानसभा चुनाव में भी होंगी और लोकसभा चुनाव में भी। आखिर इनसे सिसायीस तौर पर निपटने का प्लान कांग्रेस के पास क्या है?

दिल्ली में हुई कांग्रेस वर्किंग कमिटी की बैठक में वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने अपनी ही पार्टी से सवाल किया कि बिना संगठन के हम क्या करें? धरातल पर कोई संगठन ही नहीं है। बैठक में निस्संदेह और लोगों ने भी ऐसा ही महसूस किया होगा। कांग्रेस वर्किंग कमिटी के सदस्यों पर गौर करें, तो वह पूरा का पूरा दक्षिण भारतीयों के कब्जे में है। कांग्रेस वर्किंग कमिटी में करीब दो सौ सदस्य दक्षिण भारत से ही हैं। इसके अलावा ढेर सारे ऐसे लोग हैं, जो या तो भाजपा नेताओं से गलबहियां करते घूम रहे हैं या फिर बिना धरातल पर झांके कांग्रेस को दिल्ली की सत्ता में वापसी का ख्वाब दिखा रहे।

आमने

अमीर घर में पैदा हुए राहुल गांधी को धरातल की जानकारी नहीं है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबी देखी है, प्रधानमंत्री मोदी गरीब जनता का दुख-दर्द समझते हैं।

-पंडित मोहन लाल बड़ौली
भाजपा प्रदेश अध्यक्ष
हरियाणा

सामने

अपने प्राइम मिनिस्टर को खुश करने की बात है। न राहुल गांधी का वह मुकाबला कर सकते हैं। जिस तरह से राहुल जी आम लोगों के साथ मिलते-जुलते हैं। लोगों के बीच में जाते हैं। माननीय प्रधानमंत्री तो कभी ऐसे नजर ही नहीं आए।

-कुमारी शैलजा
कांग्रेस सांसद

भारत: यूएन में स्थायी सदस्य का बढ़ा समर्थन

अमित नारायण
कानपुर

अमेरिका भारत को स्थायी सदस्य बनाए जाने का समर्थक तो रहा है, लेकिन उसने कभी नहीं चाहा कि भारत को वीटो मिले। उम्मीद है कि उसका रुख भी अब सकारात्मक ही रहेगा।

1.40 अरब की आबादी वाले भारत को वीटो पॉवर के साथ संयुक्त राष्ट्र संघ का स्थायी सदस्य बनाने की मांग ने जोर पकड़ लिया है। रूस और ब्रिटेन के बाद अब फ्रांस ने भी खुलकर भारत को वीटो पॉवर की शक्ति के साथ स्थायी सदस्य बनाने की मांग संयुक्त राष्ट्र संघ रिफॉर्म डिबेट में उठा दी है। इस बैठक में चीन ने भारत का विरोध न करके यह संकेत दे दिया है कि वह अब भारत के खिलाफ नहीं है, लेकिन उसने खुलकर समर्थन नहीं किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति का ही असर है कि पहली बार चीन ने भारत का विरोध नहीं किया है। इससे यह उम्मीद की जा सकती है कि अब भारत की राह में कोई रोड़ा नहीं रह गया है, हालांकि चीन ने जापान के नाम का खुलकर विरोध किया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी और 10 अस्थायी सदस्य होते हैं। अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन को स्थायी सदस्यता हासिल है। इन देशों के पास वीटो का अधिकार है, जबकि अस्थायी सदस्य दो-दो साल के लिए चुने जाते हैं। उनका चुनाव क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखकर किया जाता है।

परिषद की स्थापना को 80 साल हो चुके हैं। भारत समेत दुनिया के कई देश चाहते हैं कि इसके स्ट्रक्चर में बदलाव किया जाए और भारत समेत कुछ और देशों को वीटो की शक्ति के साथ स्थायी सदस्य बनाया जाए, लेकिन स्थायी सदस्य नहीं चाहते कि उनके बराबर कोई और देश खड़ा हो, इसलिए वे भारत को स्थायी सदस्य बनाना तो चाहते हैं, पर वीटो की शक्ति नहीं देना चाहते। चीन तो अब तक भारत के विरोध में ही रहा है। जब भी भारत का नाम आया, उसने पाकिस्तान को भी स्थायी सदस्य बनाने की मांग रखकर अड़ंगा लगाया, लेकिन ब्रिटेन और रूस के बाद अब फ्रांस का भारत को स्थायी सदस्य बनाने के साथ ही वीटो की शक्ति देने की मांग उठाना भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत है।

भारत वैश्विक स्तर पर और अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके, इसके लिए जरूरी है कि उसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाया जाए। स्थायी सदस्य बनने का मतलब है कि अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा में भारत का योगदान और बढ़ जाएगा। सुरक्षा परिषद में स्ट्रक्चर में बदलाव को लेकर चर्चा हो रही है। अगर इसमें सहमति बनती है, तो भारत स्थायी सदस्य बन जाएगा, वह भी वीटो पॉवर के साथ। फ्रांस ने कहा है कि वीटो पॉवर के साथ भारत को स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए। भारत जनसंख्या के मामले में दुनिया का पहला सबसे बड़ा देश है। भारत का रुख साफ है। वह दो अफ्रीकी देशों को स्थायी सदस्यता दिलाना चाहते हैं। भारत के अलावा ब्राजील, जर्मनी और जापान को भी एक-एक सीट मिलनी चाहिए, क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर इन देशों की जिम्मेदारियां हैं।

चीन के स्थायी दूत ने बैठक में भारत का विरोध नहीं किया है, जो उसके भारत के प्रति बदलते नजरिए को दिखाता है। चीन ने सिर्फ जापान का विरोध किया और कहा कि जापान जिस तरीके से ताइवान के मुद्दे पर मुखर है, उससे यह साबित होता है कि जापान यूएन की स्थायी सदस्यता मांगने का कोई अधिकार नहीं रखता है। यदि जापान को स्थायी सदस्यता देने की कोशिश की गई, तो हम इसका खुलकर विरोध करेंगे। चीन के रुख से अब उम्मीद है कि भारत आसानी से स्थायी सदस्य बन जाएगा। हां, अमेरिका को भी इसके लिए तैयार करना होगा कि वह भी भारत को वीटो की शक्ति देने के लिए तैयार हो। उसे मनाने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टीम तो करेगी ही, फ्रांस और ब्रिटेन भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन के लिए तैयार कर लेंगे, हालांकि अमेरिका भारत को स्थायी सदस्य बनाए जाने का प्रबल समर्थक रहा है, लेकिन उसने भी कभी नहीं चाहा कि भारत को वीटो मिले, लेकिन उम्मीद है कि उसका रुख भी अब सकारात्मक रहेगा।

चीन की टैरिफ के मुद्दे पर अमेरिका से छिड़ी रार के बाद वह भारत के समर्थन में कई मुद्दों पर खुलकर आगे आया है। पाकिस्तान की अमेरिका से बढ़ती नजदीकी से चीन नाराज है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसने पाकिस्तान का पर्दे के पीछे से साथ दिया था, लेकिन अचानक अमेरिका के पाले में पाकिस्तान के जाने से चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी सकते में हैं। पाकिस्तान की धरती पर अमेरिका कई बड़े मिनरल्स का खनन करने जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि वह पाकिस्तान में अपना सैन्य बेस भी बना सकता है। यदि ऐसा होता है तो चीन के लिए यह शुभ संकेत नहीं होगा। यही वजह है कि अब चीनी नेतृत्व धीरे-धीरे भारत के करीब आ रहा है और पाकिस्तान की नीतियों का समर्थन करने से बच रहा है।

सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने के लिए उसके चार्टर में संसोधन करना होगा। भारत को सभी स्थायी सदस्यों का समर्थन लेने के साथ ही जनरल असेंबली में दो तिहाई सदस्यों का समर्थन प्राप्त करना होगा। फिलहाल परिषद में 193 देश सदस्य के रूप में हैं। इनमें से 145 देशों का समर्थन हर हाल में भारत को चाहिए। वैसे तुर्किए, पाकिस्तान, अजरबैजान को छोड़ दें, तो शायद ही कोई देश भारत के विरुद्ध खड़ा हो। हालांकि अजरबैजान के रुख में भी परिवर्तन आया है। वह भारत से धीरे-धीरे दोस्ती बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

सोशल फोरम

एक कामयाब इनसान की नाकाम दास्तान

यह व्यक्ति 1809 में जन्मा था। 1816 में, 7 साल की उम्र में, उसे काम करने के लिए मजबूर किया गया, क्योंकि उसका परिवार बेदखल किया जा रहा था। 1818 में, उसने अपनी मां को खो दिया। 1828 में, उसने अपनी बहन को खो दिया। 1831 में, उसने अपना पहला व्यवसाय शुरू किया और दिवालिया हो गया। 1832 में, उसने विधानसभा के चुनाव में हिस्सा लिया और हार गया।

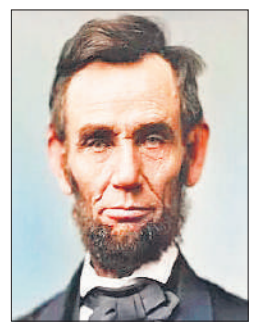

संजीव कुमार
शिक्षक

1833 में, उसने एक और व्यवसाय शुरू करने के लिए पैसे उधार लिए और फिर से दिवालिया हो गया। 1835 में, उसे एक अद्भुत महिला से प्रेम हुआ। वे दोनों सगाई करते हैं और वह महिला मर जाती है। 1836 में, वह अपने जीवन के अत्यंत अंधेरे दौर से गुजरा और गहरे अवसाद में चला गया। वह लगातार 6 महीने बिस्तर से उठा ही नहीं, लेकिन फिर वह उठा।

वह उठा और उसी साल 1836 में उसने फिर से विधानसभा के चुनाव लड़े और फिर हार गया। 1840 में, उसने चुनाव लड़ा और हार गया। 1842 में, वह उस महिला से मिला, जिसके साथ वह बूढ़ा होगा- उसकी पत्नी। वे प्रेम में पड़े, सगाई की, शादी की और उसने उसे चार बच्चे दिए, जिनमें से तीन को वे खो बैठे। 1843 में, उसने कांग्रेस के लिए चुनाव लड़ा और हार गया। 1845 में, उसने फिर से कांग्रेस के लिए चुनाव लड़ा और फिर हार गया।

1850 में, बेटा मर गया। 1854 में, उसने सीनेट का चुनाव लड़ा और हार गया। 1856 में, उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ा और सौ वोट भी हासिल नहीं कर सका। 1858 में, उसने फिर सीनेट के लिए चुनाव लड़ा और फिर हार गया और 1860 में, अब्राहम लिंकन संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए और उन्होंने दो अद्वितीय कार्यकाल पूरे किए, जिन्होंने उन्हें अमेरिकी इतिहास के सबसे सम्मानित राष्ट्रपतियों में से एक बना दिया।

हम केवल नायक को देखते हैं, लेकिन सफलता के पर्दे के पीछे की कठिनाइयां नहीं देखते। -फेसबुक वाल से

सामयिकी

हर दसवां भारतीय मधुमेह का शिकार

हाल ही में जारी अंतर्राष्ट्रीय मधुमेह महासंघ (आईडीएफ) की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में 589 मिलियन वयस्क मधुमेह से पीड़ित हैं, जबकि 252 मिलियन लोग इस बात से बिल्कुल अनभिज्ञ हैं कि वे इस बीमारी की गिरफ्त में हैं। वहीं भारत में भी हर दसवां वयस्क डायबिटीज का रोगी है। ऐसे में मधुमेह यानी डायबिटीज अब केवल एक बीमारी नहीं, बल्कि एक मौन महामारी बन चुकी है। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यदि स्थिति पर तुरंत नियंत्रण नहीं पाया गया, तो 2050 तक भारत में मधुमेह रोगियों की संख्या 15.7 करोड़ तक पहुंच सकती है, जो स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती होगी।

आईडीएफ की रिपोर्ट के अनुसार, वयस्कों में मधुमेह की दर 11.1 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। मधुमेह केवल शुगर की समस्या नहीं, बल्कि यह शरीर के अन्य अंगों हृदय, किडनी, आंखों और मस्तिष्क पर गहरा असर डालती है। दुनिया के साथ भारत में भी स्थिति चिंताजनक है। देश में फिलहाल लगभग 89 मिलियन लोग डायबिटीज से जूझ रहे हैं, जबकि 50 फीसदी लोग ऐसे हैं, जिन्हें ये तक नहीं पता कि वे डायबिटीज से ग्रसित हैं।

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

यह आंकड़ा तब और भयावह लगता है, जब यह जानने को मिलता है कि यह रोग अब बड़ों के साथ बच्चों और किशोरों में भी तेजी से फैल रहा है। वर्ष 2024 में मधुमेह संबंधी स्वास्थ्य व्यय पहली बार एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से पार गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि मधुमेह जीवन भर साथ रहने वाली बीमारी है। एक बार इसकी चपेट में आने के बाद इसे नियंत्रित करना ही एकमात्र उपाय रह जाता है।

देश के कई राज्यों में हालात बेहतर नहीं हैं। गोवा में डायबिटीज की दर 26.4 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक है। पुडुचेरी 26.3 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। केरल 25.5 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है। राजस्थान में इस वर्ष के अंत तक मधुमेह रोगियों की संख्या दस लाख तक पहुंचने का अनुमान है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, राज्य में मधुमेह का प्रसार लगभग 10 प्रतिशत है, जबकि सिर्फ पिछले दस महीनों में छह लाख नए मामले सामने आए हैं। यह इस बात का संकेत है कि बीमारी कितनी तेजी से पैर पसार रही है।

उत्तर प्रदेश में यह दर 4.8 प्रतिशत है, लेकिन यह तेजी से बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में अब इस बीमारी की दर में कोई खास अंतर नहीं बचा है। यह धारणा पूरी तरह टूट चुकी है कि मधुमेह केवल शहरी जीवनशैली की देन है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, देश के केवल सात प्रतिशत मरीज अपनी बीमारी को लेकर गंभीर हैं और इसे नियंत्रण में रखने के लिए सभी चिकित्सकीय सलाहों का पालन करते हैं। बाकी 93 प्रतिशत मरीज या तो अपनी बीमारी को हल्के में लेते हैं या उसकी गंभीरता से अनजान रहते हैं। यही लापरवाही आगे चलकर गंभीर जटिलताओं को जन्म देती है।

मधुमेह के साथ हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक और किडनी फेल्योर जैसी समस्याएं जुड़ी रहती हैं। इस बीमारी से पीड़ित लोगों में साइलेंट हार्ट अटैक का खतरा कई गुना अधिक होता है। अनुसंधान बताते हैं कि जो व्यक्ति मधुमेह से मुक्त हैं, उनमें दिल का पहला दौरा पड़ने पर मरने की संभावना 20 प्रतिशत होती है, जबकि मधुमेह रोगियों में यह संभावना 80 प्रतिशत तक पहुंच जाती है। अब मधुमेह केवल बुजुर्गों या मध्यम आयु वर्ग तक सीमित नहीं रहा। यह युवाओं और किशोरों तक पहुंच चुका है। 12 से 13 वर्ष के बच्चों में टाइप-2 डायबिटीज के मामले सामने आना बेहद चिंताजनक है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

जीवन में संस्कारों से होती है व्यक्ति की पहचान

जीवन में अच्छे संस्कारों से अच्छे इंसान की पहचान की जाती है। दूसरी ओर हम यह कह सकते हैं कि अच्छे संस्कार बेहतर जीवन की नींव होते हैं। मानव जीवन में सबसे पहले दृश्य होने वाले भाव उसके संस्कार ही होते हैं। सरल शब्दों में कहें, तो संस्कार बिन मनुष्य पशु समान है। अच्छे बुरे का भेद हमें संस्कारों से ही पता चलता है। बच्चे जो कुछ भी सीखते हैं वे सब संस्कारों की श्रेणी में फलता फूलता है। अच्छे संस्कार बेहतर कल का निर्माण करने में सहायक होते हैं। वास्तविकता पर प्रकाश डाला जाए, तो हमें ज्ञात होगा कि हमारे हर एक कार्य पर संस्कारों की छवि झलकती है। फिर चाहे वह कार्य छोटा हो या बड़ा, हमारा हर आचरण हमारे संस्कारों को ही दर्शाता है। भला ऐसे कौन से माता–पिता होंगे, जो अपने बच्चों को अच्छे संस्कारों से हीन देखना चाहते होंगे?

शिवालिक अवस्थी
लेखक

बचपन से ही दें अच्छी परवरिश

हम बात तो यहां अच्छे संस्कारों की कर रहे हैं, लेकिन बचपन से ही अच्छे संस्कारों का समावेश कैसे किया जाए यह बात ध्यान देने योग्य है। आईए इस पर थोड़ा प्रकाश डालते हैं। बच्चों में अच्छे संस्कारों का सृजन माता-पिता द्वारा जीवन के शुरुआती दौर में ही कर देना चाहिए। बढ़ती उम्र के साथ बच्चों को हर एक संस्कार से रूबरू करवाना माता-पिता का कर्तव्य समझा जाता है। हर कार्य को सही ढंग से पूर्ण करना चाहिए, जिसके लिए बच्चों को अच्छे-बुरे की पहचान होना अनिवार्य हो जाता है। कौन सा कार्य अच्छा है और कौन सा कार्य बुरा है यह संस्कारों के अधीन ही समझा जाता है। सुबह उठते ही बच्चों द्वारा अपना बिस्तर समेटना, उनके संस्कार को दर्शाता है। दिनचर्या के कार्यों को सही ढंग से पूर्ण करना, संस्कारों की श्रेणी में आता है। भोजन कैसे ग्रहण किया जाता है यह भी संस्कारों में शामिल किया गया है।

अच्छे संस्कारों के कारण बच्चे अपने रोजमर्रा के कार्यों को सफलतापूर्वक करने में सक्षम बन जाते हैं। सही ढंग से भोजन ग्रहण करना सीख जाते हैं। बेहतर संस्कारों के कारण ही बच्चे, बड़ों का आदर सम्मान करना सीख जाते हैं। बच्चों को अच्छाई-बुराई का बोध भी अच्छे संस्कारों के कारण ही होता है। कौन सा कार्य करना उचित है और कौन सा अनुचित यह बच्चों को संस्कारों के ग्रहण करने से ज्ञात हो जाता है। आज के इस युग में कई जगह देखा जाता है कि बच्चों के जीवन से संस्कार लुप्त होते जा रहे हैं, जिस कारण बच्चों द्वारा कार्य करने के तरीके भी बदल चुके हैं। अब बच्चे बिना मोबाइल के भोजन तक ग्रहण नहीं करते हैं, जो सरासर गलत है। नतीजन भोजन पाचन क्रिया में कठिनता नजर आने लगी है। कई बच्चे तो एक ओर टीवी अथवा मोबाइल को देखने के लिए लेटे होते हैं, तो दूसरी ओर वह भोजन भी ग्रहण कर रहे होते हैं। अब इस क्रिया में बच्चों का पेट कैसे भरेगा और भोजन कैसे पचेगा यह समझ से परे है। नतीजन मोटापे या कुपोषण जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

दूसरी ओर बच्चों में यदि संस्कार अच्छे होंगे, तो बच्चे भी बड़े-बुजुर्गों के साथ बैठकर आराम से भोजन ग्रहण करेंगे, जो जीवन में अति आवश्यक भी है। आजकल ज्यादातर बच्चों ने अपने से बड़ों के पांव छूकर आशीर्वाद लेने का महत्व भी खो दिया है। बच्चों को चाहिए कि वे रोज सुबह उठकर अपने माता-पिता के पांव छूकर स्कूल जाएं। स्कूल में अपने गुरुजनों का आशीर्वाद लिया जाए। अथवा घर में कोई मेहमान आए, तो उसके भी पांव छूकर आशीर्वाद लिया जाए। यह क्रियाएं नैतिक संस्कारों की श्रेणी में आती हैं, जिनका प्रभाव जीवन भर रहता है। जीवन में स्वछता को अपनाना भी संस्कार माना गया है। इसलिए बच्चों को स्वछता का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। स्वछता के अलावा सुबह जल्दी उठना, रात को जल्दी सोना भी बच्चों के विशेष संस्कारों में सम्मिलित होना चाहिए। स्कूल की बात करें, तो बच्चों को अपने गुरुजनों का सदैव सम्मान करना चाहिए। अपने गुरु के कहे शब्दों को ध्यानपूर्वक ग्रहण करना चाहिए। स्कूल के नियमों का पालन करना चाहिए और नियमों का पालन वही विद्यार्थी कर सकता है, जिसके भीतर संस्कारों का बीज अंकुरित किया जा चुका हो।

मोबाइल से बच्चों को दूर रखें

आज के समय में बच्चों में संस्कार मानो लुप्त होते जा रहे हैं। बच्चे चिड़चिड़ेपन का शिकार होते जा रहे हैं। बच्चे घर में आए मेहमानों से मिलने को कतराते हैं। अकेलेपन को ज्यादा पसंद करने लगे हैं। मोबाइल से ज्यादा लगाव लगाकर बैठे हैं। मानो बच्चों ने अपना बचपन ही बेच दिया हो। दुनिया की इस चकाचौंध में बच्चे अपना बचपन खो बैठे हैं। अब जरूरत है, तो बच्चों के खोए हुए बचपन को लौटाने की, जिसमें संस्कार अपनी विशिष्ट भूमिका निभा सकते हैं। बच्चों में ऐसे संस्कार निहित होने चाहिए, जिनसे वह जीवन का मूल मकसद समझ सकें। माता-पिता और गुरु यह तीन ऐसे मजबूत स्तंभ हैं, जो बच्चों में संस्कारों का निर्माण करने में सक्षम होते हैं। बच्चों के जीवन की नींव इन्हीं तीन स्तंभों पर टिकी होती है। बाहर हर बच्चा अक्सर वैसा ही व्यवहार करता है जैसा वह घर के वातावरण से सीखता है, इसलिए विशेष रूप से माता-पिता को चाहिए कि वह अपने बच्चों में संस्कारों की ऐसी पैदावार करें, जो जीवनपर्यंत बच्चों के लिए फलदायक साबित हो।

...फिर जिले में कभी तैनाती नहीं ली

आपबीती

बात है वर्ष 1986 की, जिला बुलंदशहर में सीओ अनूप की तैनाती के तीन महीने में कप्तान साहब ने मेरे कार्यक्षेत्र के पांच थानों में फेरबदल करते हुए दो छोटे थाने हटाकर दो बड़े थाने पकड़ा दिए। अब अलीगढ़ सीमा से मुरादाबाद (अब अमरोहा जिला) सीमा तक गंगा किनारे का बड़ा इलाका पुलिसिंग के लिए मिल गया। नए मिले थानों के बारे में ब्रीफ किया गया कि साल के शुरुआती ढाई महीने में ही डकैती के एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हो चुके हैं और मेरे इलाके में अपराध कमोबेश कंट्रोल में है। नए लड़के हैं, जाकर इस इलाके में कंट्रोल कीजिए। उसी शाम एक कोतवाली पर पंहुचकर उपनिरीक्षकों से अपराध के बारे में चर्चा की। इंस्पेक्टर को क्राइम कंट्रोल मे विफल रहने के कारण हरिद्वार कुंभ मेला ड्यूटी भेज दिया गया था। बचे थाना पर तीन–चार नए और तीन पुराने दारोगा।

पुरानों दारोगाओं में सीनियर इंचार्ज पी. पी. सिंह शांत स्वभाव के और दिनभर मेहनत करने वाले अफसर थे। दूसरे यादव जी थे, लिखा-पढ़ी में इतने माहिर कि तफ्तीश में कोई भी नतीजा लिख दें, उसमें कमी निकाल पाना आसान नहीं होता था। तीसरे खुर्शीद गौहर-50 से ऊपर की उम्र में सुंदर व शालीन व्यक्तित्व के मालिक, उतनी ही नफासत भरी बातचीत, मानो पश्चिमी उप्र में लखनऊ उतर आया हो। सेवा में नए होने के कारण पूरी गंभीरता से डकैतियों की रोकथाम की कार्ययोजना के बारे में पूछने पर जनाब खुर्शीद गौहर साहब ने लखनवी अंदाज में फरमाया- 'हुजूर! अब आप का हुक्म है, तो नहीं पड़ेंगी।' मेरी जिज्ञासा पर उन्होंने बतलाया- 'साहब! मेहनत से गश्त की जाएगी। मुखबिरान मामूर (सक्रिय) किए जाएंगे। माशाल्लाह! आप भी जवान हैं, रात भर इलाके में घूमते ही रहते हैं। डकैती की क्या मजाल, जो पड़ जाएगी।'

इसके बाद अगले दो-ढाई महीनों तक उन नए थानों में डकैती तो दूर, चोरी-नकबजनी पर भी मानो ब्रेक सा लग गया। मासिक क्राइम मीटिंग में कप्तान साहब जब कहते कि नया लड़का है, कैसे क्राइम कंट्रोल कर रखा है, तो सीना खुद-ब-खुद चौड़ा हो जाता। इस बीच मंडल के डीआईजी साहब भी शाबासी दे गए। कुछ ही दिन बाद उसी थाना क्षेत्र के एक उभरते युवा नेता अपने शस्त्र लाइसेंस के प्रार्थना पत्र पर संस्तुति कराने के सिलसिले में मिलने आए। मैं खाली बैठा था, सो बातचीत का सिलसिला निकल पड़ा। बातों-बातों में नेताजी ने उक्त थाने के कामकाज की तारीफ करते हुए जो कहा, उसने मेरे पैरों तले से जमीन हिला दी। उन्हीं के शब्दों में-'साब, जबसे आपने हमारे थाने को संभाला है, पुलिस इतनी मेहनत कर रही है कि पूछिऐ मत। पहले तो रात में निकलता ही नहीं था कोई। अभी हाल में फलाने गांव मे डाका पड़ा, इतनी मेहनत करी पुलिस ने और पिछले महीने ढिमके गांव में डकैती पड़ी, साब, कितनी मेहनत की पुलिस वालों ने। गजब का सुधार हुआ है, आप के आने से...' अब मुझे काटो तो खून नहीं। उन्हें विदाकर अपने बुजुर्ग पेशकार ओमप्रकाश सिंह तोमर को बुलाकर नेताजी की तारीफ के बारे में बतलाते हुए चिंता व्यक्त की। पेशकार बहुत अनुभवी थे। उन्होंने कहा कि कोई शिकायत तो नहीं आई है सर। ऊपर के अफसर भी कहां चाहते हैं कि क्राइम बढ़े। जब कोई शिकायत आएगी, तब कार्रवाई कर दीजिएगा।

मुझे परेशानी से उबरता न देखकर पेशकार साहब ने विभाग का रहस्य बतलाया कि सरकार से थानेदार तक कोई नहीं चाहता कि अपराध बढ़ता दिखाई दे। सब आंकड़ों का खेल है। अपराध के आंकड़े बढ़ने पर विपक्ष सरकार को घेर लेती है और सरकार अफसरों को। थानेदार लूट-डकैती नहीं लिखता है। अफसरों की नौकरी बचाने के लिए और चोरी-नकबजनी नहीं लिखता है, अपनी थानेदारी बचाने के लिए, लेकिन सच यह है कि डकैती न लिखने पर भी मौके पर सारी कार्रवाई का दिखावा करना पड़ता है, अपराधी भी पकड़े जाते हैं, बस उन्हें डकैती के बजाय डकैती की योजना बनाते हुए पुलिस मुठभेड़ में तमंचा आदि के साथ पकड़कर बंद कर दिया जाता है। फिर उनकी पिटाई कर इतनी दहशत भर दी जाती है कि वह महीनों जमानत नहीं कराते। अभी जो बदमाश मुठभेड़ में मारे गए हैं, वह सभी शातिर लुटेरे हैं। बाकी क्राइम कंट्रोल मिमिमाइजेशन (अपराध को हल्के धाराओं में दर्ज करना) और कंसीलमेंट (अपराध को बिल्कुल न लिखना) पर ही चल रहा है पूरे सूबे में। इसके बाद मेरे ज्ञान चक्षु खुल गए और मैंने कभी जिला पुलिस में तैनाती के लिए कोशिश नहीं की और नौकरी का बड़ा हिस्सा इंटेलिजेंस, विजिलेंस और सुरक्षा में बिताकर आज से साढ़े आठ साल पहले रिटायर हो गया।

-अरुण गुप्ता
पूर्व आईपीएस, उप्र

लव बर्ड्स

वो दोस्त जो जीवनसाथी बन गया

दोस्ती-एक ऐसा रिश्ता जो धीरे-धीरे जीवन की सबसे मजबूत नींव बन जाता है। कुछ ऐसा ही मेरे साथ भी हुआ। मुझे आज भी याद है, 2009 की बात है, जब मैं केमिस्ट्री की कोचिंग कर रही थी। हमारी क्लास में एक लड़का था, हमेशा शांत, विनम्र और पढ़ाई में अव्वल। वहीं मैं स्वभाव से काफी चंचल थी। हमारी कोचिंग के दिनों में हम दोनों के बीच लगभग कोई बातचीत नहीं होती थी। कोचिंग पूरी होने के बाद मैं बीएससी करने चली गई और वह भी अपनी पढ़ाई में व्यस्त हो गया। अचानक एक दिन हमारी मुलाकात हुई और वहीं से हमारी दोस्ती की शुरुआत हुई। समय के साथ यह दोस्ती गहरी होती गई और हम अपनी छोटी-बड़ी सभी बातें एक-दूसरे से साझा करने लगे।

इसी दौरान मेरी बड़ी बहन, जिन्हें ब्रेन ट्यूमर था, उनका ऑपरेशन दिल्ली के एम्स में होना था। उस समय मेरे साथ केवल दो बहनें थीं-एक जो बीमार थीं और दूसरी जो मेरा सहारा बनी हुई थीं। वहां छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी हमें कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। यह बात मैं अक्सर अपने दोस्त से साझा करती थी। शायद उसे महसूस हुआ कि हम वहां अकेले संघर्ष कर रहे हैं, इसलिए उसने अपने घर पर झूठ बोलकर दिल्ली पहुंचने का फैसला कर लिया। दिल्ली पहुंचकर उसने मेरी बड़ी बहन के साथ मिलकर सारा काम संभाल लिया। ऑपरेशन सफल रहा और मेरी बहन पूरी तरह ठीक हो गई। इस घटना के बाद हमारी दोस्ती और मजबूत हो गई। वह मेरे घर आने-जाने लगा और देखते ही देखते हमारे परिवार का एक अभिन्न हिस्सा बन गया। इसी बीच मेरे शादी के रिश्तों की बातचीत भी चल रही थी। घर में पापा की सबसे छोटी और सबकी लाडली होने के कारण सभी मेरे लिए बेहतर से बेहतर रिश्ता ढूंढने में लगे थे। लेकिन मेरे मन में लगातार एक डर था कि कहीं मेरा विवाह ऐसी जगह न हो जाए जहां मैं अपनी तरह से जीवन न जी सकूं। कई रिश्ते आते-जाते रहे, और मैं लगातार उलझन में डूबी रही। एक दिन, इसी उधेड़बुन में, मैंने अपने दोस्त से पूछा-"अगर तुम्हारे जीवन में कोई और नहीं है। तो क्या तुम मुझसे शादी करोगे?"

वह कुछ क्षणों के लिए सक्त रह गया। फिर बोला- "मुझे थोड़ा समय दो मैंने कभी इस बारे में सोचा ही नहीं।" मैंने उसका उत्तर पाने के लिए इंतजार किया। मगर हमारे बीच एक बड़ी बाधा थी-जाति। वह ठाकुर था और मैं कायस्थ। कई उतार-चढ़ाव आए, कई बार स्थितियां मुश्किल हुईं, लेकिन अंततः हमने हिम्मत दिखाई। मैंने अपने परिवार को और उसने अपने परिवार को इस रिश्ते के लिए मनाया। लंबी कोशिशों और अनेक भावनात्मक संघर्षों के बाद, 22 फरवरी 2022 को हमारी शादी धूमधाम से संपन्न हुई। आज भी हम पहले की तरह ही अच्छे दोस्त हैं। हमारी दोस्ती ही हमारा सबसे मजबूत रिश्ता है-वही दोस्ती जो सम्मान, भरोसे और साथ से पति-पत्नी के सुंदर बंधन में बदल गई।

-आशीष एवं नैंसी श्रीवास्तव, अयोध्या।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,231.92	26,068 .15
गिरावट	400 .76	124
प्रतिशत में	0 .47	0 .47

सोना 1,26,715.00 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,54,900 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 22 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

कॉम्बिनेशन मीटर बदलने को 11500 अर्बन क्रूजर हाइडर वापस मंगाईं

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर अपने मध्यम आकार की एसयूवी अर्बन क्रूजर हाइडर की 11,529 इकाइयों को डैशबोर्ड के एक हिस्से की जांच और बदलने के लिए वापस मंगा रही है। इन इकाइयों को वापस मंगाने का मकसद नौ दिसंबर 2024 से 29 अप्रैल 2025 के बीच बनी 11,529 वाहनों में यदि 'कॉम्बिनेशन मीटर' में खराबी पाई जाती है, तो उसकी जांच करना और बदलना है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि अपने 'सबसे पहले ग्राहक' दृष्टिकोण और उच्चतम गुणवत्ता मानकों के प्रति प्रतिबद्धता के तहत कंपनी ग्राहकों की चिंताओं को तुरंत दूर करती रहेगी।

इजराइल के साथ एफटीए का रास्ता खुला

नई दिल्ली। भारत और इजराइल के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर जल्द ही वार्ता शुरू होगी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और इजराइल के उद्योग एवं आर्थिक मामलों के मंत्री नीर बरकत के बीच हुई एक बैठक में एफटीए पर बातचीत की दिशा तय करने के लिए दोनों मंत्रियों ने गुरुवार को एक टर्म ऑफ रिफ्रेंस (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए। इजराइल की आधिकारिक यात्रा पर गए गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि अंतिम मुक्त व्यापार समझौते तक पहुंचने के लिए बातचीत को आसान बनाने की दिशा में टीओआर पहला जरूरी कदम है।

इंटरग्लोब एविएशन में 82 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी इंडिगो

मुंबई। घरेलू विमान कंपनी इंडिगो ने विमान अधिग्रहण के लिए अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी इंटरग्लोब एविएशन फाइनेंशियल सर्विसेज आईएफएससी प्राइवेट लिमिटेड में 82 करोड़ डॉलर (करीब 7,270 करोड़ रुपये) के निवेश को शुक्रवार को मंजूरी दे दी है। यह निवेश शेयर और 0 .01 प्रतिशत गैर-संचयी वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय प्रतिदेय तरजही शेयर (ओसीआरपीएस) के संयोजन के माध्यम से एक या एक से अधिक किस्तों में किया जाएगा।

रियल एस्टेट और इन्फ्रा निवेश ट्रस्टों में खुदरा निवेश बढ़ाने की जरूरत

सेबी प्रमुख ने कहा- बुनियादी ढांचा जरूरतों के लिए पैसे जुटाने का अनोखा अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के अध्यक्ष तुहीन कांत पांडेय ने रियल एस्टेट निवेश ट्रस्टों (रिट्स) और बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्टों (इनविट्स) में खुदरा निवेश बढ़ाने की जरूरत पर बल देते हुए शुक्रवार को कहा कि ये दोनों तंत्र देश की बुनियादी ढांचा जरूरतों के लिए पैसे जुटाने का अनोखा अवसर प्रदान करते हैं।

भारत इनविट्स एसोसिएशन और इंडियन रिट्स एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए पांडेय ने बताया कि सेबी दोनों इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश बढ़ाने के उपाय कर रहा है। इसके लिए वह केंद्रीय वित्त मंत्रालय

● केंद्रीय वित्त मंत्रालय और राज्य सरकारों के साथ की जा रही चर्चा

और राज्य सरकारों के साथ भी चर्चा कर रहा है। उन्होंने एमएससीआई की तरह दूसरे सूचकांकों में इन्हें अधिक से अधिक शामिल करने की जरूरत पर बल दिया। कार्यक्रम में नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने कहा कि सरकार को परिसंपत्ति प्रबंधन की जिम्मेदारी निभाने की बजाय इनविट्स बनाकर उसके मौद्रीकरण को सरल बनाने पर विचार करना चाहिये। उन्होंने कहा कि भारत के पास रिट्स और इनविट्स मिलाकर एक लाख करोड़ डॉलर यानी लगभग 90 लाख करोड़ रुपये के निवेश तक पहुंचने की संभावना है।

वर्तमान में देश में पांच सूचीबद्ध रिट्स और 24 सूचीबद्ध इनविट्स हैं। इनके पास सम्मिलित रूप से 9.25 लाख करोड़ रुपये का निवेश है। इसमें सात लाख करोड़ रुपये का निवेश इनविट्स के पास है। पांडेय के अनुसार आने वाले समय में देश में सड़क, परिवहन, शहरीकरण, ऊर्जा और विमानन क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। वैश्विक स्तर पर जहां सभी सूचीबद्ध रियल एस्टेट परिसंपत्तियों में 57 प्रतिशत रिट्स और इनविट्स का हिस्सा हैं, वहीं भारत में यह महज 12 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि दोनों तंत्र देश में नये हैं और इन्हें बढ़ावा देने के उपाय किये जाने चाहिये।

सेबी ने पेंशन फंड नियामक और बीमा नियामकों से उनके द्वारा नियमित इकाइयों को इनविट्स और रिट्स में निवेश के लिए प्रोत्साहित करने की अपील की। साथ ही कहा कि म्यूचुअल फंडों में अतिरिक्त तरलता पूल तैयार किया जायेगा ताकि इन दोनों तंत्रों में निवेश कर देश में बुनियादी ढांचे के लिए ज्यादा से ज्यादा पूंजी उपलब्ध करायी जा सके। उन्होंने खुदरा निवेशकों को इनविट्स और रिट्स में निवेश के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि देश में सिर्फ 10 प्रतिशत निवेशक इनके बारे में जागरूक हैं। खुदरा निवेशकों को अन्य विकल्पों की तरह इन्हें एक स्वाभाविक विकल्प के रूप में देखना चाहिये।

भारतीय उपमहाद्वीप के अध्ययन को 100 करोड़ देगा अडानी ग्रुप

अहमदाबाद। अडानी समूह भारतीय उपमहाद्वीप - विशेषकर भारत - के इतिहास, यहां की संस्कृति और विरासत के अध्ययन के लिए काम करने वाले विद्वानों और प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञों को 100 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करेगा। समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने शुक्रवार को अडानी वैश्विक इंडोलॉजी सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारत नॉलेज ग्राफ बनाने और इंडोलॉजी मिशन में काम करने वाले विद्वानों और विशेषज्ञों के लिए वित्तीय प्रतिबद्धता की घोषणा की। कहा कि आने वाले समय में बच्चे अपने देश के बारे में जानने के लिए न तो किताबों के पन्ने पलटेंगे और न ही किसी जानकार के पास जायेंगे। वे एआई से और मशीन से पूछेंगे। वर्तमान समय में भारत के बारे में एआई पर जो भी उपलब्ध है वह देश को सही ढंग से परिभाषित नहीं करता और इसलिए भारत नॉलेज ग्राफ तैयार करने और इंडोलॉजी मिशन की जरूरत है।

शेयर बाजार में जारी तेजी थमी सेंसेक्स 400 अंक लुढ़का

मुंबई, एजेंसी

घरेलू शेयर बाजारों में दो दिनों से जारी तेजी पर शुक्रवार को विराम लगा और दोनों मानक सूचकांक, बीएसई सेंसेक्स 400 अंक लुढ़क गया, जबकि एनएसई निफ्टी 124 अंक टूटा। कमजोर वैश्विक रुझानों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होने से बाजार में गिरावट आई। तीस शेयर पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 400.76 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85,231.92 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान एक समय यह 444.84 अंक तक फिसल गया था। पचास शेयर वाला एनएसई निफ्टी 124 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,068.15 पर बंद हुआ। पिछले दो सत्र में यह एक प्रतिशत यानी 282 अंक से अधिक चढ़कर 26,000 के पार पहुंच गया था। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाटा स्टील, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और इटर्नल के शेयर में प्रमुख रूप से गिरावट आई। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स और आईटीसी शामिल हैं। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका में उम्मीद से बेहतर गैर-कृषि वेतन आंकड़ों ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को कम कर दिया है। इससे वैश्विक बाजारों में निवेशकों की धारणा कमजोर हुई। एआई से संबंधित शेयरों में जरूरत से अधिक तेजी को लेकर चिंता ने भी वैश्विक बाजारों में निवेशकों की धारणा को कमजोर किया। एशिया के अन्य बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई।

चार श्रम संहिता लागू की गईं मौजूदा श्रम कानून होंगे सरल

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने शुक्रवार को एक ऐतिहासिक फैसले में चार श्रम संहिताओं को तत्काल प्रभाव से लागू करने की घोषणा की। इनके जरिये 29 मौजूदा श्रम कानूनों को तर्कसंगत बनाया गया है। ये चार श्रम संहिताएं - वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएं संहिता, 2020 हैं।

श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने बताया कि चारों श्रम संहिताओं को अधिसूचित कर दिया गया है और अब ये देश का कानून हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि श्रम नियमन को आधुनिक बनाकर, श्रमिकों के कल्याण को बढ़ाकर तथा श्रम परिवेश को बदलते कार्य जगत के साथ जोड़कर यह कदम भविष्य के लिए तैयार कार्यबल और मजबूत उद्योगों की नींव रखता है। बयान में कहा गया कि इससे आत्मनिर्भर भारत के लिए श्रम सुधारों को गति मिलेगी। मंत्रालय ने कहा कि भारत के कई श्रम कानून आजादी से पहले और आजादी के शुरुआती दौर (1930 से 1950 के दशक तक) में बनाए गए थे। उस समय अर्थव्यवस्था और कार्य जगत बहुत अलग थे। बयान में आगे कहा गया कि अधिकांश बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने हाल के दशकों में अपने श्रम नियमन को समय के अनुसार बदला है, लेकिन भारत 29 केंद्रीय श्रम कानूनों में बिखरे हुए खंडित, जटिल और पुराने प्रावधानों के साथ काम रहा था।

एसएफआईओ के नोटिसों पर आसान सत्यापन के लिए होगा क्यूआर कोड

नई दिल्ली, एजेंसी। गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) द्वारा जारी नोटिसों पर अब क्यूआर कोड का प्रावधान किया गया है जिसके माध्यम से आसानी से इनका सत्यापन किया जा सकेगा। कंपनीज एक्ट, 2013 के तहत गठित एसएफआईओ इस कानून की धारा 212 के तहत सौंपे गये गंभीर और बड़े कॉर्पोरेट धोखाधड़ी की जांच करता है और उन पर केस चलाता है। जांच के दौरान, नियमों के मुताबिक नोटिस भी जारी किया जाता है।

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि एसएफआईओ ने समन अथवा नोटिस के गलत इस्तेमाल या नकल को रोकने के लिए प्रौद्योगिकी और प्रक्रिया के स्तर पर सुरक्षात्मक उपाय किये हैं। एसएफआईओ द्वारा जारी किये गये नोटिस डिजिटली जेनरेट होते हैं और उनमें एक क्यूआर कोड और एक विशिष्ट दस्तावेज पहचान संख्या (डीआईएन) होता है। कुछ बेहद खास परिस्थितियों को छोड़कर एसएफआई के अधिकारियों को सिर्फ़ डिजिटल तरीके से जेनरेट नोटिस जारी करने का अधिकार है।

जंगली जानवरों और बाढ़ से फसल नुकसान भी अब पीएम फसल बीमा योजना के दायरे में

नागपुर, एजेंसी

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि जलभराव और जंगली जानवरों से फसल के नुकसान का मुआवजा अब प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत मिलेगा। नागपुर में 'एग्रोविजन इवेंट' में एक सभा को संबोधित करते हुए, चौहान ने कहा कि सरकार ने वर्ष 2023-24 की तुलना में 2024-25 में अनाज का उत्पादन छह प्रतिशत बढ़ाने में कामयाबी हासिल की है। उन्होंने कहा कि पिछले 10-11 सालों में कुल उत्पादन 44 प्रतिशत बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के इस दौर में, कोई यह अंदाजा नहीं लगा सकता कि कब बारिश होगी या कब सूखा पड़ सकता है।

चौहान ने कहा कि मैं किसानों को अच्छी खबर देना चाहता हूं... पीएमएफबीवाई,

● नागपुर में हुए एग्रोविजन इवेंट में केंद्रीय कृषि मंत्री ने शिवराज सिंह की घोषणा

जो फसल के नुकसान के लिए जोखिम से सुरक्षा और मुआवजा देती है, के दायरे में अब बाढ़ और जंगली जानवरों से होने वाले नुकसान को भी शामिल किया जाएगा। चौहान ने कहा कि किसान लंबे समय से ऐसे प्रावधान नहीं होने की शिकायत कर रहे थे, और अब इस योजना के तहत इन नुकसानों की भरपाई की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत खेती के एक नए दौर में जा रहा है।

विचार से नवाचार की ओर, मशीनीकरण से विविधीकरण की ओर, एकीकरण से सिंचाई की ओर और उपग्रह से ड्रोन की ओर बढ़ रहा है। कृषि मंत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार सिंचाई में स्वचालन, मंडियों के आधुनिकीकरण और खेतों के विविधीकरण जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ रही है।

चौहान ने यह भी कहा कि सरकार ने जीन स्तर पर संसाधित (जीनोम एडिटिंग) तरीकों का इस्तेमाल करके दो तरह के अनाज सफलतापूर्वक उगाए हैं। उन्होंने दोहराया कि किसानों की आय दोगुनी करना सरकार और प्रधानमंत्री की प्राथमिकता है, जिसके लिए उत्पादन और मुनाफा बढ़ाना जरूरी है।

उन्होंने आईसीएआर के वैज्ञानिकों को किसानों की मांग पर आधारित शोध करने, प्रयोगशाला को जमीन से जोड़ने और अच्छी गुणवत्ता के बीज देने का काम सौंपा। इन क्षेत्रों में शोध पहले से ही चल रहा है।

राष्ट्रीय

भारत से हर घुसपैठिये को बाहर निकाला जाएगा : शाह

केंद्रीय गृहमंत्री ने भुज में बीएसएफ के हीरक जयंती समारोह को किया संबोधित, एसआईआर को लेकर तृणमूल पर किया कटाक्ष

भुज (गुजरात), एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि सरकार देश से हर घुसपैठिये को बाहर निकाल देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल एसआईआर प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं क्योंकि वे चाहते हैं कि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में बने रहें। वह गुजरात के कच्छ जिले के भुज में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के हीरक जयंती (61वें स्थापना दिवस) समारोह को संबोधित कर रहे थे। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर शाह की टिप्पणी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को कड़े शब्दों में

भुज में बीएसएफ के हीरक जयंती समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे अमित शाह।

पत्र लिखे जाने के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने (बनर्जी ने) इस प्रक्रिया को तुरंत रोकने का अनुरोध किया था। शाह ने कहा, आज बीएसएफ देश की सभी सीमाओं पर घुसपैठ रोकने में लगा हुआ है। घुसपैठ रोकना न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को दूषित होने से बचाने के लिए भी आवश्यक है। एसआईआर को मतदाता सूची का शुद्धिकरण बताते हुए शाह ने कुछ राजनीतिक दलों पर अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सरकार के अभियान को कमजोर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये पार्टियां निर्वाचन आयोग द्वारा जारी एसआईआर का विरोध कर रही हैं, क्योंकि वे यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में बने रहें। शाह ने कहा, मैं इस हीरक जयंती समारोह में बहुत स्पष्ट करना चाहता हूं कि हम इस देश से एक-एक घुसपैठिये को चुन-चुन कर बाहर निकालेंगे। यह हमारा प्रण है। एक-एक घुसपैठिए को देश से बाहर निकालना मोदी सरकार का संकल्प है। उन्होंने कहा, देश के किसी भी राज्य का मुख्यमंत्री कौन होगा या देश का प्रधानमंत्री कौन होगा, यह निर्णय केवल भारत के नागरिक ही कर सकते हैं। घुसपैठियों को हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को दूषित करने और हमारे लोकतांत्रिक निर्णयों को प्रभावित करने का कोई अधिकार नहीं है। गृह मंत्री ने कहा कि एसआईआर भारत के लोकतंत्र को सुरक्षित और शुद्ध करने की एक प्रक्रिया है और हर नागरिक को इसका पूरा समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं उन राजनीतिक दलों को भी आगाह करना चाहता हूं जो इन घुसपैठियों को बचाने में लगे हैं। बिहार चुनाव देश की जनता का जनादेश था। और यह जनादेश हमारे देश में घुसपैठियों की मौजूदगी के खिलाफ है।

सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों से होंगे नक्सलमुक्त

उन्होंने कहा कि सभी सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों की बदौलत भारत बहुत जल्द नक्सली समस्या से मुक्त हो जाएगा। शाह ने कहा, हम 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सल समस्या से हमेशा के लिए मुक्त करने और अपने आदिवासी भाइयों-बहनों के विकास का मार्ग प्रशस्त करने के लिए दृढ़संकल्पित हैं। तिरुपति से पशुपति तक का पूरा कॉरिडोर सुरक्षित रहेगा और शेष भारत की तरह प्रगति करेगा। छत्तीसगढ़ में बीएसएफ ने 127 माओवादियों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर किया है, 73 को गिरफ्तार किया है और 22 को मार गिराया है। उन्होंने कहा कि न केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बल्कि पूरा देश बीएसएफ जवानों की बहादुरी और अनुकरणीय साहस को सलाम करता है। उन्होंने उपस्थित लोगों को बताया कि अब तक बीएसएफ के 2,013 बहादुर जवानों ने देश की सीमाओं की सुरक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है।

दो बाइकों की भिड़ंत में युवक और अधेड़ की मौत

संवाददाता, रानीगंज (प्रतापगढ़)

● हादसे के बाद एक की मौके पर मौत व दूसरे ने अस्पताल में तोड़ा दम

अमृत विचार : रानीगंज थाना क्षेत्र के बोर्रा निवासी 19 वर्षीय प्रियांशु यादव पुत्र लाल बहादुर यादव अपने घर से बाइक लेकर शुक्रवार की दोपहर ननिहाल लच्छीपुर जा रहा था। बुढ़ौरा कुंभापुर निवासी 55 वर्षीय गफ्फार अली बाइक से रानीगंज आ रहे थे। रास्ते में साईं बालिका इंटर कॉलेज के पास दोनों बाइकों की आमने - सामने टक्कर हो गई। जोरदार टक्कर में गफ्फार की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद मौके जुटी भीड़ ने घायल युवक को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर भेजवाया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान युवक की भी सांसे थम गईं। प्रियांशु भाइयों में सबसे बड़ा था। वह इंटर में पढ़ाई कर रहा था। खबर सुनते ही बड़ी बहन रिया,सबसे छोटा भाई हिमांशु रो-रो कर बेहाल हो गए। पिता लाल बहादुर रोजगार के सिलसिले में मुंबई रहते हैं। गफ्फार का एक बेटा गुफरान सऊदी अरब में रहता है। दो बेटियों की शादी कर दी है, अपने ससुराल में है। मृतक घर पर रहकर बुकिंग पर बोलेरो गाड़ी का चलवाते थे। हादसे में मौत की खबर सुनकर पत्नी किस्मतुल और बेटियां बिलखने लगीं। बेटा फोन पर सुनकर सऊदी अरब में रोने बिलखने लगा। पुलिस बाइकों को हटवाकर थाने ले गई। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एनआईए मुख्यालय में वकील से मिलने की याचिका नामंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली बम विस्फोट

● हाईकोर्ट ने कहा- आरोपी के लिए कोई नई प्रक्रिया नहीं बनाई जा सकती

दिल्ली उच्च न्यायालय ने लालकिले के निकट धीमी गति से चलती कार में हुए विस्फोट मामले के सह-आरोपी जसीर बिलाल वानी की उस याचिका पर आदेश पारित करने से शुक्रवार को इन्कार कर दिया, जिसमें एनआईए मुख्यालय में वकील से मुलाकात करने देने का अनुरोध किया गया था।

न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि आरोपी एनआईए मुख्यालय में अपने वकील से मुलाकात करने देने की अनुरोध याचिका को खारिज करने संबंधी निचली अदालत का कोई भी आदेश दिखाने में विफल रहा है। उच्च न्यायालय ने कहा कि आरोपी कोई विशेष व्यक्ति नहीं है तथा अदालत में एक निश्चित प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए और उसके लिए कोई नई प्रक्रिया नहीं बनाई जा सकती। न्यायाधीश ने कहा, आपको लगता है कि मैं अपनी प्रक्रिया स्वयं बनाऊंगा, मैं ऐसा नहीं करूंगा। यह कोई विशेष प्रक्रिया नहीं है। अदालत ने यह टिप्पणी उस वक्त की, जब वानी के वकील ने दावा किया कि निचली अदालत ने अर्जी को मौखिक रूप से खारिज कर दिया था। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा, कोई मौखिक अस्वीकृति नहीं हो सकती। यदि आपके पास आदेश नहीं है, तो आप मेरे सामने क्यों हैं।

सड़क हादसे में घायल व्यवसायी की मौत

संवाददाता, कुंडा (प्रतापगढ़)।

अमृत विचार : बाघराय थाना क्षेत्र के मंडल भासौं गांव निवासी 45 वर्षीय छंगूलाल सरोज पुत्र रामफल गुरुवार की शाम मोपेड से पावरोटी खरीदने जा रहा था। फूलपुर मौरी चौराहे के पास कार की टक्कर से घायल हो गया। परिजन घायल को सीएचसी लाए। प्राथमिक उपचार के बाद भी डाक्टरों ने स्वरूप रानी अस्पताल प्रयागराज रेफर कर दिया। इलाज के दौरान गुरुवार देररात उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई गोविन्द प्रसाद की तहरीर पर पुलिस ने कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। बाजार के व्यापारियों ने पावरोटी व्रिकेता की मौत पर शोक जताया है।

मोशन के अबु हंजला का एमबीबीएस में प्रवेश, जताई खुशी

संवाददाता, प्रतापगढ़। अमृत विचार : कोटा राजस्थान की कोचिंग मोशन प्रतापगढ़ ने साल भर में ही नीट परीक्षा में परचम लहरा दिया है। मोशन में पढ़ने वाले विद्यार्थियों में से एक विद्यार्थी ने नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर एमबीबीएस में कानपुर मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लिया। शहर के बेगमवार्ड के अबू हंजला पुत्र सेरात अहमद 529 अंक प्राप्त कर परीक्षा में चयनित हुए हैं। संस्थान के निदेशक ऋषभ त्रिपाठी ने चयनित विद्यार्थी एवं उनके परिजनों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मोशन प्रतापगढ़ में कोटा के अनुभवी शिक्षकों द्वारा जेईई, नीट और फाउंडेशन की बेहतर तैयारी करवाई जाती है। इसी मेहनत का यह परिणाम है। चयनित छात्र अबु हजंला ने जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज कानपुर में एमबीबीएस में प्रवेश लिया। चयन पर खुशी जताते हुए शिक्षकों ने बधाई दी।

अबु हंजला का मुंह मीठा कराते मोशन प्रतापगढ़ के निदेशक ऋषभ त्रिपाठी।

दहेज में दो लाख रूपये न देने पर विवाहिता को किया बेघर, केस दर्ज

संवाददाता, कुंडा (प्रतापगढ़)

अमृत विचार : संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के बसोय भटनी गांव निवासी मनीषा यादव पुत्री कृष्ण लाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी राजबहादुर यादव निवासी खपराही लालगंज के साथ चार फरवरी 2015 को हुई। उसके तीन बच्चे हैं। लेकिन ससुरालीजन दहेज में दो लाख रुपये के लिए उसे आए दिन प्रताड़ित करते रहे। रुपये न दे पाने पर ससुरालीजनों ने 13 जुलाई 2025 को उसका सामान छीनकर मारपीट कर घर से भगा दिया। एसपी के आदेश पर पुलिस ने पीड़िता मनीषा की तहरीर पर पति राज बहादुर यादव, सास उर्मिला यादव, देवर श्याम बहादुर यादव, ननद मालती यादव पत्नी राजेश यादव निवासी बाबा का पुरवा खपराही लालगंज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

बिहार मंत्रिमंडल में विभागों का बंटवारा भाजपा के सम्राट को मिला गृह विभाग

पटना, एजेंसी

● राज्य में पहली बार भाजपा के किसी नेता को सौंपा गया गृह विभाग

● इससे पहले नीतीश कुमार अपने पास ही रखते थे यह मंत्रालय

बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने शुक्रवार को अपने मंत्रिमंडल में विभागों का बंटवारा किया, जिसके तहत उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को गृह विभाग का कार्यभार सौंपा गया है। बिहार में पहली बार भाजपा के किसी नेता को गृह विभाग दिया गया है।

एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार कुमार ने सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी), कैबिनेट सचिवालय, निगरानी और चुनाव विभाग अपने पास रखे हैं। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के बाद बृहस्पतिवार को पटना के गांधी मैदान में कुमार ने रिकॉर्ड 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इसके अलावा 26 मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण की। कुमार के मुख्यमंत्री रहते हुए यह पहला अवसर है जब उनके पास गृह विभाग नहीं होगा। इससे पहले उनके सभी कार्यकाल में यह विभाग उनके पास ही रहा है। भाजपा और कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) समेत विभिन्न दलों के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में गृह विभाग को लेकर खींचतान चल रही थी। अब उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी राज्य की कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालेंगे। कैबिनेट विभाग की अधिसूचना के अनुसार भाजपा से उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को भूमि एवं राजस्व विभाग और खान एवं भू-तत्व विभाग दिए गए हैं। मंगल पांडे को स्वास्थ्य विभाग और विधि, दिलीप जायसवाल को उद्योग विभाग, नितिन नवीन को पथ निर्माण और नगर विकास एवं आवास विभाग सौंपा गया है। इसके अलावा, रामकृपाल यादव को कृषि विभाग, संजय टाइगर को श्रम संसाधन विभाग, अरुण शंकर प्रसाद को पर्यटन विभाग तथा कला, संस्कृति एवं युवा विभाग की जिम्मेदारी दी गई है।

वर्ल्ड ब्रीफ

नाइजीरिया में स्कूल में घुसकर विद्यार्थियों का अपहरण किया

अबुजा। नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने शुक्रवार सुबह पश्चिमी प्रांत में स्थित एक कैथोलिक स्कूल पर धावा बोलकर कई विद्यार्थियों और कर्मचारियों का अपहरण कर लिया। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब कुछ दिन पहले ही पड़ोसी राज्य में बंदूकधारियों ने 25 छात्राओं को अगवा कर लिया था। राज्य सरकार में सचिव अबुबकर उस्मान ने बताया कि यह हमला और अपहरण सेंट मैरी स्कूल में हुआ, जो अगवारा में स्थित है। हालांकि, उन्होंने अगवा किए गए विद्यार्थियों और कर्मचारियों के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की। स्थानीय टीवी चैनल 'अराइज टीवी' की खबर के मुताबिक, 52 विद्यार्थियों का अपहरण किया गया है। इस घटना की किसी भी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

ब्रिटेन ने स्विंडन में की नए ड्रोन उत्पादन केंद्र की शुरुआत

लंदन। ब्रिटेन ने दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के स्विंडन में एक नया ड्रोन उत्पादन केंद्र शुरू किया है। ब्रिटिश सरकार ने गुरुवार को एक बयान में कहा, 40,000 वर्ग फुट में निर्मित इस संयंत्र का उद्घाटन रक्षा मंत्री अल कार्न्स ने किया है। यह जर्मनी के बाहर स्टार्क का पहला उत्पादन केन्द्र है। आने वाले महीनों में यहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से लैस मानवरहित ड्रोनों का निर्माण शुरू हो जाएगा। बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि ड्रोन यूक्रेन को दिए जाएंगे या नहीं, लेकिन कहा गया है कि यह सुविधा हजारों वर्टस लोइटरिंग गोला-बारूद का उत्पादन करेगी, जिसे यूक्रेन में पहले ही सफलतापूर्वक तैनात किया जा चुका है। स्टार्क यूके के प्रबंध निदेशक माइक आर्मस्ट्रांग ने कहा कि इस संयंत्र में निवेश का उद्देश्य ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय, यूक्रेन और अन्य यूरोपीय साझेदारों की सहायता करना है।

आईएस समर्थित विद्रोहियों ने पूर्वी कांगो में 89 लोगों की हत्या की

गोमा। इस्लामिक स्टेट समर्थित विद्रोही समूह ने पूर्वी कांगो में कई गांवों पर हमला कर 89 लोगों की हत्या कर दी। देश में स्थित संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन ने बताया, लुबेरो शहर से लगभग 60 किमी पश्चिम में स्थित ब्याम्बे गांव में 'एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेस' ने शनिवार को एक अस्पताल में 17 लोगों की हत्या की। इनमें प्रसूति वार्ड में भर्ती 11 महिलाएं भी शामिल थीं। मिशन के कार्यवाहक प्रमुख ब्रूनो लेमारक्विस ने कहा, नागरिकों के खिलाफ की गई हिंसा, जिसमें चिकित्सा सुविधाओं में होने वाले हमले भी शामिल हैं, युद्ध अपराधों और अंतरराष्ट्रीय कानून के गंभीर उल्लंघनों के दायरे में आ सकती है।

ईरान के पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री में शामिल भारतीय संस्थाओं पर प्रतिबंध

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- अमेरिका ने आतंकी समूहों तक पैसा पहुंचने का लगाया आरोप

अमेरिका ने भारत की उन संस्थाओं और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाए हैं जो ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री में शामिल हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने कहा कि इस व्यापार से मिलने वाली धनराशि तेहरान के क्षेत्रीय आतंकवादी समूहों को समर्थन देने और हथियार प्रणालियां खरीदने में उपयोग की जाती है, जो अमेरिका के लिए सीधा खतरा हैं।

अमेरिका के विदेश और वित्त मंत्रालयों ने उन 'शिपिंग नेटवर्क' पर प्रतिबंध लगाए हैं जो ईरानी शासन की दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों को अवैध तेल बिक्री के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। साथ ही उन एयरलाइंस और उनसे जुड़ी कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं, जो ईरान समर्थित आतंकी संगठनों को हथियार और आपूर्ति भेजती हैं। इस प्रतिबंध सूची में जिन भारतीय नागरिकों और कंपनियों को शामिल किया गया है उनमें जैर हुसैन इकबाल हुसैन सैय्यद, जुल्फिकार हुसैन रिजवी सैय्यद, महाराष्ट्र स्थित 'आरएन शिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड' और पुणे स्थित 'टीआर6 पेट्रो इंडिया एलएलपी' शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह भारत, पनामा और सेशेल्स सहित कई देशों में स्थित कुल 17 संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाज़ों को नामित कर रहा है जो ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री में शामिल हैं।

हर साल हजारों बच्चे लापता

बच्चों की गुमशुदगी के मामले में भारत की स्थिति बेहद गंभीर है। विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार भारत दुनिया के उन देशों में से एक है जहां बच्चों के लापता होने के मामले बहुत ज्यादा हैं। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, हर घंटे लगभग 11 बच्चे लापता हो जाते हैं, और उनमें से कम से कम चार कभी नहीं मिलते। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि लापता होने वाले बच्चों में करीब 75 प्रतिशत लड़कियां होती हैं। बाल तस्करी, बंधुआ मजदूरी और यौन शोषण बच्चों के लापता होने के प्रमुख कारण हैं। सरकारी तौर किए जाने वाले प्रयास और पुलिस सिस्टम इसमें कमी लाने में नाकाम रहे हैं। हाल ही में भारत में लापता बच्चों की स्थिति पर सर्वोच्च न्यायालय ने भी गहरी चिंता जताई है और केंद्र सरकार को इसमें कमी लाने और रोकने के लिए ठोस उपायों की अपेक्षा की है।

बच्चों की बढ़ती गुमशुदगी

लगातार बढ़ रहा है आंकड़ा

- रिकॉर्ड के अनुसार देश में हर 8 मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है, अनुमानित तौर पर हर साल करीब 96 हजार बच्चे लापता हो जाते हैं।
- लापता बच्चों में लड़कियों की संख्या लड़कों से काफी ज्यादा है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक 2022 में 75% लापता बच्चे लड़कियां थीं।
- 2022 में, 76,069 बच्चों के अपहरण की सूचना मिली थी पुलिस की जांच के बाद और 33,650 लापता बच्चों को अपहरण का शिकार माना गया था।
- एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा लापता बच्चे होते हैं, केरल और हरियाणा की स्थिति इस मामले में बेहतर है।

ये हैं प्रमुख कारण

- सबसे बड़ा कारण निसंतान दंपतियों को बच्चों को बेचने के रूप में उभरा है। देश में गोद लेने की प्रक्रिया कठिन होना इसका कारण है।
- बाल तस्करी दूसरी गंभीर समस्या है, जिसके तहत बच्चों को यौन शोषण, जबरन श्रम और भीख मांगने के लिए मजबूर किया जाता है।
- फिरौती के लिए अपहरण भी प्रमुख कारण है, कुछ सालों से इसमें हालांकि कमी आई है, लेकिन फिर भी लगातार ऐसी घटनाएं होती हैं।

वैश्विक स्तर पर भारत

- संयुक्त राज्य अमेरिका में हर साल अनुमानित रूप से 4,60,000 बच्चों के लापता होने की सूचना मिलती है।
- जर्मनी के सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार हर साल लगभग 1,00,000 बच्चों के लापता होने की सूचना मिलती है।
- यूनाइटेड किंगडम में यह संख्या काफी ह, यहां हर साल 1,12,853 बच्च लापता होने की सूचना दर्ज होती है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में उस रिपोर्ट पर चिंता जताई थी जिसमें कहा गया था कि भारत में हर 8 मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से गोद लेने की प्रक्रिया को सरल बनाने के साथ लापता बच्चों के मामलों को संभालने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया था। जस्टिस बीवी नागरत्ना और आर महादेवन की पीठ ने कहा कि यह गंभीर मुद्दा है। देश में गोद लेने की प्रक्रिया जटिल है जो बच्चों की गुमशुदगी का प्रमुख कारण है। कोर्ट ने गृह मंत्रालय को लापता बच्चों को ट्रेस करने और ऐसे मामलों की जांच के लिए समर्पित ऑनलाइन पोर्टल बनाने को भी कहा था।

देश में हुई चर्चित घटनाएं

- निठारी कांड सबसे भयावह घटनाओं में से एक था, जिसमें नोएडा के निठारी इलाके में नाले से 17 बच्चों के कंकाल मिले थे।
- पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में 2017 में 291 बच्चों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की गई थी, जो 2018 में बढ़कर 474 हो गई थी।
- भोपाल में एक महिला ने ढाई वर्ष और तीन महीने की दो बच्चियों को बेचने के लिए अगवा किया था।

जलवायु चुनौतियों से निपटने के लिए बने न्यायसंगत वैश्विक परिवर्ती तंत्र

भारत ने कॉप 30 में की अमीर और गरीब देशों की क्षमतानुसार भूमिका की पैरवी

- अमीर देशों की ओर से लगाए जा रहे प्रतिबंधों की आलोचना की

बेलेम, एजेंसी

कॉप 30 सम्मेलन के विशेष सत्र को संबोधित करते पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव।

वार्षिक जलवायु शिखर सम्मेलन कॉप 30 के समापन से पहले भारत ने समानता और सीबीडीआर-आरसी पर आधारित एक न्यायसंगत परिवर्ती तंत्र पर जोर दिया और साथ ही जलवायु संबंधी कदमों के परिप्रेक्ष्य में अमीर देशों की ओर से लगाए गए एकतरफा व्यापार प्रतिबंधों की कठोर आलोचना की।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा, एकतरफा कार्रवाई विशेष रूप से व्यापार-प्रतिबंध जलवायु उपाय, समानता और न्याय के सिद्धांतों को कमजोर करते हैं तथा एक निष्पक्ष और न्यायसंगत परिवर्तन को बाधित करने वाले कदम के रूप में कार्य करते हैं। यादव ने कहा कि भारत इस तंत्र की स्थापना के साथ बेलेम में एक महत्वाकांक्षी परिणाम की आशा करता है ताकि संधि और पेरिस समझौते को क्रियान्वित करने में एक महत्वपूर्ण कमी को दूर किया जा सके।

उन्होंने कहा, हमें अब एक सच्चे न्यायसंगत परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए समता और साझा लेकिन विभेदित उत्तरदायित्वों और संबंधित क्षमताओं (सीबीडीआर-आरसी) को क्रियान्वित करना होगा। पर्यावरण मंत्री बृहस्पतिवार को यूएई न्यायसंगत परिवर्तन कार्य कार्यक्रम (जेटीडब्ल्यूपी) के तहत 'न्यायसंगत परिवर्तन' विषय पर तीसरे वार्षिक उच्चस्तरीय मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। भारत और 190 से अधिक देशों के वार्ताकार जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने तथा नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ाने पर चर्चा कर रहे हैं। साथ ही अमीर और गरीब देशों की अलग-अलग क्षमताओं के आधार पर न्यायोचित परिवर्तन सुनिश्चित करने पर भी विचार कर रहे हैं।

यादव ने जेटीडब्ल्यूपी के ठोस परिणामों के बारे में कहा कि भारत अन्य विकासशील देशों के साथ मिलकर न्यायसंगत परिवर्तन तंत्र के निर्माण का दृढ़ता से समर्थन करता है। मंत्री ने कहा कि मौजूदा अंतराल को पाटने तथा व्यावहारिक समाधान निकालने के लिए ऐसी व्यवस्था अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ग्लोबल साउथ के लिए, राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप वित्त, प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण तक किफायती और पर्याप्त पहुंच सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी पीछे न छूटे।

दुनिया को मिलकर जलवायु संबंधी वित्त को बढ़ाने की जरूरत

बेलेम। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि भारत जलवायु कार्रवाई के हिस्से के तौर पर घरेलू अनुकूलन के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन वैश्विक खाई बढ़ने के चलते जलवायु अनुकूलन संबंधी वित्त को बढ़ाने की जरूरत है। यादव ने यह भी कहा कि जलवायु संबंधी वार्षिक शिखर सम्मेलन 'सीओपी 30' को एक साफ राजनीतिक संदेश देना चाहिए कि अनुकूलन कोई वैकल्पिक उपाय नहीं, बल्कि एक जरूरी निवेश है। उन्होंने जारी 'यूएन सीओपी 30' शिखर सम्मेलन में बृहस्पतिवार को अनुकूलन पर 'बाकू उच्चस्तरीय संवाद' में अपने संबोधन के दौरान कहा, वर्ष 2025 की अनुकूलन अंतराल रिपोर्ट का अनुमान है कि विकासशील देशों को 2035 तक सालाना 310-365 अरब अमेरिकी डॉलर की जरूरत होगी, जबकि अभी केवल 26 अरब अमेरिकी डॉलर मिल रहे हैं। यादव ने चिंता जताई कि अगर मौजूदा रुझान जारी रहा तो सार्वजनिक अनुकूलन वित्त को 2019 के स्तर से दोगुना करके 2025 तक लगभग 40 अरब अमेरिकी डॉलर करने का 'ग्लासगो जलवायु समझौते' का लक्ष्य शायद पूरा नहीं हो पाएगा।

यूक्रेन में अपार्टमेंट पर गिरा रूसी ग्लाइड बम, पांच की मौत

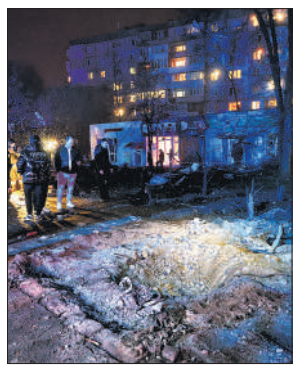

कीव। यूक्रेन के जापोरिज्जिया शहर के एक रिहाइशी इलाके में रूसी ग्लाइड बम हमले में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि एक किशोरी समेत दस लोग घायल हुए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक रूस द्वारा यूक्रेन पर किए गए हमले के बाद चार साल से जारी युद्ध को खत्म करने की अमेरिकी योजना के बारे में जानकारी सामने आने के बाद, बीती रात यह हमला हुआ। यूक्रेन के अधिकारी युद्ध खत्म करने के प्रस्तावों का अध्ययन कर रहे हैं। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि वह आगामी दिनों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात कर सकते हैं। स्थानीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख इवान फेदोरोव के अनुसार जापोरिज्जिया में हुए शक्तिशाली ग्लाइड बम हमले में ऊंची-ऊंची रिहाइशी इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। इसके अलावा स्थानीय मार्केट को भी नुकसान पहुंचा है।

ओली समर्थकों और जेन जी की अब काठमांडू में भिड़ंत

काठमांडू, एजेंसी

- घायल युवाओं का ओली के खिलाफ धरना, मौतों का जिम्मेदार बताया

नेपाल के जेन जी युवा और अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाले सीपीएन-यूएमएल के समर्थकों की शुक्रवार को एक बार फिर राजधानी काठमांडू में भिड़ंत हो गई। कुछ ही दिन पहले ही उनके बीच झड़प के कारण बारा जिले में कर्फ्यू लगाना पड़ा था। हालांकि स्थिति सामान्य होने के बाद बारा में शुक्रवार को कर्फ्यू हटा लिया गया है।

जेन जी समूह के दर्जनों घायल युवकों ने शुक्रवार को काठमांडू के माइतीघर मंडला में पूर्व प्रधानमंत्री ओली के खिलाफ धरना दिया। वे आठ सितंबर को प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ की गई कार्रवाई के लिए ओली को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, जिसमें 76 लोग मारे गए थे। शुक्रवार का प्रदर्शन निकटवर्ती बानेश्वर-बबरमहल क्षेत्र में सीपीएन-यूएमएल की रैली के बाद हुआ, जहां पार्टी प्रमुख ओली ने यूएमएल नेताओं और कार्यकर्ताओं को सुरक्षा देने के लिए 'नेशनल वोलेंटियर्स फोर्स' के गठन की घोषणा की।

यूएमएल कार्यकर्ताओं और जेन जी युवाओं, दोनों के कार्यक्रम लगभग एक ही स्थान पर और एक ही समय आयोजित किए गए थे तथा उनके बीच किसी भी टकराव को टालने के लिए बड़ी संख्या में दंगा रोधी पुलिसकर्मी तैनात किये गए थे। एक दिन पहले, जेन जी के युवाओं और ओली की पार्टी के सदस्यों के बीच झड़प में 10 लोग घायल हो गए, जिसके बाद तनाव फैल गया था। इसके बाद अधिकारियों को भारत की सीमा से लगे नेपाल के बारा जिले में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कर्फ्यू लगाना पड़ा था। हालांकि, शुक्रवार को कर्फ्यू हटा लेने के बाद बारा ज़िले में जनजीवन पटरी पर लौट आया।

चुनावों से पहले सेना की तैनाती की सिफारिश

काठमांडू। नेपाल की कार्यवाहक प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और आगामी पांच मार्च, 2026 को होने वाले संसदीय चुनावों को स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त माहौल में संपन्न कराने के लिए राष्ट्रीय मंत्रिमंडल में नेपाली सेना के जवानों को तैनात करने की सिफारिश की है। नेपाली मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिनिधि सभा के चुनावों से पहले गुरुवार को परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया। एक बयान में, परिषद ने कहा कि सुरक्षा बलों की तैनाती की सिफारिश संविधान के अनुच्छेद 266(1) के अंतर्गत की गई है, जो निकाय को नेपाल सेना की लामबंदी एवं नियंत्रण का प्रस्ताव देने और राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा मामलों पर सलाह देने के लिए अधिकृत करता है। बैठक में कई अंतर्निहित संभावित सुरक्षा चुनौतियों की भी समीक्षा की गई।

बांग्लादेश: 5.7 तीव्रता का भूकंप, छह की मौत

ढाका, एजेंसी

- तमाम इमारतें हुईं जमींदोज, कई स्थानों पर लगी आग

अस्पताल में भर्ती कराए गए कई घायल।

बांग्लादेश में शुक्रवार को आए 5.7 तीव्रता के भूकंप के कारण कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप के झटके राजधानी ढाका और कुछ अन्य हिस्सों में महसूस किए गए तथा इस दौरान कई इमारतों को नुकसान पहुंचा और कुछ जगहों पर आग लग गई, जिससे लोगों में दहशत फैल गई।

अधिकारियों ने बताया कि ढाका में तीन लोगों, जबकि नारायणगंज में एक व्यक्ति की मौत की सूचना है। वहीं, दो अन्य मौतें नरसिंगडी में हुईं, जहां भूकंप का केंद्र सतह से लगभग 10 किलोमीटर नीचे स्थित था। स्थानीय मीडिया ने भूकंप के कारण देशभर में कम से कम 50 लोगों के घायल होने की खबर दी है। बांग्लादेश के मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न 10 बजकर 38 मिनट पर आया और इसका केंद्र ढाका के उत्तर-पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित नरसिंगडी में 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। यह स्थान ढाका के अगरगांव क्षेत्र में भूकंपीय केंद्र से लगभग 13 किलोमीटर पूर्व में है।

ढाका के पुलिस उपायुक्त मलिक अहसान उद्दीन सामी ने अग्निशमन सेवा के हवाले से बताया कि पुराने ढाका के अरमानीटोला इलाके में पांच मंजिला इमारत की रेलिंग, बांस की मचान और मलबा गिरने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि भीड़भाड़ वाले इलाके में एक राहगीर गंभीर रूप से घायल हो गया। सामी ने पुष्टि की कि मृतकों में एक मेडिकल छात्र शामिल है, जो मांस खरीदने के लिए अपनी मां के साथ वहां गया था।

व्हाइट हाउस में ट्रंप से मिलेंगे ममदानी

वाशिंगटन। न्यूयॉर्क के निर्वाचित महापौर जोहरान ममदानी वाशिंगटन यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे।

ममदानी को चार नवंबर को न्यूयॉर्क शहर का महापौर निर्वाचित किया गया था। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा, यह बहुत कुछ बताता है, कल व्हाइट हाउस में एक कम्युनिस्ट नेता आ रहे हैं, क्योंकि डेमोक्रेट पार्टी ने उसे देश के सबसे बड़े शहर के महापौर के रूप में चुना है। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है और यह भी दर्शाता है कि राष्ट्रपति ट्रंप किसी से भी मिलने और किसी से भी बात करने के लिए तैयार हैं और अमेरिका के हित में काम करने की कोशिश करते हैं।

विवादों में घिरी रहीं मेक्सिको की फातिमा बॉश के सिर सजा मिस यूनिवर्स का ताज

बैंकॉक। मेक्सिको की 25 वर्षीय फातिमा बॉश फर्नांडीज ने शुक्रवार को मिस यूनिवर्स 2025 का ताज अपने नाम किया। यह जीत उनके लिए नाटकीय रही, जो बैंकॉक में आयोजित इस लोकप्रिय सौंदर्य प्रतियोगिता के उतारचढ़ाव वाले 74वें संस्करण के दौरान एक मेजबान द्वारा सार्वजनिक बदसलूकी का उनके डटकर सामना करने के कारण चर्चा में रहीं।

इस प्रतियोगिता की उप विजेता थाईलैंड की 29 वर्षीय प्रवीनर सिंह रहीं जबकि तीसरा स्थान वेनेजुएला की 25 वर्षीय स्टेफनी एड्रिआना अबासाली नासिर ने हासिल किया। इस वर्ष की प्रतियोगिता का माहौल एक विवाद के कारण बिगड़ गया था, जिसकी शुरुआत मेक्सिको की प्रतिभागी बॉश को फटकारने से हुई। इस घटना ने बहिष्कार, नारीवादी एकजुटता और स्थानीय आयोजक की भावुक माफी जैसे नाटकीय मोड़ लिए। चार नवंबर को प्रतियोगिता के एक सत्र के दौरान थाईलैंड के राष्ट्रीय निदेशक नवात इट्सारागिसिल ने बॉश पर स्थानीय प्रचार गतिविधियों में भागीदारी के निर्देशों का पालन न करने का आरोप लगाया और उन्हें फटकार लगाई। जब बॉश ने अपना पक्ष रखने की कोशिश की तो उन्होंने सुरक्षा कर्मियों को बुला लिया।

बॉश कमरे से बाहर चली गईं और उनके समर्थन में कई अन्य प्रतिभागी भी से बाहर निकल गईं, जिनमें मिस यूनिवर्स 2024 डेनमार्क की विक्टोरिया कायर थेलविग भी शामिल थीं। बॉश ने कहा, आपके निदेशक का व्यवहार सम्मानजनक नहीं था, उन्होंने मुझे मूर्ख कहा। अगर कोई चीज आपकी गरिमा छीनती है, तो आपको उससे हट जाना चाहिए। 'मिस यूनिवर्स ऑर्गनाइजेशन' के अध्यक्ष और मेक्सिको के व्यवसायी राउल रोचा कांतू ने एक बयान में नवात के व्यवहार को सार्वजनिक उत्पीड़न और गंभीर दुर्व्यवहार बताया था।

थाईलैंड की प्रवीनर पहली, वेनेजुएला की स्टेफनी दूसरी उप विजेता

मिस यूनिवर्स चुनी गईं फातिमा बॉश।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 22 नवंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वितीया 15.11 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

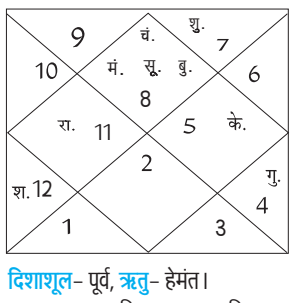

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-ज्येष्ठा 16.47 तक तत्पश्चात मूल।

मेष - आज अपने विचारों को दूसरों पर अध्यारोपित न करें। क्रोध के कारण आपके काम बिगड़ सकते हैं। आय के साधनों में कमी आ सकती है। आपके मन में अज्ञात भय उत्पन्न होगा। थायराइड से पीड़ित महिलाओं को स्वास्थ्य कष्ट हो सकता है।

वृष - आज पारिवारिक जीवन आनंद और उल्लास से भरपूर रहेगा। बिना मांगे किसी को सलाह न दें। प्राकृतिक स्थलों की यात्रा कर सकते हैं। व्यापार में गति तीव्र होने के योग बन रहे हैं। प्रेमी जन के माध्यम से आपको उपहार मिल सकता है।

मिथुन - आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। विरोधी आपके विरुद्ध षड्यंत्र कर सकते हैं। सरकारी सेवा से जुड़े लोगों के लिए दिन थोड़ा उबाऊ है। पहले की गई मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। किसी से अधिक अपेक्षा न करें। विपरीत परिस्थितियों के बीच अपनी योग्यता को सिद्ध कर सकेंगे।

कर्क - आज दांपत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। प्रेम संबंधों के बीच आयी गलतफहमियों को दूर करने के लिए दिन अच्छा है। व्यवसाय में उत्तम लाभ होगा। सभी कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से करें। विद्यार्थी पढ़ाई में शानदार प्रदर्शन करेंगे।

सिंह - आज कार्यक्षेत्र के माहौल में कुछ तनाव हो सकता है। परिजनों के साथ आप घूमने जा सकते हैं। आपके अच्छे कार्यों की सराहना होने के बजाय लोग उनकी आलोचना कर सकते हैं। जल्दबाजी में किए गए कार्यों से नुकसान हो सकता है। समय का सदुपयोग करें।

कन्या - आज पारिवारिक रिश्तों में संवादहीनता के कारण समस्या हो सकती है। मित्रों के साथ कहीं घूमने-फिरने का प्लान बन सकता है। भाई-बहनों की चिंता रहेगी। रक्तचाप के रोगियों को ठण्ड को लेकर विशेष सावधानी रखनी चाहिए। वरिष्ठ लोगों की अवहेलना न करें।

तुला - आज व्यापार में धन लाभ होगा। लेकिन आपको थोड़ी सावधानी भी बरतनी होगी। प्रबंधन से जुड़े लोगों के ऊपर काम का दबाव रहेगा। प्रेम संबंधों में तनाव हो सकता है। शाम के समय किसी समारोह के लिए निमंत्रण मिल सकता है।

वृश्चिक - आज आप रुके हुए कार्यों को निपटाने में व्यस्त रहेंगे। आपका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। जीवनसाथी आपका मानसिक और आर्थिक रूप से काफी सहयोग करेगा। काम के प्रति सकारात्मक रवैया रखें। मित्रों के साथ आपके संबंध और मधुर होंगे।

धनु - आज आपके काम की लोग उपेक्षा कर सकते हैं। व्यर्थ के कार्यों में आपका धन बर्बाद होगा। आज आवश्यक न हो तो यात्रा न करें। आय की अपेक्षा आपके खर्चों में अधिकता रहेगी। सहकर्मियों से अपनी व्यक्तिगत बातें शेयर करना उचित नहीं है।

मकर - आज कार्यक्षेत्र की तनावयुक्त परिस्थितियों को हल करने में सफल होंगे। आपकी नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा होगी। नया काम शुरू करना हर दृष्टिकोण से उत्तम है। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा। कला जगत से जुड़े लोगों को बड़े प्रपोजल मिलने के योग बन रहे हैं।

कुंभ - आज अपने कार्य के प्रति निष्ठावान रहें। प्रेमी जन की भावनाओं का अनादर न करें। मन में वैराग्य के भाव उत्पन्न हो सकते हैं। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई से उचट सकता है। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का वातावरण रहेगा। जिन लोगों का स्वास्थ्य खराब था, उनके स्वास्थ्य में सुधार आयेगा।

मीन - आज आपकी दिनचर्या में सुधार आयेगा। धर्म-कर्म के प्रति आपका रूझान बढ़ेगा। महत्वपूर्ण लोगों के साथ आपका समय बीतेगा। दांपत्य संबंधों को गहरा और मजबूत करने के लिए रोमान्टिक डेट पर जा सकते हैं। बच्चों का मार्गदर्शन लगातार करते रहें।

सुडोकू-168

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

								4
			1					
		3						
				7				
							3	
	1			9				
						9		
					6			
		5						

सुडोकू - 167 का हल

1	2	3	5	9	7	6	4	8
8	6	7	3	1	4	2	9	5
9	4	5	8	6	2	3	1	7
3	7	4	1	2	5	8	6	9
2	8	9	7	4	6	5	3	1
5	1	6	9	8	3	7	2	4
4	5	8	6	3	9	1	7	2
6	9	1	2	7	8	4	5	3
7	3	2	4	5	1	9	8	6

> भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी मैदान पर और मैदान के बाहर, दोनों जगह भारतीय हॉकी की सबसे प्रेरणा देने वाली हस्तियों में से एक रही हैं। एक शानदार युवा टैलेंट से हमारे खेल के सबसे बेहतरीन लीडर्स में से एक बनने का उनका सफर सच में शानदार है।
>
> -डॉ. दिलीप टिर्की

स्टेडियम

लखनऊ, शनिवार 22 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : सूर्यकुमार मुंबई की टीम में शामिल

मुंबई। भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को मुंबई की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टीम में शामिल किया गया है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 26 नवंबर से शुरू हो रही है। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर 17 सदस्यीय टीम की अगुआई करेंगे। स्क्वॉड में शिवम दुबे, सरफराज ख़ान, अजिंक्य रहाणे और आयुष म्हात्रे भी शामिल हैं। भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ दिसंबर से शुरू होने वाली टी-20 सीरीज से पहले सूर्यकुमार की मुंबई टीम में वापसी हुई है। मुंबई इंडियंस के लिए इस आईपीएल में 717 रन बनाने और 167 .91 की स्ट्राइक रेट के बावजूद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रन नहीं बना पाए हैं।

बावुमा वनडे व मार्करम संभालेंगे टी-20 टीम की कमान

जोहान्सबर्ग। तेम्बा बावुमा को भारत के खिलाफ तीन मैचों की आगामी एकदिवसीय सीरीज के लिए शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका का कप्तान नियुक्त किया गया, लेकिन प्रमुख तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा मौजूदा टेस्ट सीरीज से पहले अभ्यास सत्र के दौरान पसली में लगी चोट से उबरने में नाकाम रहने के बाद स्वदेश लौटेंगे। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज एडेन मार्करम की टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी हो रही है। **एकदिवसीय टीम :** तेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटिनिल बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्जके, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डिकॉक, टोनी डी जोर्जी, रुबिन हरमन, मार्को यानसन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, लुंगी एनगिडी, रियान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन। **टी-20 टीम :** एडेन मार्क्रम (कप्तान), ओटिनिल बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डिकॉक, टोनी डी जोर्जी, डोनोवन फेरेरिया, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, क्वेना मफाका, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्किया, ट्रिस्टन स्टब्स।

युवराज ने जीता इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स खिताब

डिगबोई (असम)। युवराज संधू ने लगातार दो प्लेऑफ हार के बाद शानदार वापसी की और शुक्रवार को डिगबोई गोल्फ लिंक्स में खेले गए मशहूर इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स, जो 1 करोड़ रुपये का इवेंट है, में सात-स्ट्रोक की जबरदस्त खिताबी जीत हासिल की। युवराज (65-69-66-69), जिन्होंने तीसरे राउंड के बाद छह-स्ट्रोक की शानदार बढ़त हासिल की थी, ने इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स के ऐतिहासिक 25वें एडिशन में चौथे राउंड में तीन-अंडर 69 का शानदार स्कोर बनाया और इस हफ़्ते का कुल स्कोर 19-अंडर 269 कर लिया। नतीजतन, चंडीगढ़ के 28 साल के इस खिलाड़ी ने इस सीजन की अपनी पांचवीं जीत हासिल की और पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में अपनी बढ़त और बढ़ा ली। लगातार चैंपियन रहे युवराज ने 15 लाख रुपये का विनिंग चेक हासिल किया, जिससे उनकी सीजन की कमाई 1,21,67,100 रुपये हो गई।

पांच विकेट लेने के बाद जश्न मनाते इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (बीच में)। एजेंसी

एशेज टेस्ट : स्टार्क के कमाल के बाद स्टोक्स का धमाल

- पहले दिन गिरे 19 विकेट, इंग्लैंड की मजबूत वापसी

पर्थ, एजेंसी

एशेज टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को यहां तेज गेंदबाजों के दबदबे के बीच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली पारी में महज 172 रन पर सिमटने के बाद कप्तान बेन स्टोक्स के पांच विकेट से इंग्लैंड ने मजबूत वापसी की। पांच मैचों की श्रृंखला का पहला दिन उम्मीदों पर खरा उतरा, जहां पर्थ स्टेडियम में 51,000 से अधिक दर्शकों के सामने 72 ओवर के खेल में 19 विकेट गिरे।

दिन का खेल खत्म होते समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर नौ विकेट पर 123 रन था और यह टीम पहली पारी में महज एक विकेट शेष रहते 49 रन पीछे है।

दिन का शुरुआती सत्र पूरी तरह से मिचेल स्टार्क के नाम रहा। उन्होंने नियमित कप्तान पैट कमिंस और दिग्गज जोश हेजलवुड की गैरमौजूदगी में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 58 रन देकर सात विकेट लिए, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे सत्र तक इंग्लैंड को ऑल आउट कर दिया। जोफ़्रा आर्चर ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के पहले ही ओवर में विकेट लेकर दिखा दिया कि पांच तेज गेंदबाजों की मौजूदगी वाली इंग्लैंड की टीम भी इस मामले में कमजोर नहीं है। मैच में अभी चार दिन शेष और दोनों टीमों की पहली पारी लगभग खत्म हो चुकी है। इंग्लैंड ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाने के बावजूद आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखते हुए 5.23 रन प्रति ओवर की दर से रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए रक्षात्मक रुख अपनाना भारी पड़ गया क्योंकि टीम उस तेजी से रन नहीं बना सकी लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गंवाते रही। दोनों टीमों के बल्लेबाजों को तेजी से उठती शॉर्ट-पिच गेंदों का सामना करना पड़ा ऑस्ट्रेलिया की पारी के 24वें ओवर में कैमरून ग्रीन को मार्क वुड की 147 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली बाउंसर ने चोटिल किया जिससे उनका संतुलन बिगड़ गया और वे स्टंप पर गिरते-गिरते बचे।

इंग्लैंड का आक्रमण उस तरह की खतरनाक गेंदबाजी कर रहा था जैसा ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज आमतौर पर मेहमान टीमों के खिलाफ करते हैं। इंग्लैंड ने पुछल्ले बल्लेबाजों ने पारी के आखिर में तेजी से विकेट गंवाये जिसका खामियाजा ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को भी उठाना पड़ा। ख्वाजा उस समय ड्रेसिंग रूम में मौजूद थे और चूंकि वह आठ मिनट से अधिक समय तक मैदान से बाहर रहे थे ऐसे में उन्हें ऑस्ट्रेलियाई पारी की शुरुआत करने की अनुमति नहीं दी गई। उनकी जगह लेने के लिए मार्नस लाबुशेन को ऊपरी क्रम में आना पड़ा। ख्वाजा को तीसरे नंबर पर भी बल्लेबाजी के नहीं आ पाये क्योंकि पदार्पण कर रहे जेक वेदरोल्ड को आर्चर ने पारी की दूसरी गेंद पर ही पगबाधा कर दिया।

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड	
इंग्लैंड (पहली पारी)	172/10
ऑस्ट्रेलिया (पहली पारी)	123/9

स्पिन पहेली को सुलझाकर श्रृंखला में बराबरी करने उतरेगी टीम इंडिया

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच आज से, गिल की अनुपस्थिति में पंत करेंगे कप्तानी

गुवाहाटी, एजेंसी

पहले टेस्ट मैच में स्पिनरों के सामने नतमस्तक होने वाली भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में स्पिन पहेली को सुलझाकर श्रृंखला बराबर करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगी। शुभमन गिल की अनुपस्थिति में ऋषभ पंत के लिए नेतृत्व की चुनौती बेहद चुनौतीपूर्ण होगी। मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए तो और भी कठिन परीक्षा आने वाली है, जिनके अक्सर उलझाने वाले फैसलों ने ड्रेसिंग रूम और थिंक टैंक को स्पष्टता के लिए जूझने पर मजबूर कर दिया है।

पिछले तीन दशकों से घरेलू मैदान पर खेलते हुए भारतीय टीमों की अजेय रहने की जो चमक रही है, वह वर्तमान टीम के सामने गायब हो गई है। यह पिछले कुछ वर्षों में पहला अवसर होगा जबकि भारतीय टीम घरेलू मैदान पर जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत नहीं करेगी। उसकी टीम कमजोर नजर आ रही है और क्रिकेट विशेषज्ञों के अनुसार यह अच्छी स्थिति नहीं है। अगर न्यूजीलैंड की स्पिन जोड़ी एजाज पटेल और मिशेल सैंटनर ने 2024 में भारत के घरेलू धरती पर अजेय रहने की धारणा को तार-तार कर दिया था तो साइमन हार्मर और उनके अन्य साथी युवा भारतीय टीम को और भी कमज़ोर बना रहे हैं।

स्पिनरों से निपटने की उचित तकनीक का अभाव स्पष्ट तौर पर नजर आ रहा है। इसका भारतीय खिलाड़ियों की मानसिकता पर काफी प्रभाव पड़ा है जिसने स्थिति को और बदतर बना दिया है। इन मुश्किल हालात में गिल की अनुपस्थिति में पंत कप्तानी संभालेंगे। उन्हें अच्छी तरह पता होगा कि लाल मिट्टी वाली बारसापारा की पिच पर उनकी बल्लेबाजी भी उनके फैसलों की तरह ही महत्वपूर्ण होगी। यह शुरू से ही स्पष्ट था कि गर्दन में अकड़न के कारण गिल दूसरे टेस्ट मैच में खेलने की दौड़ में नहीं थे, लेकिन भारतीय टीम प्रबंधन और बीसीसीआई ने आखिर तक संशय बनाए रखा। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, 26 वर्षीय गिल आराम करने और स्वास्थ्य लाभ के लिए शहर से बाहर चले गए हैं। गिल की जगह लेने के लिए साई सुदर्शन सबसे संभावित उम्मीदवार लग रहे हैं, हालांकि वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे या पिछले मैच की तरह ही वाशिंगटन सुंदर को इस नंबर पर उतारा जाएगा, यह देखना अभी बाकी है।

गिल को टीम से रिलीज किया गया, जाएंगे मुंबई

भारतीय कप्तान शुभमन गिल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच से पहले शुक्रवार को टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया। गिल की अनुपस्थिति में ऋषभ पंत दूसरे टेस्ट में टीम की अगुवाई करेंगे। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा शुभमन गिल को चोट की जांच के लिए मुंबई जाना होगा।

अभ्यास सत्र के दौरान ऋषभ पंत।

समय
पूर्वाह्न 9:00 बजे से

एकमात्र मैच में कप्तानी करना सर्वश्रेष्ठ स्थिति नहीं : ऋषभ पंत

गुवाहाटी : आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने शुक्रवार को स्वीकार किया कि एकमात्र टेस्ट में कप्तानी करना सर्वश्रेष्ठ स्थिति नहीं है लेकिन वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच की कड़ी चुनौतियों के के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहे हैं। इस मैच से पहले नियमित कप्तान शुभमन गिल को चोटिल होने के कारण टीम से रिलीज कर दिया गया था, जिसके बाद पंत को कप्तानी सौंपी गई। वह भारत के 38वें टेस्ट कप्तान होंगे। पंत ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा एक कप्तान के लिए एकमात्र मैच सबसे अच्छा विकल्प नहीं होता, लेकिन मैं बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) का मुझे यह सम्मान देने के लिए आभार व्यक्त करता हूं। जब भी आप अपने देश का नेतृत्व कर रहे होते हैं, तो यह सबसे गर्व का क्षण होता है। पंत से जब उनकी कप्तानी शैली के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह नए और पुराने का मिश्रण होगी।

टीम

भारत : ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), केएल राहुल, यशस्वी जयसवाल, बी साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जड़ेजा, वाशिंगटन सुंदर, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, देवदत्त पडिक्कल, आकाश दीप।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जोरजी, जुबैर हमजा, साइमन हार्मर, मार्को जानसन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, सेनुरान मुथुसामी, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरिन।

एशेज श्रृंखला देखकर ईर्ष्या हुई : तेम्बा बावुमा

गुवाहाटी। तेम्बा बावुमा को इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच एशेज सीरीज के शुक्रवार सुबह पर्थ में शुरू हुए मैच को देखकर ईर्ष्या हुई और उन्होंने हैरानी जताई कि पारंपरिक प्रारूप में मौजूदा विश्व चैंपियन होने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका को भारत के खिलाफ सिर्फ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलने का मौका क्यों मिला। इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब दिलाने वाले बावुमा ने कहा कि दो मैच की वर्तमान श्रृंखला टेस्ट क्रिकेट की दो मजबूत टीमों के साथ सही

न्याय नहीं करती। बावुमा ने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा हम आज सुबह एशेज देखने के लिए उठे। हमने उसे थोड़ी ईर्ष्या के साथ देखा, क्योंकि हम जानते थे कि वे पांच टेस्ट मैच खेल रहे हैं। वे एक दूसरे के सामने कड़ी चुनौती पेश करेंगे। उन्होंने कहा कि वह इस बात से खुश नहीं हैं कि विश्व चैंपियन होने के बावजूद उन्हें भारत के खिलाफ केवल दो टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलने के लिए मिल रही है। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ने कहा उम्मीद है कि निकट भविष्य में हमें भारत के खिलाफ चार टेस्ट मैच की सीरीज खेलने के लिए मिलेगी। भारत की टीम इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार या पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलती रही है लेकिन अन्य टीमों के खिलाफ वह अक्सर दो मैच की श्रृंखला ही खेलती है।

अभ्यास सत्र के दौरान जुबैर हमजा (बाएं) और टोनी डी जोरजी।

सगाई की अंगूठी दिखाते हुए डांस करतीं स्मृति मंधाना, साथ में राधा यादव, अरुंधति रेड्डी, जेमिमा रोड्रिग्स और श्रेयंका पाटिल। एजेंसी

मंधाना ने संगीतकार मुच्छल के साथ सगाई की पुष्टि की

नई दिल्ली, एजेंसी

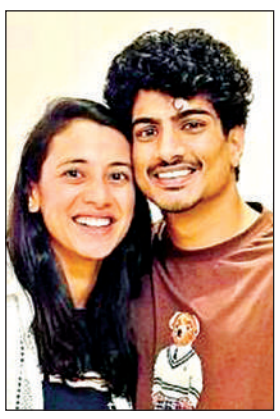

विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना ने संगीतकार पलाश मुच्छाल के साथ अपनी सगाई की घोषणा कर दी है जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई लोगों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी।

इस आक्रामक बल्लेबाज का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह भारतीय टीम की अपनी साथी खिलाड़ियों राधा यादव, जेमिमा रोड्रिग्स, श्रेयांका पाटिल और अरुंधति रेड्डी के साथ बॉलीवुड की फिल्म लगे रहो मुन्ना भाई के गीत 'समझो हो ही गया' पर नृत्य कर रही हैं। इस दौरान वह मुस्कुराते हुए अपनी सगाई की अंगूठी को भी दिखा रही हैं। जेमिमा ने यह क्लिप इंस्टाग्राम पर साझा की है जिसे अभी तक 19 लाख से ज़्यादा लाइक्स और 12,000 से ज़्यादा कमेंट्स मिल चुके हैं।

मंधाना और मुच्छाल 23 नवंबर को शादी के बंधन में बंधेंगे। प्रधानमंत्री ने दम्पति को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मंधाना की कवर ड्राइव की सुंदरता मुच्छाल की मधुर संगीतमय सिम्फनी के साथ एक अद्भुत साझेदारी बनाएगी। उन्होंने लिखा जीवन के हर मोड़ पर हाथ में हाथ डालकर चलते हुए, इस

जोड़े को एक-दूसरे की मौजूदगी में शक्ति मिले और उनके दिल, दिमाग और आत्मा में सामंजस्य हो। उनके सपने आपस में गुंथें और साथ-साथ बढ़ें तथा उन्हें खुशी और गहरी समझ से भरे भविष्य की की तरफ ले जाएं।

मोदी ने कहा मैं कामना करता हूं कि स्मृति और पलाश विश्वास पर आधारित एक साझा जीवन का निर्माण करें, हमेशा एक-दूसरे के साथ खड़े रहें, प्यार के साथ जिम्मेदारियों को स्वीकार करें तथा एक दूसरे के मजबूत और कमजोर पक्षों के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने कहा जब वे एक साथ एक नया, सुंदर जीवन शुरू करते हैं, तो स्मृति के कवर ड्राइव की सुंदरता पलाश की मधुर संगीतमय सिम्फनी से मिलकर एक अद्भुत साझेदारी बनाती है।

सुपर ओवर में भारत ए की उम्मीदें तोड़कर बंगलादेश ए फाइनल में

राइजिंग स्टार्स 2025

दोहा, एजेंसी

भारत ए को बल्ले और गेंद से निराशाजनक प्रदर्शन का खामियाजा भुगतना पड़ा और राइजिंग स्टार्स एशिया कप के सेमीफाइनल में शुक्रवार को बांग्लादेश ए ने उसे सुपर ओवर में हरा दिया। बांग्लादेश ए का सामना अब पाकिस्तान शाहींस और श्रीलंका ए के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। फाइनल रविवार को खेला जाएगा। बांग्लादेश ए ने 20 ओवर में छह विकेट पर 194 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम का स्कोर भी बराबर रहा जिससे मैच सुपर ओवर तक खिंच गया। भारत ए ने सुपर ओवर में कप्तान जितेश शर्मा, आशुतोष शर्मा और रमनदीप

मैच के दौरान भारत ए टीम के खिलाड़ी। एजेंसी

सिंह को उतारने का अजीब फैसला लिया जबकि वैभव सूर्यवंशी और प्रियांश आर्य फॉर्म में थे। जितेश और आशुतोष को तेज गेंदबाज रिपोन मंडल ने सुपर ओवर में खाता खोलने का मौका दिए बिना आउट कर दिया। बांग्लादेश ने पहली गेंद पर यासिर अली का विकेट गंवाया लेकिन लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने अगली गेंद वाइड डाल दी जिससे बांग्लादेश को जीत मिली। इससे पहले भारत के लिये सूर्यवंशी ने 15 गेंद में 38 और आर्य ने 23 गेंद में 44 रन बनाए। भारत के 50 रन 19 गेंद में ही बन गए थे । सूर्यवंशी ने मंडल के पहले ओवर में 19 रन बनाये जिसमे दो छक्के और एक चौका शामिल था। इसके बाद आफ स्पिनर मेहराब हसन को लगातार दो छक्के जड़े।

गर्व की बात

बोलीं- भारत सपने देखने वाले युवाओं से भरा है और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम पक्का करें कि उनके सपने पूरे हों

पीटी उषा फिक्की लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व स्प्रिंट क्वीन और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की मौजूदा अध्यक्ष पीटी उषा को भारतीय खेलों में उनके असाधारण योगदान और एथलीटों की पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए शुक्रवार को फिक्की लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

उषा, जिन्हें 'पय्योली एक्सप्रेस' के नाम से भी जाना जाता है, को यह सम्मान फिक्की टर्फ 2025 -15वें ग्लोबल स्पोर्ट्स समिट में दिया गया। उन्होंने कहा भारत सपने देखने वाले युवाओं से भरा है, और यह हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम पक्का करें कि उनके सपने मायने रखें। ग्लोबल पार्टनरशिप, खासकर ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ, और हर लेवल पर डिसिप्लिन्ड गवर्नेंस के साथ,

> भारतीय खेल तभी आगे बढ़ता है जब हम सब मिलकर आगे बढ़ते हैं। टैलेंट देश के हर कोने में मौजूद है, लेकिन मौका हर बच्चे तक पहुंचना चाहिए। हमारा फोकस एथलीट पर होना चाहिए : साफ रास्ते, मजबूत सिस्टम, सही चुनाव और साइंस, न्यूट्रिशन और मेंटल स्ट्रेंथ पर आधारित सपोर्ट।
>
> -पीटी उषा

हम चैंपियंस की एक नई पीढ़ी बना सकते हैं। इसी तरह एथलीट आगे बढ़ते हैं, और इसी तरह एक देश खेल के जरिए आगे बढ़ता है। यह समिट आज सुबह फेडरेशन हाउस, नई दिल्ली में शुरू हुई, जिसमें सरकार, खेल, इंडस्ट्री और डिप्लोमेसी के लीडर्स एक साथ आए ताकि भारत की खेल में अगले दशक की तरक्की का खाका तैयार किया जा सके।

शुरुआती सेशन की शुरुआत फिक्की स्पोर्ट्स कमेटी के चेयरमैन और जीएमआर स्पोर्ट्स के प्रेसिडेंट पी. के. एसवी सागर के वेलकम एड्रेस से हुई, जिन्होंने पूरे स्पोर्टिंग इकोसिस्टम में कोलेबोरेशन की बढ़ती ज़रूरत पर ज़ोर दिया। इस साल की थीम, इंडियन स्पोर्ट्स - ग्लोबल एक्सीलेंस का रास्ता बनाना, ने ग्लोबल एम्बिशन, इनोवेशन और कलेक्टिव एक्शन पर फोकस करने वाले एक दिन की दिशा तय की। पहले सेशन की एक खास बात फिक्की नॉलेज रिपोर्ट स्पोर्टिंग इंडिया राइजिंग' और स्पोर्ट्स कोलैबोरेशन के लिए इंडिया-ऑस्ट्रेलिया स्ट्रैटेजी का रिलीज होना था, जो समिट में ग्लोबल पार्टनरशिप को मजबूत करने पर ज़ोर देने को दिखाता है। ऑस्ट्रेलिया को पार्टनर कंट्री के तौर पर देखते हुए, समिट ने हाई-परफॉर्मेंस सिस्टम, कोचिंग, स्पोर्ट्स साइंस, इनोवेशन और लॉन्ग-टर्म टैलेंट पाथवे में बढ़ते मौकों को और मजबूत किया। भारत सरकार के स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी, हरि रंजन राव ने अपने भाषण में कहा भारत की स्पोर्ट्स प्रोग्रेस एक प्रिंसिपल पर निर्भर करती हैः एक एथलीट-फोकस्ड, कोच-लेड इकोसिस्टम जिसे हर स्टेकहोल्डर का सपोर्ट हो। सेंटर, स्टेट्स, इंडस्ट्री और फेडरेशन के बीच कोलैबोरेशन ज़रूरी है, और फिक्की टर्फ जैसे प्लेटफॉर्म उस अलाइनमेंट को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं।

2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिलने का यकीन

पीटी उषा को पूरा यकीन है कि भारत को 26 नवंबर को ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेल आमसभा की बैठक के दौरान 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिल जाएगी। उन्होंने शुक्रवार को कहा हम कल ग्लास्गो रवाना हो रहे हैं। मुझे पूरा यकीन है कि लोगों की उम्मीदें पूरी होंगी। दो तीन दिन इंतजार कर लें। पिछले महीने राष्ट्रमंडल खेल कार्यकारी बोर्ड ने अहमदाबाद में इन खेलों के आयोजन की सिफारिश की थी। ग्लास्गो में होने वाली बैठक में अंतिम मंजूरी मिलेगी। नाइजीरिया का अबुजा भी मेजबानी की दौड़ में है। राष्ट्रमंडल खेल को 2030 में सौ साल भी पूरे होने जा रहे हैं।